26 नवंबर 2025
बुधवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण
आपकी आवाज

अनुसूचित जाति के आशियाने पर चला प्रशासन का बुलडोजर, ठंड में खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर 2

निर्वाचन आयोग भाजपा आयोग में बदल गया : सीएम

एजेंसी/कोलकाता

बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने एसआईआर को लेकर मंगलवार को केंद्र पर जोरदार हमला बोलते हुए कहा कि अगर उन्होंने मुझे चोट पहुंचाने की कोशिश की, तो पूरे देश में भाजपा की नींव हिला दूंगी। ममता ने चेतावनी दी कि वे (भाजपा व केंद्र) बंगाल को चोट पहुंचाने व मेरे साथ खेल खेलने का साहस न करें। एसआईआर के खिलाफ बांग्लादेश की सीमा से सटे उत्तर 24 परगना जिले के बनगांव में मतुआ समुदाय के गढ़ में एक रैली को संबोधित करते हुए ममता ने कहा कि राज्य में मतदाता सूची से वैध मतदाताओं का नाम कटने पर केंद्र सरकार भी गिर जाएगी। ममता ने कहा कि भाजपा के लिए 2029 और भयंकर होगा।

एसआईआर दो-तीन वर्षों में किया जाए तो हम समर्थन देंगे

ममता ने फिर सवाल उठाया कि एसआईआर इतनी जल्दी में क्यों किया जा रहा है?उन्होंने कहा कि यदि एसआईआर दो या तीन वर्षों में किया जाए तो हम इस प्रक्रिया को हरसंभव संसाधन के साथ समर्थन देंगे। ममता ने दावा किया कि एसआईआर प्रक्रिया को लेकर फैली घबराहट के कारण बंगाल में 35-36 लोगों की मौतें हो चुकी हैं। कई लोगों ने खुदकुशी कर ली। उन्होंने आश्चर्य जताया कि 2026 के बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले दो महीने के भीतर जबरदस्ती यह कवायद क्यों की जा रही है।

एसआईआर पर तमिलनाडु में बवाल, चुनाव आयोग को नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु में मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ दाखिल एमडीएमके प्रमुख और पूर्व सांसद वाइको की याचिका पर चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने चुनाव आयोग को नोटिस जारी करते हुए मामले को दो दिसंबर को सुनवाई पर लगाने का निर्देश दिया है। वाइको ने अपनी याचिका में तमिलनाडु में चल रही एसआईआर प्रक्रिया को असंवैधानिक घोषित करने की मांग की है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट एसआईआर के मसले पर बुधवार 26 नवंबर को भी कुछ मामलों में सुनवाई करेगा। कोर्ट ने पिछली सुनवाई पर केरल में निकाय चुनावों को देखते हुए फिलहाल एसआईआर टालने की अर्जियों पर सुनवाई के लिए 26 नवंबर की तारीख तय की थी। इसके अलावा बिहार के पहले से लंबित मामले पर भी सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट में बिहार के अलावा तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश के मामले पहुंच चुके हैं। मंगलवार को प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और जोयमाल्या बाग्ची की पीठ ने वाइको की याचिका पर संक्षिप्त सुनवाई के बाद नोटिस जारी किया। हालांकि वकील ने मामले को बुधवार 26 नवंबर को सुनवाई पर लगाने का अनुरोध करते हुए कहा था कि बुधवार को तमिलनाडु एसआईआर से संबंधित अन्य याचिकाएं सुनवाई पर लगी हैं इसलिए इस याचिका को भी सुनवाई पर लगाया जाए लेकिन कोर्ट इसके लिए राजी नहीं हुआ।

शेखपुरा में सड़क हादसा, छह की मौत, सात जख्मी

एजेंसी। शेखपुरा

बिहार के शेखपुरा जिले में मंगलवार सुबह सीएनजी ऑटो और ट्रक की भीषण टक्कर में छह लोगों की मौके पर मौत हो गई। घटनास्थल से सात घायलों को ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया है। दिन में कई की हालत गंभीर है। मृतकों की पहचान का प्रयास चल रहा है और दूसरी तरफ घायलों को बचाने में डॉक्टर लगे हुए हैं। एनएच 33 ए पर यह हादसा हुआ। हादसे के बाद जुटी भीड़ ने रास्ता जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया है। घटना इतना भयानक था कि जेसीबी की मदद से वाहन में फंसे शव को निकाला गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि गलत दिशा से आ रहा ट्रक अनियंत्रित होकर सीएनजी ऑटो में टकरा गया, जिससे यह बड़ा हादसा हो गया. लोगों की चीख पुकार मच गई।

लोगों ने किया सड़क जाम

शेखपुरा सिकंदरा रोड पर मनिंडा गांव के पास हादसा हुआ. घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है. घटना के बाद से लोग काफी आक्रोशित हैं। उनका कहना है कि आए दिन इस तरह की घटना का डर बना रहता है. प्रशासन की ओर से ठोस कार्रवाई नहीं की जाती है।सूचना मिलते ही चेवाड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर जाम हटवाने की कोशिश की। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है और चालक की तलाश की जा रही है। सभी घायलों को तुरंत शेखपुरा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। कई घायल गंभीर बताए जा रहे हैं। हादसे से पूरे इलाके में शोक

हमें भावी पीढ़ियों के लिए भी सोचना है, क्योंकि जब हम नहीं थे, तब भी देश था

मानसिक गुलामी ने राम को भी बताया काल्पनिक : पीएम

एजेंसी। अयोध्या

पिछले 11 वर्ष में महिला, दलित, पिछड़े, आदिवासी, वंचित, किसान, युवा को विकास के केंद्र में रखा गया है। रामलला प्राण प्रतिष्ठा पर राम से राष्ट्र की चर्चा की थी, हमें एक हजार वर्ष के लिए भारत की नींव मजबूत करनी है। जो सिर्फ वर्तमान सोचते हैं, वह आने वाली पीढ़ियों के साथ अन्याय करते हैं। हमें भावी पीढ़ियों के लिए भी सोचना है, क्योंकि जब हम नहीं थे, तब भी देश था। जब हम नहीं रहेंगे तब भी देश रहेगा।ह ये बातें पीएम मोदी ने अयोध्या में कहीं। उन्होंने कहा, आज से 190 साल पहले 1835 में लार्ड मैकाले ने मानसिक गुलामी की नींव रखी थी। दस साल बाद यानी 2035 में उस अपवित्र घटना को दो सौ साल पूरे हो रहे हैं। ये बातें पीएम मोदी ने अयोध्या में कहीं। उन्होंने कहा, आज से 190 साल पहले 1835 में लार्ड मैकाले ने मानसिक गुलामी की नींव रखी थी। दस साल बाद यानी 2035 में उस

अपवित्र घटना को दो सौ साल पूरे हो रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा, तमिलनाडु के एक गांव में शिलालेख पर बताया है कि कैसे सरकार चुनती थी, कैसे शासन चलता था। लेकिन गुलामी की मानसिकता के कारण भारत की पीढ़ियों को जानकारी से वंचित रखा गया। हर कोने में गुलामी की मानसिकता ने डेरा डाला है। नौसेना के ध्वज पर ऐसे प्रतीक बन रहे, जिन पर हमारी विरासत से कोई संबंध नहीं है। हमने गुलामी के प्रतीक को हटाया है। हमने छत्रपति महाराज की विरासत को बढ़ाया है।

500 वर्षों में कई साम्राज्य बदले लेकिन आस्था टिकी रही: सीएम

अयोध्या। अयोध्या ध्वजारोहण कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ध्वजारोहण यज्ञ की पूर्णाहूति नहीं, बल्कि नए युग का शुभारंभ है। प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर 140 करोड़ भारतीयों की आस्था, सम्मान व आत्मगौरव का प्रतीक है। सीएम योगी ने भव्य मंदिर के निर्माण में योगदान देने वाले कर्मयोगियों का भी अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि आज का पावन दिन उन पूज्य संतों, योद्धाओं, श्रीरामभक्तों की अखंड साधना-संघर्ष को समर्पित है, जिन्होंने आंदोलन व संघर्ष के लिए जीवन को समर्पित किया। विवाह पंचमी का दिव्य संयोग इस उत्सव को और भी पावन बना रहा है। मुख्यमंत्री-गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर भगवा ध्वज के आरोहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघ चालक मोहन भागवत की उपस्थिति में अपने विचार रखें।

रामनगरी ने झेला 500 वर्ष का वनवास त्रेता युग से किया राम का इंतजार

रामनगरी में ध्वजारोहण का उल्लास छलकने लगा है। शहर में उत्सव का माहौल है, ध्वज, पताकाएं, पुष्पों से मार्ग सज रहे हैं। जिस अयोध्या ने त्रेतायुग में प्रभु श्रीराम ने 14 वर्ष के वनवास का दर्द सहा था, उसी रामनगरी ने कलियुग में यह विरह लगभग 500 वर्ष तक झेला। राम दरबार सजने की प्रतीक्षा में 500 साल बीत गए। यह दर्द दिया था रामकोट मोहल्ले में एक टीले पर वर्ष 1528 से 1530 में बनी मस्जिद पर लगे शिलालेख ने, जिस पर लिखा था कि बाबर के आदेश पर उसके सेनापति मीर बाकी ने इसे बनवाया था। संत समाज मान रहा है कि अब जब श्रीरामजन्मभूमि पर रामलला का भव्य मंदिर आकार ले चुका है, तो यह वही आनंद है जो त्रेतायुग में श्रीराम के लौटने पर अयोध्यावासियों को मिला था। रामराज का नया अध्याय अब साकार दिखने लगा है। यह प्रतीक्षा केवल भूमि की नहीं, बल्कि करोड़ों रामभक्तों की आस्था की प्रतीक्षा थी।

कर्नाटक में सड़क दुर्घटना, सीनियर आईएएस महंतेश बिलागी की मौत

एजेंसी। नई दिल्ली

कर्नाटक में आज एक बड़े सड़क हादसे में एक सीनियर आईएएस अधिकारी के साथ-साथ दो अन्य लोगों की मौत हो गई। यह हादसा कलबुर्गी जिले के जेवरगी तालुक में गौनाहल्ली के पास तब हुआ जब अधिकारी महंतेश बिलागी एक इनोवा कार में विजयपुरा से कलबुर्गी जा रहे थे। बिलागी कर्नाटक स्टेट मिनरल्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर के तौर पर काम कर रहे थे। इससे पहले, वह बैंगलोर इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कंपनी लिमिटेड के एमडी थे। दुर्घटना में उन्हें गंभीर चोटें आईं और उन्हें कलबुर्गी के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा था। डॉक्टरों की कोशिशों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। तस्वीरों में दुर्घटनाग्रस्त कार दिख रही है, जिस पर बड़े-बड़े डेंट और टूटी हुई विंडशील्ड है। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और आगे की जांच चल रही है। कर्नाटक में एक भीषण सड़क हादसे में वरिष्ठ आईएएस अधिकारी महंतेश बिलागी का निधन हो गया। यह दुर्घटना कलबुर्गी जिले में हुई, जब उनकी कार विजयपुरा से कलबुर्गी जा रही थी। महंतेश बिलागी कर्नाटक स्टेट मिनरल्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड के एमडी थे। गंभीर रूप से घायल होने के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हो सके।

कैबिनेट बैठक के बाद रोजगार पर सीएम नीतीश कुमार ने दिया ब्लू प्रिंट

एजेंसी। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शपथ ग्रहण के बाद ही युवाओं और रोजगार को लेकर अपनी तैयारी दिखा दी थी। उन्होंने बिहार में उद्योग की संभावना बढ़ाने की तैयारी पहले ही बता दी थी। मंगलवार को इधर कैबिनेट की बैठक में उद्योग और विकास की बात हुई तो दूसरी तरफ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने युवाओं को अगले 5 साल में रोजगार उपलब्ध कराने को लेकर अपनी पूरी योजना बताई।राज्य में अधिक से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार मिले, यह शुरू से ही हमलोगों की प्राथमिकता रही है। सात निश्चय-2 के तहत वर्ष 2020-25

के बीच राज्य में 50 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी एवं रोजगार दिया गया है। अगले 5 वर्षों (2025-30) में हमलोगों ने 1 करोड़ युवाओं को नौकरी एवं रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया है।नई सरकार के गठन के पश्चात राज्य में उद्योगों को बढ़ावा देने एवं अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए हमलोगों ने तेजी से काम शुरू कर दिया है। बदलते बिहार के विकास की गति को बल देने हेतु बिहार में प्रौद्योगिकी और सेवा आधारित नवाचारों की न्यू ऐज इकोनॉमी के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु इस क्षेत्र से संबंध रखने वाले बिहार के अग्रणी उद्यमियों के सुझाव प्राप्त कर योजनाओं एवं नीतियों का निर्धारण किया जाएगा। साथ ही बिहार को एक ह्यवैश्विक एवं ह्यग्लोबल वर्कप्लेसह्ण के रूप में विकसित एवं स्थापित करने हेतु महत्वपूर्ण विभागों तथा प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों एवं विशेषज्ञों के सहयोग से एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

60 प्रतिशत जिलों में पीएम 2 .5 का स्तर राष्ट्रीय मानक से ऊपर पाया गया

देश के 447 जिलों की हवा जहरीली, टॉप-10 राज्यों में दिल्ली अव्वल

एजेंसी। अयोध्या

वायु गुणवत्ता की स्थिति दिल्ली एनसीआर ही नहीं, बल्कि देश भर में खासी चिंताजनक है। इससे ज्यादा चैंकाने वाले तथ्य और क्या हो सकता हैं कि भारत के 749 (विश्लेषण में शामिल) में से 447 जिले यानी करीब 60 प्रतिशत जिलों में पीएम 2.5 का स्तर राष्ट्रीय मानक से ऊपर पाया गया है। इनमें दिल्ली सबसे प्रदूषित राज्यध्केंद्र शासित प्रदेश के रूप में शामिल है। यह चिंताजनक तस्वीर सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी

एंड क्लीन एयर (सीआरईए) की एक रिपोर्ट में सामने आई है। इसके मुताबिक दिल्ली में वार्षिक औसत पीएम 2.5 स्तर 101 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर जा पहुंचा, जो भारतीय मानक से ढाई गुना और डब्ल्यूएचओ की सीमा से 20 गुना अधिक है। चंडीगढ़ दूसरे स्थान पर रहा। इसके बाद हरियाणा, त्रिपुरा, असम, बिहार, पश्चिम बंगाल, पंजाब, मेघालय और नागालैंड का स्थान है, ये सभी राष्ट्रीय मानक से ऊपर पाए गए। सबसे ज्यादा प्रदूषित 50 जिलों में सबसे अधिक योगदान देने वाले प्रदेश या जिले दिल्ली से 11, असम से 11, हरियाणा से सात, बिहार से सात, उत्तर प्रदेश से चार, त्रिपुरा से तीन, राजस्थान से दो और बंगाल से दो शामिल हैं। दिल्ली, असम, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश, मेघालय, त्रिपुरा और जम्मू-कश्मीर में निगरानी वाले सभी जिले मानक से ऊपर पाए गए। मौसम के अनुसार प्रदूषण की स्थिति के मामले में 82 प्रतिशत जिले सर्दी, 54 प्रतिशत गर्मी, 54 प्रतिशत, 10 प्रतिशत मानसून और 75 प्रतिशत मानसून के बाद की स्थिति को लेकर मानकों से ऊपर रहे। सीआरईए के विश्लेषक मनोज कुमार ने बताया कि भारत की वायु समस्या को सिर्फ शहरों की धुंध या सर्दियों की समस्या नहीं माना जा सकता।

जिला नियोजनालय बक्सर में 28 नवंबर को रोजगार कैम्प, 50 पदों पर होगा चयन

- **युवाओं के लिए सुनहरा अवसर, निःशुल्क प्रवेश; अभ्यर्थियों को आधार कार्ड और बायोडाटा साथ लाने की अपील**

केटी न्यूज/बक्सर

प्रभारी जिला नियोजन पदाधिकारी बक्सर से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला नियोजनालय की ओर से 28 नवंबर को एक दिवसीय रोजगार कैम्प का आयोजन किया जाएगा। यह कैम्प संयुक्त श्रम भवन, आईटीआई मैदान स्थित जिला नियोजनालय के कार्यालय परिसर में पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक संचालित रहेगा।

इस रोजगार कैम्प में फ्लाईवाइड उड्डयन अकादमी, पटना द्वारा अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। संस्था को उड्डयन व हवाईअड्डा भू-स्टाफ, विमान परिचारिका, आतिथ्य सेवाएं तथा खुदरा सेवा (रिटेल) से जुड़े कुल 50 पदों पर नियुक्ति करनी है। इन पदों के लिए मासिक वेतन 17 हजार से 25 हजार रुपये निर्धारित है।

-- योग्यता एवं आयु सीमा

इन पदों के लिए अभ्यर्थियों की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता बारहवीं उत्तीर्ण या स्नातक रखी गई है। साथ ही संबंधित क्षेत्र में छह माह का प्रशिक्षण भी आवश्यक है। अभ्यर्थियों की आयु 17 से 26 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

संस्था द्वारा अभ्यर्थियों का चयन योग्यता के आधार पर ऑन-द- स्पॉट (यानी मौके पर ही) किया जाएगा। जिला नियोजनालय ने स्पष्ट किया है कि नियुक्ति संबंधी सभी शर्तों व नियमों के लिए नियोजक संस्था स्वयं जिम्मेदार होगी, जबकि नियोजनालय की भूमिका केवल सुविधा उपलब्ध कराने की है।

-- निबंधन अनिवार्य

रोजगार कैम्प में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के लिए नियोजनालय में पंजीकरण अनिवार्य किया गया है। जिन युवाओं ने अभी तक निबंधन नहीं कराया है वे नेशनल करियर सर्विस पोर्टल पर जाकर अपना ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं।

जिला नियोजन पदाधिकारी ने बताया कि रोजगार कैम्प में प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क है। इच्छुक आवेदक अपने बायोडाटा और आधार कार्ड के साथ नियत तिथि पर नियोजनालय परिसर में उपस्थित हों। उन्होंने जिले के बेरोजगार युवाओं से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं और अपनी योग्यता के अनुसार बेहतर अवसर प्राप्त करें।

यह रोजगार कैम्प युवाओं को उड्डयन और आतिथ्य सेवा क्षेत्रों में करियर बनाने का एक महत्वपूर्ण मौका प्रदान करेगा।

अनुसूचित जाति के आशियाने पर चला प्रशासन का बुलडोजर, ठंड में खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर

केटी न्यूज/केसठ

स्थानीय प्रखंड के केसठ में मंगलवार को कोर्ट के आदेश पर प्रशासनिक टीम ने अनुसूचित जाति के परिवारों के आशियाने पर बुलडोजर चलाकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। दशकों से बसे ये परिवार कार्रवाई के दौरान रोते-बिलखते नजर आए। ठंड के मौसम में आशियाना टूट जाने से कई परिवार अब खुले आसमान के नीचे रात गुजारने को मजबूर हो गए हैं।मिली जानकारी के अनुसार, जमीन विवाद से जुड़े एक मामले में रामप्रवेश पासवान की ओर से कोर्ट में दायर अर्जी पर यह कार्रवाई की गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि शिवराती मुसहर और भगन मुसहर सहित कई परिवार वर्षों से यहां झोपड़ी बनाकर रह रहे थे। कार्रवाई के दौरान इन परिवारों ने पदाधिकारियों से एक माह की मोहलत मांगी, लेकिन उनकी फरियाद अनसुनी रह गई।मौके पर मौजूद लोगों ने आरोप लगाया कि प्रशासन गरीब परिवारों के आशियाने उजाड़ने में तो तेजी दिखाता है, लेकिन बड़े-बड़े कब्जाधारियों तक पहुंचने में हिचकता है। उनका कहना है कि वर्षों से सरकारी जमीन पर बसे इन परिवारों की मेहनत और सपने एक झटके में ध्वस्त हो गए। लोगों ने सवाल उठाया कि क्या प्रशासन उतनी ही तत्परता से प्रभावशाली लोगों के अवैध कब्जे पर कार्रवाई करेगा। दूसरी ओर, केसठ अंचलाधिकारी अभिषेक गर्ग ने स्पष्ट किया कि यह पूरी कार्रवाई कोर्ट के आदेश के बाद की गई है और प्रशासन कानून के दायरे में रहते हुए अपना कर्तव्य निभा रहा है। कार्रवाई के दौरान भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती भी की गई थी। स्थानीय अनुसूचित जाति वर्ग के परिवारों ने प्रशासन से पुनर्वास और ठंड से बचाव के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की मांग की है, ताकि बेघर हुए लोग सुरक्षित रह सकें।

एक नजर

कृषि जन कल्याण चौपाल का आयोजन, किसानों को दी गई कृषि से आधारित योजनाओं की जानकारी

केसठ। प्रखंड के कतिकनर पंचायत अंतर्गत किरनी गांव में सोमवार को किसानों को खेती बारी का गुण सिखाने एवं कृषि विभाग की विभिन्न विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने हेतु कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण आत्मा बक्सर किस तत्वाधान में कृषि जन कल्याण चौपाल का आयोजन किया गया। इस मौके पर एडीपीपी संस्कृति मौरया, एडीएसए प्रियंका लोहान, प्रखंड कृषि पदाधिकारी शिवम वर्मा, बीटीएम डॉक्टर प्रफुल्ल कुमार, लेखपाल प्रफुल्ल कुमार, रितेश कुमार आदि मौजूद रहे। इस दौरान अधिकारियों द्वारा किसानों के बीच कृषि, उद्यान, यंत्रीकरण, भूमि संरक्षण, मिट्टी जांच इत्यादि से संबंधित योजनाओं के साथ-साथ पराली प्रबंधन की जानकारी किसानो को विस्तृत रूप से दी गई। इस क्रम में किसान चौपाल के माध्यम से विशेष रूप से धान की फसल कटने के बाद खेत में बचे फसल अवशेष के प्रबंधन की जानकारी देते हुए किसानों से पराली न जलाने की अपील की गई। अधिकारियों ने विभिन्न पंचायतों में लगने वाले किसान चौपाल में पहुंचकर योजनाओं एवं तकनीकी की जानकारी प्राप्त करने की अपील की। आगे कहा गया कि अधिक जानकारी के लिए किसान अपने पंचायत के किसान सलाहकार, कृषि समन्वयक, सहायक तकनीकी प्रबंधक, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक, प्रखंड कृषि पदाधिकारी से संपर्क कर सकते है। मौके पर चौपाल कार्यक्रम में किसानों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

किसान चौपाल में आधुनिक कृषि तकनीक पर जोर, मशरूम व जैविक खेती को बढ़ावा

बक्सर। प्रखंड के पलिया पंचायत के पीठारी और जलीलपुर पंचायत के सोनपा में कृषि विभाग व आत्मा के तत्वावधान में किसान चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में किसानों को आधुनिक और वैकल्पिक खेती के तरीकों के साथ-साथ बेहतर उत्पादन और कम लागत की तकनीकों की जानकारी दी गई। चौपाल में उपस्थित प्रखंड तकनीकी प्रबंधक अमृता सिंह ने कहा कि मशरूम एवं जैविक खेती अपनाकर किसान अपनी आर्थिक आमदनी में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि बहुत कम जगह और कम लागत में मशरूम उत्पादन संभव है, जिससे किसान स्वास्थ्य और आय दोनों के स्तर पर लाभ ले सकते हैं। कृषि विभाग द्वारा समय-समय पर प्रशिक्षण भी उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि किसान आधुनिक खेती की दिशा में आगे बढ़ सकें। वही, सहायक तकनीक प्रबंधन प्रमोद कुमार ने बताया कि धान की कटनी के बाद गेहूं और चना की बुवाई शुरू होगी। अधिक उत्पादन और बीज संरक्षण के लिए बीज उपचार आवश्यक है, लेकिन इसके लिए रासायनिक तरीकों के बजाय जैविक विधि अपनाना अधिक सुरक्षित और प्रभावी होगा। कृषि यंत्रीकरण पर चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि खेतों के आकार में कमी और आबादी बढ़ने के कारण छोटे कृषि यंत्रों की मांग बढ़ी है। कई उपकरण ऐसे हैं जिनसे समय पर खेती संभव है और इनकी ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध है। सहायक तकनीक प्रबंधन जितेंद्र सिंह ने किसानों को मिट्टी जांच के महत्व से भी अवगत कराया। उन्होंने कहा कि बिना मिट्टी परीक्षण के अंधाधुंध रासायनिक खाद और दवा का उपयोग फसलों पर प्रतिकूल असर डालता है। उन्होंने बुआई से पहले जैविक उपचार और 30 दिन बाद सिंचाई के उपरांत जैविक खाद उपयोग की सलाह दी, जिससे पौधों की वृद्धि और उत्पादन दोनों में सुधार होता है।

राज्यसभा सांसद खेल महोत्सव स्थगित, अब दिसंबर के अंतिम सप्ताह में होगा आयोजन

केटी न्यूज/बक्सर

किला मैदान बक्सर में राज्यसभा सांसद सतीष चन्द्र दुबे के नेतृत्व में आयोजित राज्यसभा सांसद खेल महोत्सव के दूसरे चरण का कार्यक्रम फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। विदित हो कि महोत्सव का पहला चरण विगत दिनों उत्साहपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ था, जिसमें बक्सर जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों से बड़ी संख्या में खिलाड़ी, प्रशिक्षक और खेल प्रेमियों ने भाग लिया था।

खेल महोत्सव के संयोजक अरविंद कुमार ओझा उर्फ बबलू ओझा ने जानकारी देते हुए बताया कि तय कार्यक्रम के अनुसार खेल महोत्सव का दूसरा चरण 24 नवंबर को आयोजित होना निर्धारित था। लेकिन बिहार विधानसभा चुनाव के चलते प्रशासनिक व सुरक्षा संबंधी व्यस्तताओं के अलावा माननीय केंद्रीय कोयला मंत्री के अत्यधिक व्यस्त कार्यक्रम के कारण यह आयोजन निर्धारित तिथि पर संपन्न नहीं हो सका।

उन्होंने बताया कि खेल महोत्सव की नई तिथि दिसंबर के अंतिम सप्ताह के लिए प्रस्तावित की गई है। समय, तिथि और कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी शीघ्र ही सभी प्रतिभागियों, खिलाड़ियों और संबंधित खेल संगठनों को उपलब्ध करा दी जाएगी। संयोजक ओझा ने कहा कि युवाओं के सर्वांगीण विकास में खेल की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। खेल न केवल शारीरिक और मानसिक मजबूती प्रदान करता है, बल्कि सामाजिक एकता और राष्ट्रीय विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों के बीच उत्पन्न संशय की स्थिति को देखते हुए यह प्रेस विज्ञप्ति जारी करना आवश्यक हो गया था।

खेल महोत्सव को लेकर खिलाड़ियों में उत्साह बना हुआ है, और आयोजन समिति का कहना है कि अगला कार्यक्रम पहले से अधिक भव्य और सुव्यवस्थित होगा।

छह माह में ही बिखर गई सड़क, डुमरांव के पुराना भोजपुर में निर्माण गुणवत्ता पर उठे बड़े सवाल

- **नागरिकों ने नगर परिषद से तत्काल जांच और कार्रवाई की मांग की, ठेकेदार पर लापरवाही के आरोप तेज**

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 12, पुराना भोजपुर में एनएच 922 मिशन स्कूल के समीप बनी पीसीसी सड़क कुछ ही महीनों में टूटकर बिखरने लगी है। इलाके में इस सड़क को क्षेत्र का महत्वपूर्ण मार्ग माना जाता है, लेकिन निर्माण के छह माह भी पूरे नहीं हुए और सड़क जगह-जगह दरारों व चौड़ी फटनों से भर गई है। सड़क की यह हालत न सिर्फ स्थानीय नागरिकों की परेशानी बढ़ा रही है, बल्कि नगर परिषद और निर्माण एजेंसी की कार्यशैली पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस सड़क से किसानों, छात्रों और आम लोगों की रोजाना आवाजाही होती है, वही सड़क अब खतरनाक रूप धारण कर चुकी है। दरारों से भरी सड़क पर चलना मुश्किल होता जा रहा है और बारिश होने पर स्थिति और खराब हो जाती है। नागरिकों का स्पष्ट आरोप है कि निर्माण के दौरान गुणवत्ता से समझौता किया गया है, वरना छह महीने में सड़क का इस तरह टूटना संभव नहीं।

क्षेत्रवासियों के अनुसार, इस निर्माण में या तो निम्नस्तरीय सामग्री का प्रयोग किया गया या सड़क निर्माण मानकों की घोर अनदेखी की गई। यही कारण है कि भारी वाहनों का दबाव तो दूर, सामान्य उपयोग में भी सड़क टिक नहीं पाई। स्थानीय किसानों ने भी सड़क की स्थिति को लेकर चिंता जताई और मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों व ठेकेदारों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

नागरिकों का कहना है कि नगर परिषद करदाताओं के पैसों से सड़क बनाती है, ऐसे में छह महीने में ही सड़क का बर्बाद हो जाना जनता के साथ सरासर धोखा है। क्षेत्रवासियों ने नगर परिषद से इस मामले में तत्काल संज्ञान लेने, निर्माण एजेंसी की जवाबदेही तय करने और जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत या पुनर्निर्माण कराने की मांग की है।

लोगों का कहना है कि यदि अब भी प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया, तो आने वाले दिनों में सड़क पूरी तरह टूट जाएगी और हादसों का खतरा और बढ़ जाएगा। फिलहाल नगर परिषद की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन स्थानीय लोग उम्मीद कर रहे हैं कि प्रशासन स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तुरंत कदम उठाएगा और जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई कर उन्हें राहत देगा।

डुमरांव के नागरिकों का साफ कहना है कि यह सिर्फ एक सड़क का मसला नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और जवाबदेही का प्रश्न है। यदि सार्वजनिक धन से बनने वाले कार्यों में इस तरह की लापरवाही होती रही, तो विकास कार्यों पर लोगों का विश्वास टूटना स्वाभाविक है।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720

डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ

डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन

डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
SKIN SPECIALIST
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)

पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमराँव

राज्य स्तरीय वुशु प्रतियोगिता संपन्न, अंतिम दिन विजेताओं को ट्रॉफी-मेडल देकर किया गया सम्मानित

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर में खेल विभाग, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, पटना तथा जिला प्रशासन बक्सर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राज्य स्तरीय (अंतर-प्रमंडल) वुशु अंडर-19 बालक/बालिका खेल प्रतियोगिता का मंगलवार को भव्य समापन हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि उप विकास आयुक्त आकाश चौधरी को विशेष कार्य पदाधिकारी विनीत कुमार ने शॉल व मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया।इसके उपरांत मुख्य अतिथि ने प्रतिभागी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर अंतिम चरण के मुकाबलों का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता में उमड़ी भीड़ और खिलाड़ियों का उत्साह पूरे आयोजन का आकर्षण बना रहा। समापन समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी, मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं प्रतियोगिता के संचालन में योगदान देने वाले तकनीकी पदाधिकारियों को भी मोमेंटो और शॉल प्रदान किया गया।

बालिका वर्ग के परिणाम

बालिका वर्ग के 45 किग्रा भार वर्ग में शिवानी कुमारी (पटना) स्वर्ण, मासूम कुमारी (सारण) रजत, प्रज्ञा परस्त (तिरहुत) एवं कोमल कुमारी (मुंगेर) को कांस्य। 48 किग्रा भार वर्ग में लक्ष्मी कुमारी (पटना) स्वर्ण, रितु कुमारी (सारण) रजत, आदिति (मुंगेर) कांस्य, नंदनी कुमारी (तिरहुत)। 52 किग्रा भार वर्ग में नैना कुमारी (पटना) स्वर्ण, शिवानी (मुंगेर) रजत, रागिनी (दरभंगा) व रानी लक्ष्मी (तिरहुत) को कांस्य। 56 किग्रा भार वर्ग में खुशी श्रीवास्तव (पटना) स्वर्ण, शांभवी सिंह (तिरहुत) रजत तथा मनीषा (पूर्णिया) कांस्य। 60 किग्रा भार वर्ग में श्वेता कुमारी (पटना) स्वर्ण, खुशी कुमारी (सारण) रजत। 65 किग्रा भार वर्ग में मानसी तिवारी (पटना) स्वर्ण, अनुष्का कुमारी (सारण) रजत। 70 किग्रा भार वर्ग में साक्षी कुमारी (तिरहुत) स्वर्ण, कंगना (दरभंगा) रजत। 75 किग्रा भार वर्ग में रिंकी कुमारी (सारण) ने स्वर्ण पर कब्जा जमाया।

बालक वर्ग के परिणाम

वहीं, बालक वर्ग में 48 किग्रा भार वर्ग में पंकज कुमार (दरभंगा) स्वर्ण, शुभम पांडे (पटना) रजत, विक्रम (तिरहुत) एवं सागर (सारण) को कांस्य। 52 किग्रा भार वर्ग में सुमित कुमार (तिरहुत) स्वर्ण, आयुष (मुंगेर) रजत, समर गुप्ता (सारण) व करण (पटना) को कांस्य। 56 किग्रा वर्ग में बसंत कुमार (तिरहुत) स्वर्ण, प्रियतम (सारण) रजत, अशोक (मुंगेर) कांस्य। 60 किग्रा भार वर्ग में अनुराग (सारण) स्वर्ण, प्रिंस शर्मा (पटना) रजत, आकाश (मगध) एवं कृष्णा साहू (दरभंगा) को कांस्य। 65 किग्रा भार वर्ग में अभि कुमार (पटना) स्वर्ण, अश्वनी (पूर्णिया) रजत, ब्रिज कृष (मुंगेर) व अमन (मगध) कांस्य। 70 किग्रा भार वर्ग में विकास (सारण) स्वर्ण, कृष कुमार सिंह (तिरहुत) रजत, अमित (पटना) व साहिल लाल (मगध) कांस्य। 75 किग्रा भार वर्ग में शिवम (तिरहुत) स्वर्ण, प्रतीक नारायण (मुंगेर) रजत। 80 किग्रा भार वर्ग में सुंदर सिंह स्वर्ण, पारसमणी रजत। 85 किग्रा भार वर्ग में राहुल कुमार स्वर्ण, जबकि 90 किग्रा भार वर्ग में वरुण सिंह स्वर्ण पदक के विजेता रहे। समापन अवसर पर वरीय उपसमाहर्ता सह उपाधीक्षक शारीरिक शिक्षा आलोक नारायण वत्स ने खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और कहा कि राज्य स्तरीय उपलब्धियां निश्चित रूप से उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर बिहार का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित करेंगी।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ

अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

बक्सर में बढ़ता इंजेक्शन ड्रग्स का खतरा, किशोर-युवा तेजी से फंस रहे नशे की गिरफ्त में

- कार्रवाई को लेकर युवाशक्ति सेवा संस्थान का अलर्ट, डीएम से लगाई गुहार
- दवा दुकानों पर बिना पर्ची बिक रही प्रतिबंधित इंजेक्शन व दवाएं; समाजसेवियों ने प्रशासन पर उठाए सवाल, शहर में जागरूकता अभियान शुरू करने की मांग

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर शहर में किशोरों और युवाओं के बीच इंजेक्शन द्वारा नशीली दवाओं के सेवन का खतरा तेजी से बढ़ता जा रहा है। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि कई मोहल्लों में शाम ढलते ही कोनों में बैठे युवाओं के हाथों में नशीले इंजेक्शन और सिरिंज आसानी से देखी जा सकती हैं। इस बढ़ते खतरे को देखते हुए युवाशक्ति सेवा संस्थान सक्रिय हो गया है और संस्था ने जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर अवैध नशे के इस नेटवर्क पर तत्काल कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

संस्था के सक्रिय सदस्य और समाजसेवी आकाश कुमार सिंह उर्फ रामजी सिंह ने बताया कि शहर की कई अंग्रेजी दवा दुकानों पर बिना डॉक्टरी पर्ची के ऐसे इंजेक्शन और प्रतिबंधित मेडिसिन खुलेआम बेची जा रही हैं, जो सीधे तौर पर नशे की श्रेणी में आती हैं। उनके अनुसार, दुकानदारों का लालच और प्रशासनिक ढिलाई युवाओं को नशे की दलदल की ओर धकेल रही है।

रामजी सिंह का आरोप है कि कुछ दवा दुकानदार पहचान वाले नशेड़ियों को बिना किसी प्रकार की जांच के ये दवाएं दे देते हैं। कुछ जगहों पर यह सिलसिला इतनी आसानी से चलता है कि ड्रग इंस्पेक्टर तक की मौन सहमति प्रतीत होती है।

संस्था का कहना है कि नशे की ये इंजेक्शन युवाओं के लिए बेहद खतरनाक हैं। इससे दिमागी संतुलन बिगड़ता है, किडनी पर गंभीर असर पड़ता है और कुछ मामलों में मानसिक अस्थिरता तक हो जाती है। कई युवा इस नशीले इंजेक्शन के आदी होने के बाद सामान्य जिंदगी से पूरी तरह कट जाते हैं और आपराधिक गतिविधियों तक में शामिल होने लगते हैं।

ज्ञापन में प्रशासन से साफ तौर पर मांग की गई है कि ऐसी सभी दवा दुकानों की सूची तैयार कर उनकी सघन जांच की जाए, और जो भी दुकानदार बिना पर्ची नशीली दवा बेचते पाए जाएं, उन पर कड़ी दंडात्मक कार्रवाई हो। संस्था का तर्क है कि अगर दवा दुकानों पर नकेल लगी तो शहर के युवा बड़ी संख्या में इस नशे से बचे रहेंगे।

हालांकि संगठन का यह भी मानना है कि सिर्फ पुलिसिया कार्रवाई काफी नहीं है। राम जी सिंह के अनुसार जागरूकता अभियान चलाए बिना इस जहर को रोका नहीं जा सकता। हर मोहल्ले में ऐसे युवाओं की मौजूदगी है जो इंजेक्शन ड्रग्स की चपेट में आ चुके हैं। बिना सामाजिक सहयोग के स्थिति और भयावह हो सकती है।

एक नजर

केन्द्रीय कारा में बंद कैदी की मौत, मचा हड़कंप

बक्सर। बक्सर के केन्द्रीय कारा में बंद एक कैदी की मौत हो गई है। मृतक की पहचान कोरानसराय थाना क्षेत्र के स्थानीय गांव निवासी 60 वर्षीय राजकुमार उर्फ पाठा गोंड पिता स्व. तिलेश्वर गोंड के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि इसी वर्ष 21 अप्रैल को उसकी पुत्री की संदेहास्पद स्थिति में मौत हो गई थी। इस मामले में पुलिस ने राजकुमार तथा उसके पुत्र अनिल कुमार को आरोपित मानते हुए गिरफ्तार कर जेल भेजा था। वह पिछले पांच महीने से ही केन्द्रीय कारा में बंद था। मृतक के बड़े पुत्र सुनील कुमर गोंड ने बताया कि मंगलवार की सुबह करीब आठ बजे जेल प्रबंधन द्वारा पिता की मौत की जानकारी दी गई और बताया गया कि पिता बीमार थे। हालांकि, सुनील का कहना है कि उसके पिता को किसी तरह की बीमारी नहीं थी। जेल जाने से पूर्व पिता बिल्कुल स्वस्थ्य थे। वहीं, कैदी की मौत के बाद जेल प्रबंधन की बेचैनी बढ़ गई है। फिलहाल इस मामले में कोई कुछ बोलने को तैयार नहीं हो रहा है। वहीं, जेल में राजकुमार की मौत के बाद स्वजनों में आक्रोश गहरा गया है। केन्द्रीय कारा प्रबंधक ज्ञानिता गौरव ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि हृदयघात के कारणा उसकी मौत हुई है। वहीं, जेल प्रबंधन द्वारा पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजनों को सौंप दिया गया। घटना के बाद से स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है।

सरकारी योजनाओं से वंचित हो सकते हैं बिना रसीद वाले लाभुक

केसठ। प्रखंड मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान केसठ अंचलाधिकारी अभिषेक गर्ग ने क्षेत्रवासियों से भूमि रसीद समय पर अद्यतन कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि कई लाभुक ऐसे हैं, जिन्होंने वर्षों से अपनी रसीद नहीं कटवाई है। राजस्व विभाग की ओर से बार-बार सूचित करने के बावजूद लोग उदासीन बने हुए हैं, जिसका सीधा प्रभाव सरकारी सुविधाओं के लाभ पर पड़ेगा। अंचलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि भूमि से संबंधित सभी प्रकार की सरकारी योजनाएं जैसे पीएम आवास योजना, फसल सहायता, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, आपदा राहत अनुदान, भूमि सुधार योजनाएं, बिहार कृषि इनपुट सब्सिडी तथा अन्य योजनाओं में रसीद अद्यतन होना अनिवार्य है। यदि कोई लाभुक अपनी भूमि रसीद नहीं कटवाता है, तो आगे चलकर उसे इन योजनाओं का लाभ प्राप्त नहीं होगा।उन्होंने बताया कि राजस्व विभाग द्वारा नियमित रूप से कैंप लगाकर रसीद काटने की सुविधा दी जा रही है, ताकि किसानों और जमीन मालिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। इसके बावजूद काफी संख्या में लोग रसीद नहीं कटवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि समय रहते रसीद अद्यतन नहीं कराने पर कई जरूरी कार्य जैसे नामांतरण, भूमि सत्यापन, म्यूटेशन, बैंक ऋण, और सरकारी लाभ की स्वीकृति रुक जाएगी।,कहा कि सभी लोग अपने-अपने जमीन दस्तावेजों को दुरुस्त रखते हुए जल्द से जल्द लगान रसीद कटवा लें। इससे भविष्य में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी और सभी सरकारी सुविधाएं निर्बाध रूप से मिलती रहेंगी।

केसठ बस स्टैंड के पास सड़क हादसा में 50 वर्षीय बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल

केसठ। प्रखंड के केसठ बस स्टैंड के पास मंगलवार की शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें 50 वर्षीय बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जाता है कि घायल बुजुर्ग अपने किसी निजी कार्य से केसठ आए थे और काम निपटाकर बाइक से अपने गांव वापस लौट रहे थे। इसी दौरान बस स्टैंड के निकट अचानक बाइक अनियंत्रित हो गई, जिससे वे सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद सड़क किनारे घायल अवस्था में पड़े बुजुर्ग को देख स्थानीय लोगों ने तत्काल मदद की। वहां मौजूद युवकों ने तुरंत उन्हें एंबुलेश से केसठ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। उनकी स्थिति को गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए तुरंत सदर अस्पताल बक्सर रेफर कर दिया। घायल की पहचान नोखपुर गांव निवासी भोला सिंह लगभग 50 वर्ष के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा अचानक हुआ और आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत बचाव कार्य किया, जिससे समय पर उपचार मिल सका।

बड़का ढकाईच का रहने वाला था मृतक, माता-पिता की पहले ही हो चुकी थी मौत

बक्सर-पटना फोरलेन के किनारे मिला युवक का शव, हत्या या दुर्घटना जांच में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/डुमरांव

बक्सर-पटना राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 922 पर एक युवक का शव मिलने से सनसनी मच गई है। घटना कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के लेवाड़ गांव के समीप की है। यह जगह नया भोजपुर व कृष्णाब्रह्म थाने का बार्डर इलाका है। इसकी जानकारी मिलते ही कृष्णाब्रह्म पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को कब्जे में ले जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार लेवाड़ गांव समीप एनएच 922 से करीब 200 मीटर उत्तर झाड़ी में एक युवक का शव देख ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। युवक करीब 18-20 वर्ष के आस पास का है तथा वह सफेद हूडी व सफेद पैंट पहने था। उसके मुंह व नाक से खून तथा झाग निकला था। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि उसकी कही अन्यत्र हत्या कर साक्ष्य छिपाने के लिए शव को यहां लाकर फेक दिया गया होगा। या फिर किसी जहरीला पदार्थ के खाने या विषैले जंतुओं के डंसने से इंकार नहीं किया जा सकता है। फिलहाल पुलिस इस मामले में कुछ भी बताने से परहेज कर रही है। शाम में उसकी पहचान स्थानीय थाना क्षेत्र के बड़का ढकाईच गांव निवासी स्व. रितेश दूबे के 20 वर्षीय पुत्र नारायणजी दूबे के रूप में हुई है। बताया जाता है कि उसके माता-पिता की पहले ही मौत हो चुकी थी। मृतक अकेला था। ग्रामीण सूत्रों का कहना है कि वह सीधा था तथा किसी से उसका विवाद नहीं होता था। ऐसे में सवाल उठता है कि वह गांव से लेवाड़ के समीप कैसे पहुंचा। बड़ा सवाल तो ये भी है कि उसकी मौत कैसे हुई है। घटना स्थल के आस पास कई डिस्पोजल व दवा की शीशियां भी मिली है। जिससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि इस जगह पर नशेड़ियों का अड्डा रहा होगा। वहीं, उसकी कही अन्यत्र हत्या कर शव को यहां लाकर फेकने से इंकार नहीं किया जा सकता है। बहरहाल, पुलिस भी कई बिंदुओं पर जांच कर रही है। हालांकि, घटना स्थल पर मिले साक्ष्य तथा युवक के मौत के तरीको को देख इसे सुनियोजित हत्या से इंकार नहीं किया जा सकता है। समाचार लिखे जाने तक इस मामले में एफआईआर दर्ज नहीं हुआ था।

एफएसएल टीम ने घटना स्थल से जुटाए साक्ष्य

घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची एफएसएल टीम ने घटना स्थल से कई साक्ष्य अपने साथ ले गई। एफएसएल टीम मृतक के मुंह से निकले झाग, खून आदि का नमूना भी एकत्र कर उसे लैब में भेजी है। माना इस संबंध में कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष संदीप कुमार राम ने बताया कि शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम कराया गया। उन्होंने कहा कि एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया गया। मृतक की शिनाख्त व पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही इस बात की जानकारी मिल सकेगी कि उसकी मौत कैसे हुई है। वहीं, शव मिलने से लेवाड़ तथा आस पास में हड़कंप मच गया है।

गोकुल जलाशय के किनारे मिली अज्ञात युवती की लाश क्षेत्र में सनसनी, हत्या कर फेंके जाने की आशंका तेज

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के गायघाट पुल से करीब 500 मीटर पश्चिम स्थित गोकुल जलाशय के तट पर मंगलवार की सुबह उस समय अफरातफरी मच गई, जब ग्रामीणों ने झाड़ियों के पास एक युवती का शव पड़ा देखा। रोज की तरह सुबह शौच के लिए निकले गायघाट गांव के कुछ ग्रामीणों की नजर जब पानी के किनारे पड़े शव पर पड़ी, तो देखते ही देखते पूरा इलाका दहशत और सन्नाटे में डूब गया। महज कुछ ही मिनटों में यह खबर पूरे इलाके में आग की तरह फैल गई और बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जुटने लगे। सूचना मिलते ही ब्रह्मपुर थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार पुलिसबल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने सबसे पहले क्षेत्र की घेराबंदी कर सुरक्षित किया और शव के आसपास के इलाके को फॉरेंसिक जांच के लिए संरक्षित कर लिया। प्रारंभिक निरीक्षण में यह स्पष्ट हुआ कि मृतका की उम्र लगभग 20 से 25 वर्ष के बीच है। शव दो से चार दिन पुराना प्रतीत हो रहा है, जिसके कारण पहचान करना बेहद कठिन हो गया है। थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार ने बताया कि उन्हें सुबह ही गुप्त स्रोतों से सूचना मिली थी कि जलाशय के पास एक महिला का शव देखा गया है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए तुरंत पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया। उन्होंने यह भी बताया कि शव पर किसी बड़े घाव या गंभीर चोट के स्पष्ट निशान प्रारंभिक तौर पर नहीं मिले हैं, जिससे मौत का वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। मामले की सच्चाई पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही सामने आएगी। उधर, ग्रामीणों के बीच यह चर्चा तेज है कि युवती की हत्या कहीं और कर शव को गोकुल जलाशय के किनारे फेंक दिया गया होगा, ताकि पहचान न हो सके। हालांकि पुलिस ने किसी भी आशंका की पुष्टि से अभी इनकार किया है और पूरे केस को हत्या, दुर्घटना तथा अन्य आपराधिक संभावनाओं के विभिन्न कोणों से खंगाल रही है। पुलिस ने आसपास के गांवों में गुमशुदगी की ताजा सूचनाएं भी मंगाई हैं, ताकि मृतका की पहचान की जा सके। फिलहाल, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बक्सर सदर अस्पताल भेज दिया है। घटना ने क्षेत्र में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है और लोग यह जानने को बेचैन हैं कि आखिर युवती की मौत का रहस्य क्या है।

सिमरी में कृषि जन कल्याण चौपाल से किसानों को मिला बड़ा लाभ

केटी न्यूज/सिमरी

सिमरी प्रखंड अंतर्गत बलिहार एवं दुल्लहपुर पंचायतों में कृषि जन कल्याण चौपाल का आयोजन कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण (आत्मा), बक्सर द्वारा सफलतापूर्वक किया गया। चौपाल में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लेकर आधुनिक कृषि तकनीकों की उपयोगिता पर जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड तकनीकी प्रबंधक राजेश कुमार राय ने की। उन्होंने आत्मा द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का विस्तार से उल्लेख करते हुए किसानों को बताया कि बिहार कृषि ऐप का उपयोग कर वे नवीनतम कृषि सलाह, मौसम पूवार्नुमान तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान सहायक तकनीकी प्रबंधक अजय कुमार ने फसल अवशेष प्रबंधन यानी पराली के वैज्ञानिक उपयोग और उसके पर्यावरणीय महत्व पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने किसानों को बताया कि पराली जलाने से मिट्टी की उर्वरता घटती है, जबकि उचित प्रबंधन से यही अवशेष मिट्टी की शक्ति बढ़ाने में सहायक होते हैं। साथ ही उन्होंने बीज-टीकाकरण की प्रक्रिया, आवश्यक सामग्री और उसके लाभ पर प्रकाश डालते हुए कहा कि टीकाकृत बीज रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं और उत्पादन में महत्वपूर्ण वृद्धि लाते हैं। वहीं किसान सलाहकार रामधारी पासवान ने बीज सब्सिडी योजना की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और लाभ वितरण की जानकारी किसानों तक पहुंचाई। उन्होंने किसानों को प्रेरित किया कि वे सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर खेती को अधिक लाभदायक बना सकते हैं। चौपाल में किसानों ने विभिन्न फसलों, प्राकृतिक खेती, जैविक उर्वरकों और आधुनिक तकनीकों से संबंधित कई सवाल पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने संतोषजनक समाधान दिया। स्थानीय कृषक समूहों एवं पंचायत प्रतिनिधियों के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम को अत्यंत सफल माना गया। चौपाल ने किसानों में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ तकनीकी जानकारी को गांव-गांव तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

नागपुर-रामपुर पथ पर गड्ढों का जाल, जर्जर पुल से बढ़ा हादसे का खतरा, ग्रामीणों ने जताया विरोध

केटी न्यूज/बक्सर

प्रखंड के अंतिम छोर पर स्थित नागपुर पंचायत सहित आसपास के दर्जनों गांवों को उत्तर प्रदेश से जोड़ने वाले नागपुर-रामपुर मुख्य पथ की स्थिति बेहद दयनीय हो गई है। सड़क पर जगह-जगह बड़े गड्ढे बन गए हैं, जिससे आवागमन में गंभीर दिक्कतें उत्पन्न हो रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कार्य एजेंसी ने निर्माण कार्य के बाद सड़क की देखरेख नहीं की, जिसके कारण बरसात के मौसम में ही यह मार्ग पूरी तरह खराब हो गया। इस मार्ग पर गांव से कुछ ही दूरी पर धर्मावती नदी के नाले पर बना पुल भी जर्जर अवस्था में पहुंच चुका है। पुल में लोहे के सरिए साफ दिखाई दे रहे हैं और

ग्रामीणों का कहना है कि भारी वाहन गुजरने पर कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। इसी कारण वाहन चालकों में भय का माहौल है। रोजाना इस मार्ग से गुजरने वाले दोपहिया वाहन चालक फिसलकर दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। महज पांच किलोमीटर की दूरी तय करने में 30 मिनट से अधिक समय लग रहा है। रोगियों को अस्पताल ले जाने वाले वाहन चालक भी मजबूरी में खतरा मोल लेकर इस रास्ते से गुजर रहे हैं।

इस सड़क का उपयोग मंगराव, संगराव, कजरिया, खीरी, हंकारपुर, बन्नी, तियरा, जमौली, कैमूर जिले के मुखराव, पड़ियारी समेत सैकड़ों गांवों के लोग वाराणसी, गहमर और गाजीपुर जाने के लिए करते हैं। उत्तर प्रदेश की ओर से रोहतास जिले तक ईंट लदे ट्रैक्टरों और मालवाहक वाहनों का आवागमन भी इसी मार्ग से होता है।

सड़क और पुल की बदहाली को लेकर नागपुर पंचायत के पूर्व मुखिया अमित राय, डब्लू राय, निरंजन पाठक, भूषण पांडेय, मृत्युंजय राय, दुर्गा सिंह, साधू सिंह, पवन राय, राम एकबाल पासवान समेत ग्रामीणों ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह मार्ग बक्सर और राजपुर विधानसभा क्षेत्र की सीमा पर स्थित है, लेकिन दोनों क्षेत्रों के जनप्रतिनिधियों ने इस पर ध्यान नहीं दिया है।

ग्रामीणों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि गड्ढों की भराई और जर्जर पुल का मरम्मत कार्य तत्काल नहीं कराया गया, तो किसी संभावित हादसे की जिम्मेदारी जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की होगी।

प्रतिभा का परचम : आईआईटी धनबाद पीएचडी प्रवेश परीक्षा में बक्सर की बेटी अर्पिता पाण्डेय अव्वल

- माता-पिता, गुरुजनों और विधायक आनन्द मिश्र के मार्गदर्शन को दिया सफलता का श्रेय

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले ने एक बार फिर अपनी प्रतिभाशाली बेटी की उपलब्धि से गौरवान्वित होने का अवसर पाया है। डुमरांव प्रखंड के नुआंव गांव निवासी अशोक कुमार पाण्डेय की पुत्री अर्पिता पाण्डेय ने आईआईटी (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान) धनबाद की पीएचडी प्रवेश परीक्षा में मानविकी विभाग से पूरे संस्थान में प्रथम स्थान प्राप्त कर नई मिसाल कायम की है। पूरे विभाग से केवल दो ही अभ्यर्थियों का चयन हुआ, जिनमें अर्पिता सबसे आगे रहीं।

अर्पिता की शिक्षा यात्रा शुरू से ही उत्कृष्ट रही है। उन्होंने काशी हिंदू विश्वविद्यालय से समाजशास्त्र में स्नातक में 78 प्रतिशत तथा परास्नातक में 80.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। यही नहीं, परास्नातक के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एनईटी) में 96 पर्सेंटाइल हासिल कर अपनी मेधा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया था।

अपनी सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए अर्पिता ने कहा कि मेरा परिणाम आया है और मैं बहुत खुश हूं। इस उपलब्धि के पीछे मेरे माता-पिता, गुरुजनों, साथियों, कमल सेवा केंद्र और सबसे अधिक बक्सर सदर विधानसभा के नव निर्वाचित विधायक व पूर्व आईपीएस आनन्द मिश्र का निरंतर मार्गदर्शन रहा है। उनसे पहली ही मुलाकात से मैं सीखती आ रही हूं। बक्सर को आदर्श बनाने की उनकी सोच, युवाओं के लिए उनका समर्पण और दूरदर्शी योजना ने मुझे हमेशा प्रेरित किया। बक्सर विधानसभा के भविष्य के लिए उनके साथ कार्य करते हुए ही मैंने आत्मविश्वास और दिशा पाई, जिसने मुझे आईआईटी धनबाद तक पहुंचाया।

उन्होंने आगे कहा कि एक लड़की होकर भी उनके माता-पिता ने कभी भेदभाव नहीं किया, बल्कि उन्हें और उनकी बहनों को उच्च शिक्षा की राह पर आगे बढ़ने के लिए हमेशा प्रोत्साहित किया। परिवार की इस सकारात्मक सोच ने उन्हें निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

अर्पिता की इस अद्वितीय उपलब्धि से न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे बक्सर जिले में खुशी की लहर है। उनकी सफलता जिले की उन हजारों बेटियों के लिए भी प्रेरणा बनेगी, जो बड़े सपने देखती हैं और उन्हें साकार करने की हिम्मत रखती हैं।

ईश्वर करे कि यह उपलब्धि उनके उज्ज्वल भविष्य की अनेक नई सफलताओं का मार्ग प्रशस्त करे। बक्सर की इस होनहार बेटी पर पूरे जिले को गर्व है।

महरौरा से मवेशी की चोरी, एफआईआर दर्ज

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव थाना क्षेत्र के महरौरा गांव से सोमवार की देर रात एक पशुपालक की गाय रहस्यमय तरीके से गायब हो गई, जिसके बाद पूरे गांव में भय और असुरक्षा का माहौल बन गया है।

सूत्रों के अनुसार महरौरा निवासी पशुपालक गोपाल राय रोज की तरह अपनी गाय को गौशाला में बांधकर घर लौट गए थे। लेकिन मंगलवार सुबह जब वे गौशाला पहुंचे तो गाय का कोई पता नहीं था। पहले उन्होंने गांव और आसपास के खेतों में तलाश की, लेकिन सुराग नहीं मिला। इस बीच उन्हें गौशाला से रेलवे लाइन की ओर जाते पैरों के निशान मिले। निशान अचानक रेलवे लाइन के पास आकर समाप्त हो जाने से शक गहरा गया कि चोर गाय को किसी वाहन में लादकर फरार हुए होंगे।

घटना की जानकारी मिलते ही पीड़ित ने स्थानीय थाने में लिखित आवेदन दिया। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने बताया कि संभावित रूट की पड़ताल की जा रही है और संदेहास्पद गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। उन्होंने दावा किया कि मामले का शीघ्र उद्भेदन कर आरोपितों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। उधर, मवेशी चोरी की बढ़ती घटनाओं से पशुपालकों में दहशत है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द गिरफ्तारी नहीं हुई तो चोरों के हौसले और बढ़ सकते हैं। कई लोगों ने रात्रि गश्ती बढ़ाने और संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी की मांग भी की है।

पैतृक गांव पहुंचा शहीद जवान का शव, सैन्य सम्मान के साथ दी गई अंतिम विदाई

एजेंसी/रोहतास

राजस्थान के जैसलमेर में एक हादसे के दौरान गंभीर रूप से घायल जवान मथुरा प्रसाद गुप्ता का निधन हो गया। वे लगभग 35 वर्ष के थे और लगभग 14 वर्ष से सेना में अपनी सेवा दे रहे थे। मंगलवार की सुबह, जब उनका पार्थिव शरीर पैतृक गांव पहुंचा, तो पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। आसपास के गांवों से काफी संख्या में लोग जमा हो गये और इस दौरान सभी की आंखें नम दिखाई दी। शहीद जवान मथुरा प्रसाद गुप्ता रोहतास जिले के नौहट्टा प्रखंड अंतर्गत तिऊरा गांव के स्थाई निवासी थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीते 4 नवंबर को जवान मथुरा प्रसाद गुप्ता जैसलमेर स्थित मिलिट्री बेस कैंप में सैन्य टैंक रिपेयरिंग का काम कर रहे थे, तभी नाइट्रोजन गैस की टंकी फटने से वे बुरी तरह झुलस गए। आनन-फानन में उन्हें जैसलमेर के एक सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन 22 नवंबर को इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। इस हादसे में अन्य चार जवान भी घायल हैं, जिनका फिलहाल इलाज चल रहा है। वहीं शहीद जवान का शव मंगलवार की सुबह उनके पैतृक गांव पहुंचते हीं काफी संख्या में ग्रामीण अपने वीर सपूत को अंतिम विदाई देने के लिए पहुंच गये। साथ हीं अंतिम संस्कार के दौरान स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे और सभी ने भारत माता की जय, जब तक सूरज चांद रहेगा, मथुरा तेरा नाम रहेगा आदि नारों के साथ नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। डेहरी एसडीएम निलेश कुमार, डेहरी एएसपी अतुलेश झा, सांसद मनोज राम, विधायक मुरारी प्रसाद गौतम एवं जिला सैनिक कल्याण पदाधिकारी कर्नल अजय कुमार सिन्हा ने शहीद के परिवार को सांत्वना दी और उनके बलिदान को नमन किया। पूरे सैन्य सम्मान के साथ शहीद जवान का अंतिम संस्कार किया गया। शहीद जवान की वर्ष 2013 में शादी हुई थी। वे अपने पीछे 29 वर्षीय पत्नी पूजा देवी और दो बेटों को छोड़ गए हैं। 12 वर्षीय शुभम गुप्ता एवं 9 वर्षीय शौर्या गुप्ता के आंसू रुकने का नाम नहीं ले रहे थे और पत्नी व मां का भी बुरा हाल था। गांव की महिलाओं को पूरे परिवार को संभालना मुश्किल हो रहा था। हालांकि इस दुखद घड़ी में मौजूद सभी लोग शहीद के बलिदान पर गर्व महसूस कर रहे थे। शहीद के अंतिम संस्कार में पहुंचे एसडीएम निलेश कुमार ने बताया कि सरकार की ओर से ऑपरेशन सिंदूर के तहत शहादत होने पर पत्नी को 50 लाख रुपए की राशि आज दी गई है। इसके अलावा आर्मी की ओर से 75 लाख की इंश्योरेंस राशि और सैनिक कल्याण निदेशालय के तरफ से परिवार को मिलने वाली सभी सुविधाएं दी जाएंगी।

एक ही घर से मिले तीनों के शव,भाई बोला पत्नी से चल रहा था झगड़ा

भानस : पारिवारिक विवाद में पत्नी और पिता को गोली मारी स्वयं को भी किया शूट

- घटना की सूचना मिलते ही एएसपी बड़ी कार्रवाई में जुड़े

एजेंसी। रोहतास

भानस जिला क्षेत्र में एक शख्स ने पहले पत्नी और उसके बाद अपने पिता की गोली मारकर हत्या कर दी। दोनों को गोली मारने के बाद उसने खुद को भी शूट कर लिया। मंगलवार की सुबह एक घर में तीन लाश मिलने के बाद हड़कंप मच गया। तीनों शवों के सिर में गोली के निशान हैं। मृतकों की पहचान अमित, शालिग्राम और नीतू देवी के रूप में हुई है। घटना जिले के बिक्रमगंज अनुमंडल के भानस थाना अंतर्गत डिहरा गांव की है। एएसपी संकेत

कुमार के मुताबिक अमित सिंह ने लाइसेंसी बंदूक से सोमवार की देर रात करीब 12:30 बजे पहले अपनी पत्नी नीतू देवी को गोली मारी। फायरिंग के बाद घर के लोग इधर-उधर भागने लगे और उसने खुद को कमरे में बंद कर लिया। पत्नी की हत्या के बाद अमित घर के आंगन में पहुंचा। जहां अमित के पिता शालिग्राम ने उसे रुकने को कहा। इस पर अमित ने अपने पिता को भी गोली मार दी। अमित सिंह के बड़े भाई राजेश ने बताया कि, घर में सब लोग सो रहे थे। तभी 12 बजे के आसपास पहले फ्लोर से गोली चलने की आवाज आई। हम लोग घबरा कर उठे और कमरे से बाहर निकले। मैंने देखा कि, अमित गुस्से में हाथ में बंदूक लिए अपने कमरे से नीचे उतर रहा है। हम लोग भागकर उसके कमरे में गए। कमरे में अमित की पत्नी की डेड बॉडी पड़ी थी। उसके सिर में गोली मारी गई थी। अमित पत्नी की हत्या करने के बाद आंगन की तरफ बढ़ा। तभी पिताजी ने अमित से बंदूक छीनने की कोशिश की, लेकिन अमित ने उन्हें धक्का दिया। दोनों के बीच बहस हुई। इसी बीच अमित ने पिताजी के सिर में गोली मार दी। हम सब लोग डर गए। घर की महिलाओं ने खुद को कमरे में बंद कर लिया। उसके सिर पर खून सवार था। कोई उसके पास जाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा था। पिता की हत्या करने के बाद अमित ने बंदूक की नली अपने सिर पर लगाई और पैर से ट्रिगर दबाकर खुद को शूट कर लिया। राजेश सिंह का कहना है कि, अमित की मानसिक हालत ठीक नहीं थी। उसका बनारस में इलाज चल रहा था। कई बार घर में आए दिन छोटे-बड़े विवाद होते रहते थे। सोमवार रात भी पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ था।

तीनों मृतक के सिर में बुलेट गोली के मिले निशान

एएसपी अंकित कुमार ने बताया कि, मंगलवार की सुबह हमें जानकारी मिली की एक ही परिवार के तीन लोगों का शव उनके घर पर मिला है। हमलोग सुबह 6 बजे घटनास्थल पर पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। परिवार वालों ने बताया कि,रात 12 से 1 बजे के करीब जब घर में सभी लोग सोए हुए थे तो फर्स्ट फ्लोर से अचानक गोली चलने की आवाज आई। उन लोगों की नींद खुली तो देखा अमित हाथ में बंदूक लिए अपने कमरे से बाहर आ रहा है। कमरे में नीतू की डेड बॉडी पड़ी थी। उसके सिर से खून बह रहा था। वहीं, जब अमित को उसके पिता रोकने गए तो आरोपी ने उनपर भी फायरिंग कर दी। इसमें अमित के पिता की भी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद अमित ने खुद के सिर में गोली मारकर सुसाइड कर लिया।

कमांडिंग ऑफिसर ने शंकर इंटर विद्यालय के एनसीसी कैडेट का किया निरीक्षण

एजेंसी। रोहतास

मंगलवार को 42 बिहार बटालियन एनसीसी सासाराम के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल धर्मेंद्र सिंह मलिक द्वारा मंगलवार को 4/5 ट्रूप्स श्री शंकर इंटर विद्यालय तकिया का निरीक्षण

किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कैडेटों की उपस्थिति,अनुशासन, सैनिक शिष्टाचार, निरंतर अभ्यास, प्रशिक्षण की गुणवत्ता तथा एनसीसी कार्यालय सहित अन्य सभी गतिविधियों का बारीकी से मूल्यांकन किया। कर्नल मलिक ने एनसीसी पदाधिकारी सेकेंड ऑफिसर प्राचार्य अजय कुमार सिंह को प्रबंधन एवं प्रशिक्षण को और बेहतर बनाने तथा प्रशिक्षण में सुधार हेतु प्रेरित किया। कैडेट्स से संवाद के दौरान उन्होंने कहा कि प्रथम प्राथमिकता

पढ़ाई है, तब दूसरे नंबर पर एनसीसी प्रशिक्षण।

सभी कैडेट को बताया गया कि तकनीक के इस युग में उद्देश्यपूर्ण अध्ययन के साथ एनसीसी का प्रशिक्षण जीवन में श्रेष्ठ लक्ष्य प्राप्त करने में काफी सहायक सिद्ध होगा इस दौरान निरीक्षण कार्यक्रम में विद्यालय के थर्ड ऑफिसर माला सिन्हा,शिक्षक अमित कुमार,प्रशांत प्रसून,अनिल कुमार,रामध्यान सिंह , ओमप्रकाश विश्वकर्मा के साथ 168 कैडेट्स उपस्थित रहे।

पिकअप व बाइक के बीच जोरदार टक्कर में स्वर्ण व्यवसायी की मौत

- कार्ड बांटने निकला था व्यवसायी, शादी की खुशी मातम में बदली

एजेंसी। रोहतास

जिले के तिलौथू थाना क्षेत्र अंतर्गत सेहुआ मोड़ के समीप मंगलवार को सड़क हादसे में एक स्वर्ण व्यवसायी की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक सरैया गांव निवासी प्रमोद सोनी के पुत्र सत्य प्रकाश उर्फ मोंटी बाबू बताये जाते हैं, जो तिलौथू बाजार में सोने चांदी का व्यापार करते थे। घटना के संदर्भ में मृतक के पिता प्रमोद सोनी ने बताया कि उनका पुत्र शादी विवाह का कार्ड बांटने घर से निकला था, तभी सेहुआ मोड़ के समीप सामने से आ रही एक तेज रफ्तार पिकअप वैन से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। घायल सत्य प्रकाश को स्थानीय लोगों ने नजदीक के स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे जमुहार स्थित नारायण मेडिकल कॉलेज में रेफर कर दिया गया और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

घर में शादी की खुशी मातम में बदली

वहीं घटना की सूचना मिलते हीं परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इधर हादसे की सूचना पर पहुंची तिलौथू थाने की पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है। पुलिस के अनुसार, क्षतिग्रस्त पिकअप एवं बाइक को जप्त कर फरार पिकअप चालक की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

एक नजर

बिजली चोरी से नहीं मान रहे लोग, 9 लोगों पर जुर्माना सहित प्राथमिकी दर्ज

बिक्रमगंज। विद्युत आपूर्ति प्रशाखा दिनारा, संझौली व बिक्रमगंज मे बिजली चोरी के खिलाफ चलाये गए विशेष अभियान के तहत नौ लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराई गयी है। बता दें की उपभोक्ताओं के परिसर मे लगे ऊर्जा मीटर से पहले तार मे कटिंग करके व मीटर को बाईपास कर अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी करने को लेकर दिनारा प्रखंड के धवनियाँ निवासी भरत राम पर 82538 रुपए, लालबाबू राम पर 16829 रुपए, रामशंकर राम पर 35789 रुपए व संझौली प्रखंड के सिअरुआ निवासी गोधन सिंह पर 17249 रुपये जुमार्ना लगायी गयी है। कनीय विद्युत अभियंता दिनारा विकाश कुमार ने बताया की वही बिना कोई विद्युत कनेक्शन लिए अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी को लेकर धवनियाँ के ही सोनू पटेल पर 9902, मोनू पटेल पर 14662, ओमप्रकाश सिंह पर 11294, पंडितपुरा के अनिल सिंह पर 5672 एवं बिक्रमगंज प्रखंड के मुक्तिगंज निवासी रामबाबू पर 24116 रुपये दंडित राशि लगायी गयी है। इस संबंध में सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार ने बताया की बिजली चोरी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें उपभोक्ताओं के परिसर में लगे सर्विस तार,मीटर, बिलिंग एवं बिल के ससमय भुगतान की सघन जांच की जा रही है। जांच में मीटर की सील टूटी हुई, टेम्परिंग या बाईपास पाए जाने पर तत्काल प्राथमिकी दर्ज कराया जा रहा है साथ हीं बकायेदार उपभोक्ताओं से अनुरोध करते हुए बताया गया की बिजली बिल समय रहते जमा करा दें अन्यथा विभाग के कर्मी घर-घर जाकर बकायेदारों का लाइन काट रहे हैं। लाइन कटने के बाद बिना बकाया राशि और रिकनेक्शन चार्ज जमा किये लाइन जलाते हुए पाए जाने पर आर्थिक जुमार्ने के साथ सम्बंधित थाना मे प्राथमिकी दर्ज कराई जा रही है।

बिहार में ठंड और कोहरा बढ़ा, आईएमडी का अगले 5 दिनों के लिए किया अलर्ट

पटना। बिहार में नवंबर के अंतिम सप्ताह के साथ मौसम का मिजाज तेजी से बदलने लगा है। सुबह-शाम ठंड का असर बढ़ गया है, जबकि दोपहर में हल्की धूप के बावजूद हवा में ठंडक बनी हुई है। पिछले दो-तीन दिनों से राज्य के कई हिस्सों में छिटपुट कोहरा देखने को मिल रहा है, वहीं पिछले 24 घंटों में गोपालगंज, बेगूसराय समेत 10 शहरों में घना कोहरा दर्ज किया गया। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 3झ4 दिनों में ठंड और बढ़ सकती है तथा न्यूनतम तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी। मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 24 घंटों में राज्य का मौसम पूरी तरह शुष्क रहा और कहीं भी बारिश नहीं हुई। तापमान के मामले में फारबिसगंज (अररिया) सबसे गर्म रहा, जहां अधिकतम तापमान 31.2त्उ दर्ज किया गया। वहीं, भागलपुर के सबौर में न्यूनतम तापमान गिरकर 11.6त्उ तक पहुंच गया, जो राज्य में सबसे कम था। कई जिलों में सुबह का शुरूआती कोहरा दोपहर तक छाया रहा, जिससे वाहनों की रफ्तार प्रभावित हुई। मौसम विभाग के मुताबिक, राज्य के विभिन्न हिस्सों में दिन का तापमान लगभग समान रहेगा, लेकिन सुबह कोहरा और रात में ठंड बढ़ने की संभावना है।

भभुआ, मोहनिया मार्ग पर सीएनजी ऑटो दुर्घटनाग्रस्त, सड़क किनारे पेड़ से टकराने से 3 महिला समेत 7 लोग घायल

भभुआ। भभुआ, मोहनिया मुख्य मार्ग पर मंगलवार को बड़ा हादसा हो गया। मरीचाव गेट के पास एक अनियंत्रित सीएनजी ऑटो पेड़ से टकरा गई, जिसमें तीन महिलाओं सहित सात लोग घायल हो गए। घायलों में तीन की हालत गंभीर बताई जाती है। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। घटना भभुआझ्रमोहनिया मार्ग के मरीचाव गेट के पास हुई, जहां मोहनिया से सवारी लेकर भभुआ की ओर जा रही एक सीएनजी ऑटो अचानक अनियंत्रित हो गई। नियंत्रण खोने के बाद ऑटो तेज रफ्तार में सड़क किनारे स्थित पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार सभी सात यात्री बुरी तरह घायल हो गए। इनमें तीन महिला सहित तीन पुरुषों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों की पहचान अनिल राम, निवासीः खजुरा गांव (थानाः दुर्गावती), आकाश कुमार, पिताः मुनीम शर्मा, निवासीः मोहनिया, अमित कुमार, सीएनजी ऑटो चालक निवासीः तेंदुआ गांव (थानाः भगवानपुर), राजेंद्र प्रसाद निवासीः बड़का गांव (थानाः सबार), रुचि सिंह, निवासीः रामगढ़ गांव (थानाः भगवानपुर), नेहा कुमारी, निवासीः भगवानपुर और दिव्या कुमारी, निवासीः कर्णपुरा गांव (थानाः दुर्गावती) के रूप में हुई है। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत 112 नंबर पर फोन कर पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को निजी वाहनों से सदर अस्पताल भभुआ भेजा। अस्पताल में चिकित्सकों ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया, जबकि गंभीर रूप से घायल लोगों को विशेष निगरानी में रखा। स्थानीय लोगों ने बताया कि भभुआझ्रमोहनिया मार्ग पर तेज रफ्तार और ओवरलोडिंग के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। उन्होंने प्रशासन से इस मार्ग पर निगरानी बढ़ाने और सुरक्षा उपायों को मजबूत करने की मांग की है। फिलहाल सभी घायलों का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए स्थानीय लोगों ने सड़क सुरक्षा को लेकर कड़े कदम उठाने की मांग की है। वही पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

स्पोर्ट्स : सिरिब्रेक्सिया में एनएम सीएच जमुहार टीम ने जीत का लहराया परचम

एजेंसी। रोहतास

इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना में विगत 15 से 23 नवंबर तक आयोजित सिरिब्रेक्सिया 2025 इंटर मेडिकल कॉलेज फेस्ट के दौरान एनएम सीएच, जमुहार के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए संस्थान का नाम रोशन किया।

फेस्ट के फुटबॉल टूनामेंट में कॉलेज की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए चैंपियन बनी।

वही टेबल टेनिस प्रतियोगिता में भी कॉलेज ने पदक तालिका में अपना स्थान दर्ज कराया। फुटबॉल टूनामेंट में एन एम सी एच जमुहार,सासाराम की टीम को जो खिताबी जीत मिली उस लीग टूनामेंट में कुल 12 टीमों ने भाग लिया। फुटबॉल टूनामेंट में नारायण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल जमुहार,सासाराम ने लीग राउंड से

लेकर फाइनल तक शानदार प्रदर्शन किया। पहले मैच में एम्स देवघर के साथ 0-0 की बराबरी के बाद टीम ने वापसी करते हुए लॉर्ड बुद्धा कोशी मेडिकल कॉलेज को 1-0 से हराया, जिसमें निर्णायक गोल साकेत ने किया। क्वार्टर फाइनल में टीम ने रोमांचक मुकाबले में एम्स देवघर को 3-2 से हराया। इस जीत में हिमाद्री, डॉ.आदर्श और हर्षवर्धन के गोल निर्णायक रहे। इसके बाद सेमीफाइनल में एन एम सी एच सासाराम ने भी आई टी पटना को 1-0 से पराजित किया, जिसमें एकमात्र गोल विक्रम ने दागा। फाइनल मुकाबले में टीम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए आर डी जे एम, मेडिकल कॉलेज, मुजफ्फरपुर को 2-0 से शिकस्त दी। डॉ. लोकेश और विक्रम के गोलों ने टीम को खिताबी जीत दिलाई। इसी फेस्ट के अंतर्गत 17 से 18 नवंबर को आयोजित टेबल टेनिस प्रतियोगिता में हर्ष वर्धन हिंदुआर नारायण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, जमुहार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीतकर संस्थान का मान बढ़ाया। इस प्रतियोगिता में देशभर के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों की 24 टीमों ने हिस्सा लिया। दूसरी तरफ कॉलेज के कोच डॉ. रजनीश कुमार और स्पोर्ट्स डायरेक्टर राजीव रंजन के कुशल मार्गदर्शन में टीम ने यह उपलब्धियां हासिल कीं। उनके नेतृत्व और प्रशिक्षण के कारण खिलाड़ियों ने पूरे टूनामेंट में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम स्पिरिट का उदाहरण प्रस्तुत किया।

बिहार में फोर लेन सड़क और एक्सप्रेस-वे की तैयारी, अगले दो साल में हर कोने से पटना तक 4 घंटे में पहुँच संभव

एजेंसी। पटना

बिहार में सड़क यातायात और पथ निर्माण के क्षेत्र में बड़े बदलाव आने वाले हैं। पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने सोमवार को विभाग का कार्यभार संभालते ही राज्यवासियों को यह भरोसा दिलाया कि आने वाले वर्षों में सड़क संपर्क और यातायात की स्थिति में सुधार के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। मंत्री ने कहा कि उनका लक्ष्य है कि राज्य के हर नागरिक को घर से 40 किलोमीटर की दूरी पर फोर लेन सड़क उपलब्ध हो, और अगले दो वर्षों में राज्य के किसी भी कोने से चार घंटे में राजधानी पटना पहुँचा जा सके। मंत्री नितिन नवीन ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पथ निर्माण विभाग को मजबूत बनाने और राज्य के समग्र विकास की दिशा में काम करने के लिए विशेष सहयोग रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पथ निर्माण विभाग राज्य की विकास प्रक्रिया की रीढ़ है और इस विभाग की योजनाओं का असर सीधे जनता तक पहुंचेगा। मंत्री ने कहा कि उनकी प्रमुख प्राथमिकताएँ अगले पांच वर्षों में महत्वपूर्ण एक्सप्रेस-वे, रिंग रोड और अन्य प्रमुख सड़क परियोजनाओं को समय पर धरातल पर उतारना होगा। इसके अलावा, मुख्यमंत्री की प्रगति यात्रा के दौरान घोषित परियोजनाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सड़क निर्माण की गुणवत्ता और निगरानी के लिए टेक्नोलॉजी का अधिकतम उपयोग किया जाएगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि निर्माण कार्य समयबद्ध और उच्च गुणवत्ता वाले मानकों के अनुरूप हो। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों को जोड़ने के लिए योजनाएँ तैयार की जा रही हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य केवल परिवहन को आसान बनाना नहीं है, बल्कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में आर्थिक और सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा देना भी है। ग्रामीण क्षेत्रों को शहरों से जोड़ने से किसानों, व्यवसायियों और आम जनता को लाभ मिलेगा। पर्यटन स्थलों तक पहुंचने के लिए बेहतर सड़क मार्ग उपलब्ध कराने की योजना भी तैयार है, जिससे बिहार के पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार सृजन में मदद होगी।

बिहार में राजस्व सेवाओं को पारदर्शी बनाने की नई पहल

- **अंचल कार्यालयों में उरउ वीएलई की तैनाती से मिलेगी बिचौलियों से मुक्ति**

एजेंसी। पटना

बिहार के अंचल कार्यालयों में उरउ के श्छए की तैनाती से आम नागरिकों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। सीएससी श्छए के पांचवे बैंच का प्रशिक्षण आज संपन्न हो गया। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग श्छए को भरोसेमंद संपर्क सूत्र बना रहा है। जिससे अंचल स्तर पर लोगों को सटीक सेवा और बिचौलियों से मुक्ति मिल सकेगी। पारदर्शी और जन केंद्रित राजस्व सेवाओं के लिए सरकार ने नई शुरूआत की है। इस बात की जानकारी देते हुए बिहार के उप मुख्यमंत्री सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि सभी राजस्व से संबंधित सेवाओं को पारदर्शी, आसान और समयबद्ध बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अंचल कार्यालयों में सीएससी के वीएलई की तैनाती से आम नागरिकों को इसका सीधे लाभ मिलेगा। उन्हें यहां से अपनी जमीन के संबंध में सही जानकारी, उचित मार्गदर्शन और भरोसेमंद ऑनलाइन सेवा मिलेगी। इससे बिचौलियों की भूमिका स्वतः समाप्त होगी और लोगों की जमीन संबंधित समस्याओं का समाधान समय से सुनिश्चित हो सकेगा। हमें विश्वास है कि प्रशिक्षित वीएलई ग्रामीण जनता के लिए सशक्त सहायक सिद्ध होंगे।राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा आयोजित उरउ के श्छए के पांचवें बैच के दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण सत्र के दौरान अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने अंचल कार्यालयों में तैनात होने वाले सीएससी वीएलई की भूमिकाओं, जिम्मेदारियों और विभागीय अपेक्षाओं को विस्तार से स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन सेवाएं उपलब्ध होने के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों को मार्गदर्शन, भरोसा और सही जानकारी की कमी के कारण समस्या होती है। अब सीएससी वीएलई इस अंतर को पाटने में अहम भूमिका निभाएंगे। अंचल कार्यालयों में बैठने से नागरिकों के संदेह दूर होंगे और ग्रामीण जनता को त्वरित मार्गदर्शन मिलेगा। साथ ही गलत सूचनाओं व बिचौलियों के शोषण से आम रैयतों का बचाव होगा। साइबर कैफे या निजी केंद्रों में आवेदन भरवाने के दौरान गलत मोबाइल नंबर या अधूरी जानकारी के कारण नागरिकों को अद्यतन सूचना नहीं मिलती। वीएलई इस समस्या को भी दूर करेंगे। इस दौरान सचिव जय सिंह ने राजस्व अभिलेखों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने नक्शा, खतियान, केवाला, लगान रसीद, जमाबंदी पंजी और शुद्धि पत्र की विस्तृत जानकारी दी। सचिव श्री सिंह ने म्यूटेशन और सर्वे पर गहन संवाद किया। उनसे म्यूटेशन प्रक्रिया, सर्वे से संबंधित आम समस्याएँ, खतियान और जमाबंदी के अंतर जैसे विषयों पर प्रश्न पूछे गए। उन्होंने कहा कि अंचल कार्यालय का सबसे महत्वपूर्ण कार्य भूमि अभिलेखों का कुशल प्रबंधन और म्यूटेशन का समय पर निष्पादन है।

गृह विभाग संभालते ही सम्राट ने दी चेतावनी, कहा- अपराधी बिहार छोड़ दें वरना पुलिस सब का करेगी इलाज

एजेंसी। पटना

बिहार में नीतीश कुमार की नई सरकार का गठन हो गया है। मुख्यमंत्री के तौर पर नीतीश कुमार ने दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ भी ले ली। विभागों के बंटवारे के साथ-साथ 26 अन्य विधायकों ने भी मंत्री पद का शपथ ले लिया। इस बीच आज उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गृह विभाग संभाला। गृह विभाग संभालते ही उन्होंने पुलिस मुख्यालय में प्रेस वार्ता की, जिसमें उन्होंने अपराधियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि बिहार में अब अपराधियों और माफियाओं की खैर नहीं। अब हर अपराधी कान खोलकर सुन लें, बिहार में अगर वह कोई हरकत करेंगे तो बिहार पुलिस उनका समुचित इलाज कर देगी, इसलिए वैसे लोग किसी गलतफहमी में न रहें। सम्राट चौधरी ने आगे कहा कि बिहार में सुशासन है और सुशासन को बढ़ाने का काम लगातार किया जा रहा है। उस कार्य को और आगे बढ़ाने के लिए कई निर्देश दिए गए हैं, जो लॉ एंड ऑर्डर को और बेहतरीन करेगा। सम्राट चौधरी ने कहा कि जो भी अपराधी हैं, चाहे वह किसी भी स्तर के माफिया हों, जमीन माफिया हों, शराब माफिया या बालू माफिया हों, उसको चिहिन्त कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार के स्कूल और कॉलेज के पास "पिंक पेट्रोलिंग" की तैनाती की जाएगी, जो रोमियों टाइप के आवारा और छेड़खानी करने वाले बदमाशों पर नकेल कसेगी। सम्राट चौधरी ने आगे कहा कि, बिहार पुलिस की प्राथमिकता है कि अपराधियों पर कार्रवाई, सुशासन, स्पीडी ट्रायल चलाना ये सभी अभियान पुलिस के द्वारा चलाया जाएगा।सम्राट चौधरी ने कहा कि जेल की भी सख्ती से निगरानी की जाएगी। उन्होंने कहा कि जेल में मोबाइल कैसे जाता है इस पर सख्ती से निगरानी की जाएगी। बिना डॉक्टर की सहमति के खाना अंदर नहीं जाएगा। सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार सरकार जेल में पर्याप्त खाना मिलता है। ऐसे में अगर बाहर से खाना जाता है, तो उससे संबंधित अधिकारी पर कार्रवाई की जाएगी। साइबर क्राइम को लेकर सम्राट चौधरी ने कहा कि साइबर क्राइम और साइबर फ्रॉड पर विशेष ध्यान रखा जाएगा। सोशल मीडिया पर किसी पर भी गाली देने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। कोई भी शख्स किसी पर भी आपत्तिजनक टिप्पणी नहीं कर सकता है। बिहार पुलिस अब सख्त कार्रवाई करेगी। कोई बख्शा नहीं जाएगा।

एक नजर

पिकअप और बाइक में जोरदार टक्कर, शादी का कार्ड बांटने निकले स्वर्ण व्यवसायी की मौत

रोहतास । रोहतास जिले के तिलौथू थाना क्षेत्र के सेहुआ मोड़ के पास मंगलवार को हुए सड़क हादसे में एक स्वर्ण व्यवसायी की मौत हो गई। मृतक की पहचान सरैया गांव निवासी प्रमोद सोनी के पुत्र सत्य प्रकाश उर्फ मोंटी बाबू के रूप में हुई है। वह तिलौथू बाजार में सोने-चांदी का व्यापार करते थे।परिजनों के अनुसार, सत्य प्रकाश अपने रिश्तेदारों को शादी का निमंत्रण पत्र देने घर से निकले थे। इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार पिकअप वैन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों ने उन्हें गंभीर अवस्था में नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद जमुहार स्थित नारायण मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।हादसे की खबर मिलते ही घर में मातम पसर गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना पर पहुंची तिलौथू पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया है। पुलिस ने क्षतिग्रस्त बाइक और पिकअप को जब्त कर लिया है। फरार पिकअप चालक की पहचान कर उसकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

पटना से मोकामा तक रेलवे पार्किंग में बड़ा बदलाव 21,500 वाहनों की सुविधा वाला प्रस्ताव तैयार

पटना। पटना, मोकामा रेलखंड पर यात्रियों की बढ़ती संख्या और स्टेशन परिसर में बढ़ती भीड़ को देखते हुए पूर्व मध्य रेलवे के दानापुर मंडल ने एक बड़ी योजना तैयार की है। इस योजना के तहत छह प्रमुख स्टेशनों पर पार्किंग क्षमता का व्यापक विस्तार किया जाएगा। प्रस्ताव के रेलवे बोर्ड से मंजूरी मिलते ही पटना से मोकामा तक कुल 21,500 वाहनों की क्षमता वाली नई पार्किंग व्यवस्था विकसित की जाएगी। यह पहल यात्रियों की सुविधा बढ़ाने और स्टेशन परिसरों में ट्रैफिक को सुचारू करने के उद्देश्य से तैयार की गई है। पटना, मोकामा रेलखंड पर रोजाना 200 से अधिक ट्रेनें गुजरती हैं। ऐसी स्थिति में स्टेशनों के आसपास भीड़भाड़ और अव्यवस्थित पार्किंग बड़ी समस्या रही है। पार्किंग विस्तार परियोजना लागू होने के बाद जहां यात्रियों को वाहन खड़ा करने में आसानी होगी, वहीं ट्रैफिक मैनेजमेंट भी सुचारू हो जाएगा। इससे ट्रेन संचालन प्रभावित नहीं होगा और स्टेशन परिसर में अव्यवस्था काफी हद तक कम होगी। दानापुर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक अधिकारी (Sr. DCM) अभिनव सिद्धार्थ ने बताया कि योजना का लक्ष्य यात्रियों को सुरक्षित और व्यवस्थित पार्किंग प्रदान करना है। इसके तहत कई उद्देश्य तय किए गए हैं। रेलवे स्टेशनों पर वाहनों का सुचारू आवागमन, सड़क जाम में कमी,यात्रियों को आधुनिक और सुरक्षित पार्किंग सुविधा बढ़ती यात्री संख्या के अनुसार इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार। रेलवे का मानना है कि बेहतर पार्किंग व्यवस्था से यात्रियों का कुल यात्रा अनुभव सुधरेगा और स्टेशन परिसरों में भीड़ कम होगी। इस परियोजना का विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) तैयार कर रेलवे बोर्ड को भेजा जा चुका है। उम्मीद जताई जा रही है कि मंजूरी जल्द मिल जाएगी। इसके बाद जमीन चिह्नित करने, निर्माण और तकनीकी व्यवस्था विकसित करने का काम चरणबद्ध तरीके से शुरू होगा। नई पार्किंग में कई आधुनिक सुविधाएं शामिल होंगी– ऑनलाइन टिकटिंग और डिजिटाइज्ड पार्किंग सिस्टम,सीसीटीवी आधारित सुरक्षा व्यवस्था, ई-विहिकल चार्जिंग स्टेशन (आने वाले चरणों में) सुव्यवस्थित एंट्री और एग्जिट गेट शामिल है। नई पार्किंग व्यवस्था से पटनाझ्रमोकामा रूट के इन प्रमुख स्टेशनों को फायदा मिलेगा–पटना जंक्शन,राजेंद्र नगर टर्मिनल, फतुहा, बख्तियारपुर, बाढ़ और मोकामा जंक्शन शामिल है। विशेष रूप से मोकामा और बाढ़, जहां औद्योगिक गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं, वहां यह सुविधा स्थानीय यात्रियों और व्यवसायों के लिए बड़ा लाभ साबित होगी।

सहरसा में आईडीबीआई बैंक मैनेजर ने किया सुसाइड कमरे में मिला शव, शादी में गये हुए थे

एजेंसी। सहरसा

सहरसा के सदर थाना क्षेत्र के न्यू कॉलोनी में उस वक्त हड़कंप मच गया जब किराये के मकान में रह रहे ळक्ठप् के बैंक मैनेजर राकेश रौशन ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उस वक्त घर पर कोई नहीं था। वो घर में अकेले थे। पत्नी और बच्चे शादी समारोह में शामिल होने के लिए गये हुए थे। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू की। बताया जाता है कि राकेश रौशन सुबह में उठकर टहलने जाते थे, लेकिन आज जब कमरे का दरवाजा नहीं खुला। तब आस-पास में रहने वाले लोगों को शक हुआ कि आखिर क्या बात है कि वो आज बाहर नहीं निकले हैं। पड़ोसियों ने उनके परिवार को इस बात की सूचना दी साथ ही पुलिस को भी इसकी जानकारी दी। जब मौक पर पुलिस पहुंची तो देखा कि किसी तरह की मुवमेंट कमरे से नहीं आ रही है तब दरवाजे को तोड़कर कमरे के अंदर प्रवेश किया गया जहां कमरे में वो फांसी से लटके हुए दिखे। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लिया और उसे पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। इस घटना की सूचना पत्नी और बच्चों को दी गयी। इस बात की सूचना मिलते ही परिजनों के बीच कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। राकेश रौशन ने यह कदम क्यों उठाया इसका पता अभी नहीं चल पाया है। पुलिस घटना की सभी बिन्दुओं की जांच कर रही है। परिवारवालों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस को पता चला कि राकेश रौशन घर पर अकेले थे और पत्नी और बच्चे शादी समारोह में शामिल होने के लिए गोड्डा गये हुए थे। मृतक मूल रूप से बिहार के दरभंगा जिले के रहने वाले थे। पत्नी और बच्चे गोड्डा से सहरसा के लिए निकल चुके हैं। उनके घर आने के बाद पुलिस आगे की पूछताछ शुरू करेगी। घटनास्थल से पुलिस को सुसाइड नोट नहीं मिला है। इलाके के लोग भी इस घटना से हैरान हैं। इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है कि मैनेजर साहब ने ऐसा कदम क्यों उठा लिया? पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने के बाद ही घटना के सही कारणों का पता चल पाएगा।

बिहार सरकार का सख्त निर्देश : शराबबंदी में ढील नहीं, कानून मजबूती से लागू रहेगा

एजेंसी। पटना

मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के मंत्री बिजेंद्र यादव ने विभागीय मंत्री का पदभार ग्रहण करने के बाद मीडिया से बातचीत में स्पष्ट किया कि बिहार में शराबबंदी कानून किसी भी हालत में वापस नहीं लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य में शराब पूरी तरह प्रतिबंधित है और यह प्रतिबंध भविष्य में भी पूरी मजबूती के साथ लागू रहेगा।मंत्री ने यह भी कहा कि नयी सरकार में शराब नीति को लेकर बदलाव की उम्मीद लगाए बैठे लोगों को उनके बयान से निराशा हाथ लगी है। बिजेंद्र यादव ने जोर देकर कहा कि शराबबंदी कानून यथावत रहेगा और इसमें किसी प्रकार का ढील या बदलाव नहीं किया जाएगा। बिजेंद्र यादव ने बताया कि आने वाले हफ्तों में विभाग व्यापक समीक्षा बैठकें करेगा, जिनमें अब तक के क्रियान्वयन में आई कमियों की पहचान की जाएगी। समीक्षा के दौरान इन कमियों को दूर करने के लिए ठोस कदम और नए दिशा-निर्देश तय किए जाएंगे। मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे फील्ड में सक्रिय रहकर अवैध शराब व्यापार में संलिप्त लोगों पर लगातार कार्रवाई करें। उन्होंने यह भी कहा कि शराबबंदी सिर्फ कागज पर नहीं रहनी चाहिए, बल्कि गांव से लेकर शहर तक इसका सख्ती से पालन सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए समाज में जागरूकता बढ़ाने के प्रयासों को भी तेज किया जाएगा, ताकि लोग कानून का सम्मान करें और अवैध शराब के खिलाफ कदम उठाएँ। मंत्री बिजेंद्र यादव ने कहा कि शराबबंदी कानून का उद्देश्य केवल प्रतिबंध लगाना नहीं है, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण को सुनिश्चित करना है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अवैध शराब बिक्री और सेवन में सहयोग न करें और इसके खिलाफ स्थानीय प्रशासन को जानकारी दें। समीक्षा के दौरान यह भी तय किया जाएगा कि शराबबंदी के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए तकनीकी उपाय, निरीक्षण और नियमित फील्ड चेकिंग की जाए। इसका लक्ष्य यह है कि बिहार में शराब पूरी तरह प्रतिबंधित रहे और अवैध शराब के व्यापारियों के खिलाफ कोई रियायत न दी जाए।

तेज रफ्तार कार ने नवादा में पुलिसकर्मी की छीन ली जिंदगी, एनएच-20 पर हुआ हादसा

एजेंसी। नवादा

नवादा जिले में एनएच-20 पर हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को हिला कर रख दिया। इस हादसे में औरंगाबाद जिले में तैनात सिपाही राकेश कुमार (34 वर्ष) की तेज रफ्तार कार की टक्कर से मौत हो गई। राकेश कुमार नवादा जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के खरांट गांव के निवासी थे। उनके पिता जगदीश यादव ने बताया कि राकेश अपने फर्ज के प्रति समर्पित, मेहनती और शांत स्वभाव के पुलिसकर्मी थे। उनकी असामयिक मौत ने न सिर्फ परिवार को तोड़ा है, बल्कि पुलिस विभाग में भी शोक की लहर दौड़ा दी है। घटना के अनुसार, सोमवार को राकेश कुमार अपने गांव से नवादा की ओर बाइक से जा रहे थे। जैसे ही वे पकड़िया मोड़ के पास पहुंचे, सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मारी। टक्कर इतनी भीषण थी कि राकेश सड़क पर दूर तक जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत उन्हें नवादा सदर अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल के डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें पटना के पीएमसीएच रेफर कर दिया। हालांकि, परिजन उन्हें एक निजी मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल ले गए, लेकिन देर रात उनकी मौत हो गई। राकेश के पीछे तीन छोटे बच्चे, पत्नी और परिजन हैं, जिन पर यह हादसा किसी पहाड़ के टूटने के समान गहरा प्रभाव छोड़ गया। उनका घर, गांव और पुलिस बल पूरी तरह शोक में डूब गया। उनके बच्चों, पत्नी और माता-पिता के विलाप से पूरा घर गूंज उठा। हादसे के बाद पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और मृतक के परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में कराया गया। मुफस्सिल थाना प्रभारी संजीत कुमार ने बताया कि हादसे में शामिल कार को जब्त कर लिया गया है और परिजनों के बयान पर यातायात थाना में एफआईआर दर्ज की जाएगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि एनएच-20 पर लगातार तेज रफ्तार और लापरवाही के कारण हादसे हो रहे हैं। यह हादसा इस बात का सबूत है कि सड़क सुरक्षा पर गंभीर कदम उठाना कितना जरूरी है। राकेश कुमार जैसे समर्पित और कर्मठ पुलिसकर्मी का अचानक जाना न सिर्फ उनके परिवार के लिए बल्कि पूरे पुलिस विभाग के लिए अपूरणीय क्षति है।

पटना, राजगीर, नालंदा–वैशाली समेत कई शहरों में बनेगा फाइव स्टार होटल

एजेंसी/पटना

बिहार के नवनिर्वाचित पर्यटन मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने मुख्य सचिवालय स्थित पर्यटन विभाग कार्यालय में पदभार ग्रहण कर अपने नए कर्तव्यों का आरंभ किया। उनका स्वागत पर्यटन सचिव लोकेश कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर मंत्री ने बिहार के पर्यटन क्षेत्र को नई दिशा देने और राज्य को देश-विदेश में पर्यटन के लिए प्रमुख केंद्र बनाने की अपनी प्राथमिकताओं के बारे में विस्तार से चर्चा की। मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने कहा कि बिहार अपनी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं, ऐतिहासिक विरासत और सभी धर्मों के पवित्र स्थलों के केंद्र के रूप में केवल भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। उन्होंने कहा कि बिहार के विभिन्न पर्यटन सर्किट जैसे बौद्ध सर्किट, जैन सर्किट, रामायण सर्किट, सूफी सर्किट और इको सर्किट देश में विशिष्ट स्थान रखते हैं और इन्हें और अधिक विकसित करने की आवश्यकता है। मंत्री ने बताया कि वर्तमान में राज्य सरकार के प्रगति यात्रा के तहत पर्यटन विभाग से जुड़ी कई महत्वाकांक्षी योजनाएं स्वीकृत हुई हैं और उन पर काम तेजी से चल रहा है। इनमें माता जानकी की जन्मभूमि सीतामढ़ी में भव्य मंदिर का निर्माण, सोनपुर हरिहरक्षेत्र कॉरिडोर, गयाजी में विष्णुपद मंदिर कॉरिडोर, महाबोधि कॉरिडोर और बोधगया मेडिटेशन सेंटर शामिल हैं। मंत्री ने इन सभी परियोजनाओं को जल्द पूरा करने की जिम्मेदारी अपने मंत्रालय की प्राथमिकता बताया। विशेष रूप से उन्होंने राजधानी पटना, राजगीर, नालंदा और वैशाली में फाइव स्टार होटलों के निर्माण की योजना का जिक्र किया। उनका कहना था कि इन शहरों में आधुनिक सुविधाओं से युक्त होटल निर्माण से पर्यटन क्षेत्र में निवेश बढ़ेगा और पर्यटकों को बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। मंत्री ने पर्यटन आंकड़ों का उल्लेख करते हुए कहा कि आम धारणा के विपरीत बिहार में पर्यटकों की संख्या कम नहीं है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में राज्य में कुल 6.60 करोड़ देसी और विदेशी पर्यटक आए थे। इस वर्ष सितंबर तक ही राज्य में 5.10 करोड़ से अधिक पर्यटक आ चुके हैं। मंत्री ने कहा कि बिहार देश में पर्यटन के मामले में शीर्ष 10 राज्यों में शामिल है और आगामी पांच वर्षों में इसे शीर्ष 5 में लाने का लक्ष्य रखा गया है। अरुण शंकर प्रसाद ने कहा कि पर्यटन उद्योग न केवल आर्थिक दृष्टि से बल्कि रोजगार सृजन के लिहाज से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि राज्य सरकार पर्यटन स्थलों को विकसित कर पर्यटकों को आधुनिक सुविधाएं, बेहतर यात्रा अनुभव और सुरक्षा उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि बिहार की पर्यटन नीति निवेश के लिए आकर्षक है और इसमें पर्यटन क्षेत्र में निवेश करने वालों को सब्सिडी और प्रोत्साहन दिए जाने की व्यवस्था है। मंत्री ने यह भी कहा कि पर्यटन स्थलों की पहचान और उनका संवर्द्धन करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इससे न केवल राज्य की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित किया जा सकेगा, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी उत्पन्न होंगे।

पटना में बैटरी कारोबारी को विधायक के नाम पर आया धमकी भरा कॉल

एजेंसी/पटना

पटना के चित्रगुप्त नगर थाना क्षेत्र में रहने वाले एक बैटरी और स्पेयर पार्ट्स कारोबारी से दो करोड़ रुपये की रंगदारी मांगे जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। रंगदारी मांगने वाला कॉल किसी अज्ञात नंबर से आया था, लेकिन कॉलर ने खुद को एक विधायक का प्रतिनिधि बताते हुए भारी-भरकम रकम की मांग की। व्यापारी को धमकी दी गई कि यदि राशि नहीं दी गई तो उसे और उसके परिवार को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मुन्नाचक निवासी व्यापारी आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि 16 नवंबर को सबसे पहला धमकी भरा कॉल उनके पिता सुरेंद्र कुमार सिन्हा के मोबाइल पर आया था। कॉल उठाने पर फोन करने वाले ने पिता को नाम लेकर संबोधित किया और कहा कि उनसे जल्द ही रंगदारी पर बात होगी। पिता ने कॉल को रॉग नंबर समझकर तुरंत डिस्कनेक्ट कर दिया। उस समय परिवार ने घटना को गंभीरता से नहीं लिया, लेकिन अगले ही कुछ दिनों में हालात बदलने लगे।पीड़ित के अनुसार, 22 नवंबर की सुबह उसी नंबर से दोबारा कॉल आया। इस बार फोन आशीष की पत्नी ने उठाया। कॉलर ने बेहद धमकी भरे अंदाज में कहा कि वह सुरेंद्र सिन्हा के बेटे का अपहरण करने जा रहा है और यदि परिवार ने बात नहीं मानी तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

सुभाषितम्

कुबेर भी यदि आय से अधिक व्यय करे तो निर्धन हो जाता है।

- चाणक्य

कितने हिड़मा मारोगे?

रविवार को दिल्ली स्थित इंडिया गेट पर प्रदूषण को लेकर युवा विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। पुलिस द्वारा प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने के लिए बल प्रयोग किया गया। इससे नाराज प्रदर्शनकारियों ने पुलिस कर्मियों के ऊपर मिर्च स्प्रे से हमला कर दिया। युवाओं ने पुलिस से बचने की कोशिश की। प्रदर्शनकारियों के हाथ में हाल ही में सुरक्षा बलों के एनकाउंटर में मारे गए नक्सली कमांडर हिड़मा का पोस्टर था। दिल्ली पुलिस पर किए गए मिर्च स्प्रे से दर्जनों पुलिसकर्मी घायल हो गए, उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ा। पहली बार किसी विरोध प्रदर्शन में पुलिस के ऊपर मिर्च स्प्रे का उपयोग किया गया है। प्रदर्शनकारी बड़े उग्र थे। वह पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेड को तोड़कर आगे बढ़ना चाहते थे। दिल्ली पुलिस उनसे प्रदर्शन स्थल को खाली करने की अपील कर रही थी। प्रदर्शनकारी नहीं माने। देश की राजधानी दिल्ली में पहली बार इस तरह का उग्र प्रदर्शन देखने को मिला, जिसमें प्रदर्शनकारी नारे लगा रहे थे, कितने हिड़मा मारोगे, हर घर से हिड़मा निकलेगा। नई दिल्ली के डीसीपी देवेश कुमार महला ने माना, आंदोलनकारियों का यह प्रदर्शन हिंसक था। मुट्ठी भर प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने में पुलिस को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ा। पहली बार पुलिस अधिकारियों और पुलिसकर्मियों की आंखों में मिर्च स्प्रे चला गया था। उनका इलाज राम मनोहर लोहिया अस्पताल में चल रहा है। पुलिस कर्मियों की आंखों मे जलन और सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। एंबुलेंस में घायल पुलिसकर्मियों को लेकर अस्पताल जाना पड़ा। पुलिस ने 15 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया है। सारे प्रदर्शनकारी पढ़े-लिखे युवा थे। इस प्रदर्शन ने दिल्ली पुलिस को चिंता में डाल दिया है। महंगाई, बेरोजगारी, दिल्ली मे प्रदूषण और विभिन्न समस्याओं को लेकर दिल्ली में प्रदर्शन की बाढ़ आ गई है। दिल्ली पुलिस को रोजाना प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। प्रदर्शन इसी तरह से हिंसक होंगे तो पुलिस की परेशानी और भी बढ़ जाएगी। प्रदर्शनकारियों ने कानून व्यवस्था की अनदेखी करके जिस तरह से पुलिस पर हमला करने की कोशिश की है, जिस तरह के नारे लगाए गये हैं, उसने दिल्ली पुलिस की चिंता को बढ़ा दिया है। उल्लेखनीय है दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण को लेकर पहले भी युवाओं ने प्रदर्शन किया था। पुलिस ने सख्ती के साथ उसे रोक दिया था। दोबारा यह विरोध प्रदर्शन रविवार की शाम को इंडिया गेट के पास सी हेक्सागन में किया गया। दिल्ली पुलिस को अंदाज नहीं था, यह प्रदर्शन इतना उग्र हो जाएगा। दिल्ली में प्रदूषण को लेकर आम जनमानस में भारी रोष है। युवाओं में पुलिस के खिलाफ आक्रोश देखने को मिल रहा है। पुलिस ने आंदोलनकारियों पर एफआईआर दर्ज की है। पुलिस पर हमला करने और सरकारी काम में बाधा डालने, सड़क जाम करने का आरोप लगाया है। युवाओं में महंगाई, बेरोजगारी, परीक्षाओं में परचे लीक होने तथा नौकरी नहीं मिलने के कारण भारी नाराजी है। छोटी-मोटी समस्याओं पर उग्र प्रदर्शन हो रहे हैं। आंदोलन, प्रदर्शन, धरना इत्यादि पर सरकार की दमनकारी नीति और असंवेदनशीलता से प्रदर्शनकारी उग्र हो रहे हैं। धरना-प्रदर्शन और आंदोलन के बाद भी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है। ऐसी स्थिति में युवा अब विद्रोही बनकर सड़कों पर उतर रहे हैं। केंद्र एवं राज्य सरकारों को समय रहते करोडों पढ़े-लिखे युवा, जो कई वर्षों से बेरोजगार हैं, उन्हें सरकारी नौकरी नहीं मिल रही है ना ही उन्हें रोजगार मिल रहा है, प्राइवेट सेक्टर में भी नौकरी नहीं मिल रही है, ऐसी स्थिति में युवाओं का आक्रोश अब सड़कों पर दिखने लगा है। आंदोलनकारियों ने जिस तरह से मारे गए नक्सली कमांडर माडवी हिड़मा का पोस्टर दिखाकर आक्रोश का प्रदर्शन किया है। उन्होंने सरकार को एक तरह की चेतावनी दी है। दिल्ली में प्रदूषण की हालत एक दशक से ज्यादा समय से खराब है। दिल्ली में वायु प्रदूषण बढ़ने से बीमारियां फैल रही हैं। बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। हर साल सरकार नए-नए दावे करती है।

चिंतन-मनन

भावना भी समझें

एक आदमी बस में रोजाना ही यात्रा करता था। वह बस में केले खाता और छिलके को खिड़की से फेंक देता। एक दिन एक भाई ने कहा, भाई! सड़क पर छिलके डालना उचित नहीं है। दूसरे फिसलकर गिर पड़ते हैं। छिलकों को एक ओर डालना चाहिए। उसने कहा, अच्छी बात है। दूसरे दिन की बात है। पूर्व दिन वाले दोनों यात्री एक ही बस में बैठे हुए थे। एक ने केले छीले, खाए और छिलके डाल दिए। सड़क पर नहीं, अन्यत्र कहीं। साथी ने कहा, धन्यवाद! कल जो मैंने कहा, उसे तुमने मान लिया। आज छिलके सड़क पर नहीं फेंके। उसने कहा, सड़क पर तो नहीं फेंके, पर मेरे पास जो दूसरा यात्री बैठा था, उसकी जेब में चुपके से छिलके डाल दिए। सड़क पर उन्हें डालने की नौबत ही नहीं आई। हर आदमी ?से ही समस्या को दूसरों की जेब में डालता जाता है और यह मान लेता है कि समस्या का समाधान हो गया। समस्या सुलझती नहीं। एक समस्या सुलझती है, तो दूसरी उलझ जाती है। समस्या के समाधान का सही मार्ग है-भावनाओं पर ध्यान देना। जो भी काम किया जाता है, उसको करने से पूर्व यह सोचना होगा कि मैं यह काम शरीर की सुविधा के लिए कर रहा हूं, पर इससे कहीं मन की समस्या उलझ तो नहीं रही है? कहीं भावना की समस्या गहरी तो नहीं होती जा रही है? हम तीनों समस्याओं पर एक साथ ध्यान दें। जब तक शरीर की समस्या, मन की समस्या और भावना की समस्या पर समवेत रूप में ध्यान नहीं देंगे, तब तक समाधान नहीं मिलेगा।

जी-20 शिखर सम्मेलन में नरेंद्र मोदी के सुझावों की रोशनी

-ललित गर्ग

जी-20 शिखर सम्मेलन का उद्घाटन सत्र इस बार जिस गंभीर मुद्दे पर केन्द्रित रहा, वह दुनिया के सामने उभरते खतरों की बदलती प्रकृति को स्पष्ट करता है। भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद के साथ-साथ ड्रग तस्करी को भी वैश्विक शांति, सुरक्षा और मानव अस्तित्व के लिए उतना ही घातक बताया जितना किसी संगठित हिंसा को माना जाता है। उनकी यह चेतावनी केवल कूटनीतिक वक्तव्य नहीं बल्कि बढ़ती वैश्विक वास्तविकताओं का सटीक विश्लेषण है। यह तथ्य अब निर्विवाद है कि मादक पदार्थों की तस्करी आतंकवाद को ईंधन प्रदान करने वाला सबसे बड़ा स्त्रोत बन चुकी है। अरबों डॉलर का यह अवैध व्यापार केवल अपराध जगत को नहीं बल्कि राष्ट्रों की सुरक्षा, समाज की स्थिरता और युवाओं के भविष्य को भी चूर-चूर कर रहा है।

मोदी ने अपने संबोधन में साफ कहा कि दुनिया के बड़े राष्ट्रों को ड्रग-माफिया और उसके आतंकवाद से जुड़े वित्तीय नेटवर्क के खिलाफ एकजुट होकर निर्णायक लड़ाई लड़नी होगी। दुनिया आज जिस गति से नए-नए मादक पदार्थों के जाल में फंसती जा रही है, वह वैश्विक चिंता और भी बढ़ाता है। फेंटानाइल जैसे अत्यंत खतरनाक सिंथेटिक ड्रग्स ने अमेरिका में स्वास्थ्य-संकट की भयावह स्थिति पैदा कर दी है, जहां प्रतिदिन अनेक लोग इसके कारण जान गंवा रहे हैं। यह संकट किसी एक देश की समस्या नहीं, बल्कि मानव जीवन पर मंडरा रहा एक वैश्विक खतरा है। यह मानना भूल होगी कि ऐसे ड्रग्स केवल एक महाद्वीप तक सीमित रह सकते हैं; संगठित तस्करी के नेटवर्क इसकी पहुंच दुनिया के किसी भी कोने तक ले जा सकते हैं। यही कारण है कि मोदी ने चेताया कि यदि अभी निर्णायक कार्रवाई नहीं हुई, तो यह त्रासदी अन्य देशों में भी फैल सकती है। ड्रग्स माफिया केवल एक आपराधिक व्यापार नहीं, बल्कि मानव समाज की जड़ों को खोखला करने वाला वैश्विक संकट है। नशे का कारोबार सीमाओं, कानूनों और नैतिक मूल्यों-तीनों को धत्ता बताकर फैल रहा है। यह न केवल युवाओं के भविष्य को निगल रहा है, बल्कि देशों की आंतरिक सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता और आर्थिक व्यवस्था को भी कमजोर कर रहा है। इसलिए ड्रग्स माफिया का खतरा अब केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। दुनिया भर में नशे का अवैध व्यापार एक विशाल संगठित नेटवर्क के रूप में विकसित हो चुका है, जिसमें माफिया, कार्टेल, हथियार गिरोह, आतंकवादी संगठन और भ्रष्ट तंत्र की गहरी सांठगांठ शामिल है। यह नेटवर्क इतना शक्तिशाली है कि कई देशों में यह समानान्तर सत्ता जैसा व्यवहार करता है। अफगानिस्तान, मैक्सिको, कोलंबिया, म्यांमार, नाइजीरिया, रूस और यूरोप तथा एशिया के अनेक हिस्सों में ड्रग्स कार्टेलों ने शासन प्रणालियों को चुनौती दी है। अनेक जगह तो स्थितियां ऐसी बन जाती हैं कि सरकारें या तो इस लड़ाई में कमजोर पड़ जाती हैं या फिर समझौते करने को मजबूर हो जाती हैं। मोदी ने इस पर नियंत्रण के लिये दुनिया को एकजुट होने की आवश्यकता व्यक्त की। जी-20 देशों की यह जिम्मेदारी बनती है कि वे ड्रग्स के अवैध उत्पादन, वितरण, ऑनलाइन डार्क-नेट व्यापार, क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से होने वाले भुगतान और सीमा-पार तस्करी पर न केवल नियंत्रण करें बल्कि इसके खिलाफ साझा रणनीति भी अपनाएं। मोदी ने इस दिशा में कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए-प्रत्येक देश में अवैध वित्तीय गतिविधियों पर कड़ा नियंत्रण, एआई के दुरुपयोग को रोकने के लिए सामूहिक प्रयास, डेटा साझाकरण को बढ़ावा, तकनीकी सहयोग को सुदृढ़ करना तथा डिजिटल और साइबर अपराधों के विरुद्ध नई वैश्विक नीति बनाना। एआई का दुरुपयोग आज केवल गलत सूचना फैलाने या साइबर अपराध तक सीमित नहीं रहा; उसके माध्यम से ड्रग्स की ऑनलाइन बिक्री, नकली पहचान, एन्क्रिप्टेड चैनल और तस्करों के गुप्त नेटवर्क को चलाने में भी व्यापक उपयोग होने लगा है। इस पर रोक अब सामूहिक प्रयासों के बिना संभव नहीं। इस वर्ष का जी-20 शिखर सम्मेलन अमेरिका की अनुपस्थिति के बावजूद काफी सफल माना गया। यह सफलता केवल उपस्थिति की संख्या में नहीं बल्कि चचाओं की गुणवत्ता, मुद्दों की गंभीरता और लिए गए निर्णयों के ठोस स्वरूप में दिखाई दी। बड़े देशों का एक-दूसरे से समन्वय और वैश्विक चुनौतियों को लेकर स्पष्टता इस सम्मेलन की बड़ी उपलब्धि रही। दुनिया का बदलता भू-राजनीतिक वातावरण, यूक्रेन और मध्य-पूर्व जैसे संघर्ष, आर्थिक अनिश्चितताएं और ग्लोबल साउथ की महत्वाकांक्षाएं-इन सबके बीच भी यह सम्मेलन शांत, रचनात्मक और समाधान-उन्मुख रहा। यह संकेत है कि दुनिया के राष्ट्र अब प्रतिस्पर्धा से ज्यादा सहयोग को प्राथमिकता देने लगे हैं। ड्रग-तस्करी और आतंकवाद जैसे मुद्दे किसी भी देश की सीमाओं में बंधे नहीं रह सकते; इसलिए उनका समाधान भी सीमाओं के पार सहयोग से ही संभव है। मोदी के सुझावों का विशेष महत्व इसलिए भी है क्योंकि भारत लंबे समय से सीमा-पार आतंकवाद का शिकार रहा है और दक्षिण एशिया में ड्रग-तस्करी का एक बड़ा ट्रांजिट-पॉइंट भी बनता रहा है। भारत ने तकनीक, कानून और कूटनीति-तीनों स्तरों पर इस खतरे से मुकाबला करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिनसे दुनिया सीख सकती है। भारत का अनुभव बताता है कि ड्रग-नेटवर्क को समाप्त करने के लिए तीन मोर्चों पर काम करना अत्यंत आवश्यक है-कड़ी सीमा निगरानी, सोशल-मीडिया एवं एआई आधारित निगरानी तंत्र को मजबूत करना, और युवाओं में नशामुक्ति एवं जागरूकता को बढ़ाना। केवल कानून पर्याप्त नहीं; सामाजिक-मानसिक जागरूकता भी उतनी ही जरूरी है।

जी-20 सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सक्रिय, प्रभावशाली और केंद्रीय उपस्थिति ने एक बार फिर सिद्ध किया कि वे आज वैश्विक परिदृश्य के सबसे सशक्त, निर्णायक और भरोसेमंद नेताओं में अग्रणी हैं। अमेरिका की अनुपस्थिति के बावजूद विश्व मंच पर नेतृत्व का जो शून्य बन सकता था, उसे मोदी ने अपने संयमित, दूरदर्शी और कूटनीतिक करिश्मे से भर दिया। ड्रग-तस्करी, आतंकवाद, एआई के दुरुपयोग, वैश्विक अर्थव्यवस्था, ग्लोबल साउथ और मानव-कल्याण जैसे विविध मुद्दों पर उनकी स्पष्ट दृष्टि और व्यावहारिक समाधान ने दुनिया को यह विश्वास दिलाया कि भारत न केवल उभरती शक्ति है बल्कि स्थिर और सकारात्मक दिशा दिखाने वाला पथ-प्रदर्शक भी है। उनकी उपस्थिति ने यह भी रेखांकित किया कि बदलती वैश्विक राजनीति में जहां कई राष्ट्र आंतरिक संघर्षों और नीतिगत अनिश्चितताओं से जूझ रहे हैं, वहीं भारत एक विश्वसनीय, स्थिर और दूरदर्शी नेतृत्व प्रस्तुत कर रहा है। मोदी का यह उभार केवल भारत की प्रतिष्ठा को ऊंचा नहीं उठाता बल्कि दुनिया को एक ऐसे नेतृत्व का विकल्प देता है जो विकास, शांति, सुरक्षा और वैश्विक सहयोग के नए मॉडल को आगे बढ़ा सकता है और यही आज की दुनिया के लिए सबसे बड़ी आवश्यकता है।

विपक्ष मुक्त लोकतंत्र के दुष्प्रयास अभी भी जारी

-तनवीर जाफरी

9 जून 2013 को गोवा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की चुनाव अभियान समिति की बैठक के दौरान जिस समय नरेंद्र मोदी को 2014 लोकसभा चुनावों के लिए अभियान समिति का अध्यक्ष मनोनीत किया गया उस समय उन्होंने अपने भाषण में कहा था कि कांग्रेस मुक्त भारत हमारा सपना होना चाहिए। इस आह्वान के फौरन बाद उन्होंने ट्विटर पर भी इसकी पुष्टि करते हुये लिखा था कि वरिष्ठ नेताओं ने मुझ में विश्वास जताया है। हम कांग्रेस मुक्त भारत का निर्माण करने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ेंगे। उसके बाद से अब तक वे इसी बात को दूसरे शब्दों में अपनी चुनावी सभाओं या सार्वजनिक रैलियों आदि में कहते रहते हैं। जैसे कभी देश को कांग्रेस संस्कृति से मुक्ति दिलाने की बात कभी पंजे से मुक्ति,कभी तुष्टिकरण से मुक्ति तो कभी परिवारवाद व भ्रष्टाचार से मुक्ति के रूप में देश के सबसे बड़े विपक्षी दल कांग्रेस को कोसकर विपक्ष मुक्त लोकतंत्र की अपनी हसरत की अभिव्यक्ति करते रहे हैं। हालांकि 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की 99 सीटें आने के बाद मोदी की इस हसरत पर विराम लग गया था। फिर भी कांग्रेस के दर्जनों नेताओं को भय लालच आदि के द्वारा अपने पाले में कर कांग्रेस को पूरी तरह कमजोर करने की कोशिश जरूर की गयी। अब बिहार चुनाव परिणामों से उत्साहित भाजपा दिल्ली से लेकर कर्नाटक तक एक बार फिर कांग्रेस व विपक्ष को कमजोर करने की कोशिश करने लगी है। इसी उद्देश्य से पिछले दिनों प्रधानमंत्री मोदी ने सूरत में एक कार्यक्रम के दौरान फिर एक बयान दिया है। इस बार मोदी ने कांग्रेस व अन्य विपक्षी सांसदों की पैरवी करते हुये उनके राजनीतिक कैरियर के प्रति चिंता जाहिर की है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस के युवा सांसदों को पार्टी नेतृत्व बोलने नहीं देता, जिससे उनका राजनीतिक कैरियर बर्बाद हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि जब कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के सांसद मुझसे मिलते हैं, तो वे कहते हैं, हम क्या कर सकते हैं? हमारा कैरियर खत्म हो रहा है। हमें संसद में बोलने का मौका ही नहीं मिलता। हर बार यही कहा जाता है कि संसद को ताला लगा दो। उन्होंने कांग्रेस पर और भी हमले किये। मोदी द्वारा विपक्षी सांसदों की फिक्र किये जाने के सन्दर्भ में यह सोचना जरूरी है कि अपनी ही पार्टी के शीर्ष नेताओं का बना बनाया कैरियर समाप्त करने या उन्हें अज्ञातवास अथवा राजनैतिक संन्यास पर भेजने के लिये मजबूर करने वाले प्रधानमंत्री मोदी को आखिर विपक्षी सांसदों के कैरियर की चिंता कैसे सताने लगी? गुजरात से लेकर दिल्ली तक कितने नेताओं को दरकिनार कर प्रधानमंत्री की कुर्सी तक पहुँचने वाले मोदी को विपक्षी सांसदों के कैरियर की चिंता सताने लगी? लाल कृष्ण आडवाणी ने तो खुद मोदी जी का कैरियर बचाने में उनकी मदद की थी। याद कीजिये 2002 के गुजरात दंगों के बाद तो तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने मोदी को गुजरात के मुख्यमंत्री पद से हटाने की ठान ली थी। उस समय आडवाणी ने ही मोदी का साथ देकर इन की कुर्सी बचाई थी। बाद में मोदी ने आडवाणी जी को कहाँ पहुंचा दिया? जिनके पैर छुआ करते थे उन्हें ऐसे मार्ग दर्शन मंडल में भेज दिया जहाँ से मार्ग दर्शन लेने की किसी को जरुरत ही नहीं होती? मुरली मनोहर जोशी का वाराणसी से टिकट काट कर पहले खुद चुनाव लड़ा बाद में उन्हें भी मार्ग दर्शन मंडल का रास्ता दिखा दिया? मार्गदर्शन मंडल के बारे में बताया गया कि 75 की आयु पार करने वालों को इसमें स्थान मिलेगा। परन्तु स्वयं 1950 में जन्मे मोदी भी आज 75 वर्ष की आयु पार कर चुके हैं। तो क्या 75 के नाम पर अपने अनेक वरिष्ठ नेताओं का कैरियर चौपट करने वाले मोदी जी को स्वयं अपनी आयु 75 होने पर मार्गदर्शक मंडल का रास्ता नजर नहीं आता? केंद्र में 79 वर्षीय जीतन राम मांझी मंत्री बनाये जा सकते हैं। 83 वर्षीय आनंदीबेन पटेल व 81 वर्षीय आचार्य देवव्रत राज्यपाल बनाये जा सकते हैं परन्तु सुब्रमण्यम स्वामी, यशवंत सिन्हा, शत्रुघ्न सिन्हा, अरुण शौरी जैसे नेताओं के कैरियर की कोई फिक्र नहीं? ऐसे और भी अनेक उदाहरण हैं जो यह दशार्ते हैं कि मोदी को अपने राजनैतिक कैरियर के सिवा किसी और के राजनैतिक कैरियर की कोई फिक्र नहीं होती। लंबे समय तक भाजपा में रहने वाले शत्रुघ्न सिन्हा ने खुद कहा था कि भाजपा में अब लोकतंत्र नहीं, तानाशाही है। पूर्व केंद्रीय मंत्री आर के सिंह को बिहार चुनाव परिणाम आते ही इसलिये पार्टी से निकाल दिया गया क्योंकि उन्होंने न केवल पार्टी के अपराधी नेताओं को पार्टी प्रत्याशी बनाने पर सवाल खड़ा किया था बल्कि अडानी पावर व नीतीश सरकार के बीच हुये कथित 62,000 करोड़ रुपये के बिजली घोटाले का भी खुलासा किया था और इस घोटाले की जांच की मांग की थी। इसलिये कांग्रेस या विपक्षी सांसदों के कैरियर को लेकर चिंतित होना दरअसल उनके कैरियर की चिंता करना नहीं बल्कि अपनी इन कथित चिंताओं का प्रदर्शन कर कांग्रेस व विपक्ष को कमजोर करने की कोशिश मात्र है। कुछ ऐसी ही कोशिशें इन दिनों लालू यादव के परिवार में पड़ी पारिवारिक फूट को लेकर देखी जा रही हैं। यहाँ भी लालू -तेजस्वी का विरोध करने वाले परिवार के सदस्यों को हवा देने की खबरें आ रही हैं। दरअसल मोदी इस दावे से यह भी जताना चाहते हैं कि विपक्ष के कोटे का पूरा समय राहुल गाँधी ही ले लेते हैं। तो देश यह भी देखता है कि विपक्षी सांसदों को संसद में कितना बोलने दिया जाता है और उनके बोलने पर सत्ता पक्ष कितना व्यवधान पैदा करता है। हाँ राहुल का बोलना इसलिये जरूर खटकता होगा क्योंकि इस समय देश के वही अकेले ऐसे नेता हैं जो साम्प्रदायिकता, भ्रष्टाचार, अडानी-अंबानी, नोटबंदी, जी एस टी,चुनाव धांधली, सरकारी संस्थानों पर सत्ता के शिकंजे, किसानों व जातीय जनगणना, एस आई आर जैसे ज्वलंत मुद्दों पर खुलकर बोलते हैं जो सत्ता से हजम नहीं होता।

संवैधानिक प्रावधानों से पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित हो

- राजकुमार सिन्हा

पारदर्शी व्यवस्था में संविधान का महत्वपूर्ण स्थान है, क्योंकि यह एक मूलभूत ढांचा प्रदान करता है जो सरकार के कार्यों को परिभाषित और सीमित करता है, जिससे जवाबदेही सुनिश्चित होती है और सत्ता के दुरुपयोग को रोका जा सकता है। संविधान सरकार के विभिन्न अंगों (विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका) की शक्तियों और कार्यों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करता है। यह शक्तियों के केंद्रीकरण और दुरुपयोग को रोकता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि सभी कार्य कानून के अनुसार हों। संविधान कानून के शासन को स्थापित करता है, जिसका अर्थ है कि देश पर शासन व्यक्तियों की मनमानी से नहीं, बल्कि स्थापित कानूनों से चलेगा। यह एक समान और निष्पक्ष व्यवस्था बनाता है। संविधान नागरिकों को मौलिक अधिकार प्रदान करता है, जिनकी रक्षा सरकार को करनी होती है। सूचना का अधिकार जैसे प्रावधान, जो अक्सर संवैधानिक सिद्धांतों से प्रेरित होते हैं, नागरिकों को सरकार के कार्यों के बारे में जानकारी मांगने का अधिकार देते हैं, जिससे पारदर्शिता बढ़ती है ।पारदर्शिता और जवाबदेही सुशासन के दो प्रमुख तत्व हैं। संविधान ऐसा प्रावधान करता है जो सरकारी निकायों को उनके निर्णयों और कार्यों के लिए लोगों के प्रति जवाबदेह बनाता है, जैसे कि नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (सीएजी) जैसे संवैधानिक निकायों की स्थापना। जब सरकार संविधान द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार पारदर्शी तरीके से काम करती है, तो नागरिकों का सरकार में विश्वास बढ़ता है। यह व्यवस्था को वैधता प्रदान करता है और सरकार व लोगों के बीच विश्वास पैदा करता है। पारदर्शिता भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण है। संवैधानिक ढांचा सरकार के हर स्तर पर खुलेपन और ईमानदारी की संस्कृति को बढ़ावा देता है। संविधान एक पारदर्शी और जवाबदेह शासन प्रणाली की नींव के रूप में कार्य करता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि सरकार जनहित में और कानून के दायरे में काम करे ।सर्वोच्च न्यायालय ने कई ऐतिहासिक निर्णयों में यह स्पष्ट किया है कि सूचना का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) (भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता) और अनुच्छेद 21 (जीवन का अधिकार) के तहत एक मौलिक अधिकार है। यह अधिकार नागरिकों को सरकार के कामकाज के बारे में जानने का हक देता है, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित होती है ।सरकारी योजनाओं और सेवाओं को ऑनलाइन करने से प्रक्रियाओं में पारदर्शिता आई है और नागरिकों के लिए सूचना तक पहुंच आसान हो गई है। केंद्र सरकार ने कई कल्याण योजनाओं (जैसे पीएम किसान) में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर का इस्तेमाल बढ़ाया है, जिससे सब्सिडी या लाभ सीधे लाभार्थियों के बैंक खाते में भेजी जाती है। इस तरह के ट्रांसफर सिस्टम में बिचौलियों की भूमिका कम होती है और लीकेज की संभावना घटती है। सार्वजनिक खरीद-क्रय के लिए केंद्र सरकार ने जीईएम पोर्टल लॉन्च किया है, जिससे बोली लगाने, ऑक्शन प्रक्रिया और लेनदेन डिजिटल रूप से हो सकते हैं। जीईएम के माध्यम से ह्लइ-बिडिंगह्व और रिवर्स ऑक्शन जैसी प्रणालियां हैं, जिससे खरीद प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ी है। केंद्र सरकार के डेटा और ब्लूक्राफ्ट डिजिटल फाउंडेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार, डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर सिस्टम ने पिछले दशक में कुल 3.48 लाख करोड़ रूपए की बचत की है, जिसे लीकेज को रोकनेह्व वाला मुख्य कारक माना गया है।

आज का राशिफल

मेष आप अपने काम में ज्यादा ध्यान दें। किसी कारण आज आपको खुद पर कंट्रोल करना पड़ सकता है।	**तुला** आज का दिन के पहले हिस्से में फोन कॉल्स के जरिए कोई खुशखबरी मिल सकती है।
वृषभ आज दिन भर काफी बिजी शेड्यूल रहेगा। शाम तक अच्छी खबरें सुनने को मिलेंगी।	**वृश्चिक** आज मेहनत कुछ ज्यादा ही करनी होगी। शाम तक मुनाफे के कई मौके प्राप्त होंगे।
मिथुन दोपहर तक कोई टेलीफोन कॉल के जरिये किसी खास मामले की आपको जानकारी दे सकता है।	**धनु** आज टाइम अच्छा रहने वाला है। ऐसे में आपको इसका पूरा फायदा उठाना होगा।
कर्क दिन स्पेशल साबित होने वाला है। तरकीब पर काम करना काफी फायदे का सौदा रहेगा।	**मकर** किसी से अनबन न हो इस बात का ध्यान रखें। काम काज में आपकी स्थितियां बेहतर होंगी।
सिंह आज का दिन बहुत अच्छा बीतेगा। दिल में कोई बात या नया आइडिया हो तो फौरन आगे बढ़ें।	**कुंभ** टीमवर्क से काम करना होगा। मिलकर काम करने से अच्छे रिजल्ट देखने को मिलेंगे।
कन्या आज का दिन काफी बिजी रहने वाला है। दिमाग से किए गए काम से आपको फायदा होगा।	**मीन** आज का दिन काफी धीमा हो सकता है। धीरे-धीरे आगे बढ़ने से ही फायदा हो सकता है।

विशेष

ऊंची जातियों की सरकार?

बिहार में सरकार का गठन हो गया है। जिन मंत्रियों ने शपथ ली है। उनमें से एक तिहाई मंत्री ऊंची जातियों के हैं। चुनाव के पहले दलित पिछड़े और अल्पसंख्यक जातियों की बड़ी चर्चा हो रही थी। उनके वोट पाने के लिए तरह-तरह के उपाय किए जा रहे थे। चुनाव परिणाम आने के बाद दलित पिछड़े वर्ग और अल्पसंख्यक कहां चले गए, यह सरकार में खोजने से भी नहीं मिल रहे हैं। अब कहा जा रहा है, ऊंची जाति के नेता नेरेटिव चुनाव जीतने के लिए बनाते हैं। चुनाव के बाद का नेरेटिव अलग होता है। यही सरकारों का सच है।

चुनाव आयोग के 272 रखवाले

लोकसभा में 272 सांसदों से स्पष्ट बहुमत की सरकार बनती है। केंद्रीय चुनाव आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के पक्ष में 272 रखवालो ने हस्ताक्षर करके एक पत्र उनके बचाव में लिखा था। जिसमें राहुल गांधी को निशाने पर लिया था। जैसे ही यह पत्र सामने आया, उसके बाद रखवालो का पोस्टमार्टम शुरू हुआ। सभी 272 मे पूर्व न्यायमूर्ति नौकरशाह और सेना के अधिकारियों को सोशल मीडिया में जिस तरह की श्रद्धांजलि दी जा रही है।वह चर्चा का विषय बन गई है। अब कहा जा रहा है, ज्ञानेश कुमार इतने घबरा गए हैं। भाजपा को उनके लिए लड़ाई लड़नी पड़ रही है। 272 जिन लोगों ने हस्ताक्षर किए हैं। वह भाजपा से जुड़े पूर्व अधिकारी हैं। भाजपा ने जो दांव चला था। वह भाजपा और ज्ञानेश कुमार के लिए उल्टा पड़ गया। खोदा पहाड़ और निकली चुहिया की तरह यह सारा मामला टायं-टायं फिस्स हो गया।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1580: फ्रांस का छठवां धर्मयुद्ध समाप्त हुआ 1857 : आस्ट्रेलिया संसद की पहली बैठक मेलबोर्न में हुई। 1922: मिस्त्र में शाह तूतनखामेन का मकबरा जनता के लिए खोला गया। 1949: स्वतंत्र भारत के संविधान पर हस्ताक्षर हुए। 1960: कानपुर और लखनऊ के बीच एस.टी.डी. सेवा शुरू हुई। 1967: मध्य पुर्तगाल में बाढ़ से 250 व्यक्तियों की मौत हुई। 1970: बोलीविया के एक चित्रकार ने पादरी का वेश पहन कर पोप के ऊपर मनीला में हमला किया था। 1978: धार्मिक नेताओं और राजनीतिक दलों ने ईरान के शाह को हटाने के लिए आम हड़ताल का आह्वान किया। 1980: इटली में भूकंप से तीन हजार से अधिक लोग मारे गए। 1989: उरुग्वे में विपक्षई नेता लुई अल्बर्टो लाकाले राष्ट्रपति चुने गए। 2005: भाजपा ने मध्यप्रदेश का नया मुख्यमंत्री शिवराज चौहान को बनाया।

दैनिक पंचांग

26 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	धनु	07.56 बजे से
चंद्र	मकर में	मकर	10.01 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	कुंभ	11.48 बजे से
बुध	तुला में	मीन	13.21 बजे से
गुरु	कर्क में	मेष	14.51 बजे से
शुक्र	तुला में	वृष	16.31 बजे से
शनि	मीन में	मिथुन	18.29 बजे से
राहु	कुंभ में	कर्क	20.43 बजे से
केतु	सिंह में	सिंह	22.59 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		कन्या	01.11 बजे से
		तुला	03.22 बजे से
		वृश्चिक	05.36 ब.से

बुधवार 2025 वर्ष का 330 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** मृगशीर्ष **पक्ष** शुक्ल **तिथि** षष्ठी 00.03 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** श्रवण 01.33 बजे रात्र को समाप्त। **योग** वृद्धि 12.42 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 11.34 बजे तदनन्तर तैतिल 00.03 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 5.7 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 20° 57' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872540 **जूलियन दिन** 2461005.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जमादि उस्सानी **तारीख** 04 **विशेष** सुब्रह्मण्य षष्ठी, चंपा षष्ठी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

हाथियों ने 7 दिनों में 4 जिलों की 250 एकड़ में तैयार धान रौंदी, 5 को कुचलकर मारा

रांची, एजेंसी। झारखंड में धान पकने का मौसम इस साल किसानों के लिए उम्मीदों के साथ-साथ एक बड़ी चिंता लेकर आया है। पकी फसल की सुगंध और भोजन के लालच में जंगली हाथियों के झुंड लगातार गांवों की ओर बढ़ रहे हैं, जिससे ग्रामीण इलाकों में दहशत का माहौल है। पिछले कुछ दिनों के हालात बेहद चिंताजनक हैं। गढ़वा, गुमला, सिमडेगा और गिरिडीह जिलों में हाथियों ने 250 एकड़ से अधिक तैयार धान की फसल को रौंद दिया है।

जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है। फसलों के विनाश के साथ-साथ, इन घटनाओं में अब तक पांच ग्रामीणों की जान चली गई हैं। कई लोग घायल हुए हैं। सैकड़ों गांवों के किसान रात-दिन अपनी फसलों की रखवाली में जुटे हुए हैं।

रात होते ही खेत-खलिहान पहुंच रहे हाथी : रात होते ही हाथियों के झुंड जंगल से निकलकर खेतों और खलिहानों तक पहुंच रहे हैं। ग्रामीण हाथियों को भगाने के लिए टीन पीटते हैं और पटाखे फोड़ते हैं, लेकिन कई बार हाथियों की बड़ी संख्या और ताकत के सामने उनके ये प्रयास बेअसर साबित हो रहे हैं। वन विभाग लगातार प्रयास कर रहा है, लेकिन विभाग भी यह स्वीकार करता है कि इस समस्या का कोई स्थायी समाधान अभी तक मौजूद नहीं है। हाथियों का झुंड हर साल नए इलाकों में प्रवेश कर रहा है, जिसके कारण इंसान और हाथी के बीच संघर्ष लगातार बढ़ रहा है।

जिलों में हाथियों का है आतंक

गढ़वा: चार प्रखंडों में 200 एकड़ फसल चौपट :

गढ़वा जिले के रंका, चिनिया, डंडई और धुरकी प्रखंडों में हाथियों का झुंड पिछले कई दिनों से सक्रिय है। रात होते ही ये झुंड खेतों में आकर धान की फसल रौंद रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार, अब तक लगभग 200 एकड़ फसल पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है।

सौभाग्य से इस बार मानव नुकसान की कोई खबर नहीं है, लेकिन व्यापक फसल नुकसान से बड़ी चिंता बनी हुई है। डीएफओ एविन बेन अब्राहम का कहना है कि हाथी भोजन की तलाश में गांवों की ओर आ रहे हैं, इसलिए ग्रामीणों को सतर्क रहने और विभाग को अलर्ट पर रहने की सलाह दी गई है।

गुमला: 14 एकड़ में उत्पात मचाया, 1 की मौत : गुमला में पिछले हफ्ते हाथियों ने भरनो में 3 एकड़, चैनपुर में 6 एकड़ और कामडारा में 5 एकड़ यानी कुल 14 एकड़ में तैयार धान को नष्ट कर दिया। इस दौरान, दीया महतो (55) नामक एक वृद्ध की हमले में मौत हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि हाथियों का झुंड अचानक गांव के पास आ गया था।

इसी दौरान दीया महतो चपेट में आ गए। डीएफओ अहमद बेलाल अनवर ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे हाथियों के झुंड के पास न जाएं, क्योंकि हाथियों का समूह अपने बच्चों की सुरक्षा के कारण आक्रामक हो जाता है।

सिमडेगा: धान बर्बाद, बुजुर्ग महिला की मौत : सिमडेगा में फसल के नुकसान का कोई आधिकारिक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है, लेकिन ग्रामीणों का दावा है कि टेटेडेगस, बोंसजोर, बानो और बोलांग समेत कई क्षेत्रों में सैकड़ों एकड़ धान चौपट हो चुका है। यहां 20 नवंबर को यमुना प्रधान (78) की हाथियों के हमले में मौत हो गई; वह जंगल में झाड़ू बनाने का सामान लेने गई थीं। रेंजर शंभु शरण चौधरी ने सलाह दी है कि हाथियों को गांवों से दूर रखने के लिए चारों ओर मिर्च और खैनी जलाएं। मशाल भी उन्हें दूर रखती है।

गिरिडीह: 15 गांव प्रभावित, 25 एकड़ फसल नष्ट : गिरिडीह जिले में पिछले हफ्ते हाथियों के दो बड़े झुंडों ने लगभग 15 गांवों में आतंक मचाया। इस दौरान 25 एकड़ फसल नष्ट कर दी गई। वहीं, तीन ग्रामीणों की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हुए हैं, जिनमें एक महिला शामिल है।

लोगों का आरोप है कि गांवों में रात की गश्त नहीं बढ़ाई गई और न ही हाथियों को भगाने के वैज्ञानिक तरीके अपनाए गए। डीएफओ मनोज तिवारी ने बताया कि अभी कोई स्थायी समाधान नहीं है। विभाग की टीम लगातार हाथियों को खदेड़ती है, पर वे फिर से लौट आते हैं।

संक्षिप्त समाचार

कोर्ट रोड में पेड़ से टकरायी बाइक, झरिया के युवक की मौत

धनबाद, एजेंसी। रविवार की अलसुबह दोनों बाइक से झरिया लौट रहे थे. कोर्ट रोड में सामने से आ रही तेज रफ्तार एक बाइक ने अचानक उन्हें चकमा दे दिया. इससे बाइक चला रहे गौतम पंडित ने नियंत्रण खो दिया. उनकी बाइक पेड़ से जा टकरायी. इस भीषण टक्कर में दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गये. धनबाद थाना पुलिस ने दोनों को उठाकर एंबुलेंस से एसएनएमएमसीएच भेजा. जहां जांच के बाद चिकित्सकों ने गौतम पंडित को मृत घोषित कर दिया. सूचना के बाद दोनों के परिजन एसएनएमएमसीएच पहुंच गये. गौतम पंडित की मौत की सूचना मिलने पर सभी का रो-रो कर बुरा हाल था. वहीं गंभीर रूप से घायल जोगिंदर को प्राथमिक उपचार करने के बाद परिजन उसे निजी अस्पताल ले गये. चिकित्सकों के अनुसार, उसके सिर और पैर में गंभीर चोट आयी है. दोनों युवकों के दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना पर जनता मजदूर संघ के नेता एसएनएमएमसीएच पहुंचे और पीड़ित परिजनों को ढाढ़स बंधाया.

जनगणना को लेकर झारखंड सरकार का बड़ा फैसला: प्रशासनिक क्षेत्राधिकार की सीमाओं में नहीं होगा परिवर्तन

रांची, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जनगणना अधिनियम, 1948 (केंद्रीय अधिनियम संख्या-37, सन 1948) के तहत जनगणना नियम के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत की जनगणना-2027 के लिए झारखंड राज्य की सभी प्रशासनिक इकाइयों को परिवर्तन नहीं किए जाने का निर्देश दिया है। इसमें जिला/अनुमंडल/प्रखंड/नगर निगम / नगर परिषद/नगर पंचायत/ छावनी परिषद /वार्ड/पंचायत/ग्राम आदि के प्रशासनिक क्षेत्राधिकार की सीमाओं में दिनांक-01.01.2026 से 31.03.2027 तक किसी भी प्रकार का परिवर्तन नहीं किए जाने का निर्देश दिया है। स्पष्ट है कि इन प्रशासनिक इकाइयों में कुछ जोड़ने और कुछ कुछ कम करने की कवायद नहीं की जा सकेगी। साथ ही मुख्यमंत्री ने क्षेत्राधिकार की सीमाओं में 31.12.2025 तक हुए परिवर्तनों से संबंधित सूचना एवं वांछित अधिसूचना निदेशक जनगणना कार्य निदेशालय, झारखंड, रांची को अग्रसारित किए जाने का निर्देश दिया है।

झारखंड की पहली इलेक्ट्रिक बस धनबाद से होगी शुरू, कोयला मंत्री जी के रेड्डी दिखाएंगे हरी झंडी

धनबाद, एजेंसी। केंद्रीय कोयला व खान मंत्री जी किशन रेड्डी पूरी टीम के साथ 27 नवंबर को धनबाद बीसीसीएल पहुंच रहे हैं। वह यहां के बेलगड़िया में 28 नवंबर को झारखंड की पहली इलेक्ट्रिक बस को हरी झंडी दिखाएंगे। विस्थापितों के लिए बीसीसीएल की ओर से बेलगड़िया को दो इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसमें करीब 2.5 करोड़ रुपये खर्च किए गए। दिल्ली से बस धनबाद पहुंच रही है। दिल्ली में सफल परिचालन के बाद धनबाद में भी इसका प्रयोग किया जा रहा है। मंत्री के साथ कोयला सचिव विक्रम दत्त, कोल इंडिया चेयरमैन सनोज कुमार झा सहित मंत्रालय, कोल इंडिया के अधिकारी मौजूद रहेंगे। कोयला मंत्री तीन दिवसीय दौरे पर यहां पहुंच रहे हैं। पीएमओ ने झरिया पुनर्वास के त्वरित क्रियान्वयन का निर्देश कोयला मंत्रालय को दिया है। मंत्री बीसीसीएल एवं झरिया पुनर्वास व विकास प्राधिकार (जेआरडीए) के अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। साथ ही प्रभावित इलाकों का भ्रमण करेंगे। कोयला मंत्री का धनबाद दौरा कई मायनों में महत्वपूर्ण है। मालूम हो कि केंद्रीय कैबिनेट ने झरिया पुनर्वास के लिए 5,940 करोड़ रुपये के संशोधित झरिया मास्टर प्लान को इसी वर्ष जून महीने में स्वीकृति दी है। हाल के दिनों में कई तरह के मामले कोयला मंत्रालय तक पहुंचे हैं। उन मामलों को भी टीम अपने स्तर से देखेगी।

गोमो में ज्वेलर्स दुकान संचालक से दो लाख की ज्वेलरी छीनी

धनबाद, एजेंसी। तोपचांची थाना क्षेत्र के गोमो गुरुद्वारा के पास ज्वेलरी दुकानदार लखन स्वर्णकार से सोमवार की रात करीब साढ़ सात बजे बाइक पर सवार दो नकाबपोश अपराधियों ने दो लाख की ज्वेलरी से भरा थैला छीन लिया. घटना के बाद अपराधी बाइक को तेज कर फरार हो गये. इस घटना से व्यवसायियों और लोगों में दहशत व्याप्त है. तोपचांची पुलिस अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है. इस संबंध में तोपचांची के थानेदार सह इंस्पेक्टर अजीत भारती ने बताया कि घटना की सूचना मिली है. छापेमारी की जा रही है. थाना में अब तक कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है.भुक्तभोगी लखन स्वर्णकार ने पुलिस को बताया कि वह गोमो गुरुद्वारा के समीप अपनी दुकान (लखन ज्वेलर्स) बंद कर घर जा रहे थे. हाथ में थैला था, जिसमें एक किलो चांदी के सामान, सोने का झुमका, लॉकेट आदि थे, जिसकी अनुमानित मूल्य लगभग दो लाख है. जैसे ही दुकान से निकला, एक युवक सड़क पर बाइक लेकर खड़ा था.

आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत दो दिनों में आएं 2.31 लाख आवेदन, 65 हजार का निष्पादन

रांची, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर पूरे राज्य में शुरू आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के तहत कैंपों में नियमित तौर पर भीड़ उमड़ रही है।सरकार ने जिन 16 प्राथमिकता वाली योजनाओं के आंकड़े जुटाए हैं उनके अनुसार आय प्रमाणपत्र और जाति प्रमाणपत्रों से संबंधित सर्वाधिक आवेदन निष्पादित हुए हैं। दो दिनों में इन दोनों योजनाओं में क्रमशः 51.99 प्रतिशत और 49.69 प्रतिशत मामलों का निष्पादन कर दिया गया है।

अबुआ आवास योजना के लिए मात्र एक आवेदन मिला है जिसकी अभी जांच चल रही है। यही कारण है कि इस मामले में उपलब्धि अभी शून्य दिख रहा है। मंत्रिमंडल निगरानी एवं समन्वय विभाग इन योजनाओं को लेकर जिला वार और योजनावार रिपोर्ट तैयार करा रहा है।

विभिन्न विभागों से मिल रही जानकारी के अनुसार, आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के तहत दो दिनों में 2.31 लाख आवेदन सरकार का मिल चुके हैं। इनमें से 65 हजार मामलों का त्वरित निष्पादन कर दिया गया है।

समेकित तौर पर सभी जिलों को मिलाकर 28.07 प्रतिशत मामलों का निष्पादन कर दिया गया है। इसके अलावा 1.66 लाख आवेदन अभी पेंडिंग हैं। इनकी जांच के उपरांत फैसला लिया जाएगा। राज्य में सर्वाधिक 22692 आवेदन लातेहार लातेहार जिला में प्राप्त हुए हैं।

इसके बाद रांची जिला में 19776 आवेदन मिले हैं। हजारीबाग में 17299 आवेदन तो गिरिडीह में लगे कैंपों में 16792 आवेदन प्राप्त हुए हैं। जामताड़ा में आवेदन तो कम प्राप्त हुए हैं लेकिन निष्पादन का अनुपात अधिक है। इस जिले में कुल 1663 आवेदनों में से 1003 का निष्पादन किया जा चुका है, 18 मामले रिजेक्ट कर दिए गए हैं तो 642 पेंडिंग हैं।

राजधानी को सुंदर बनाने में बर्बाद हो गए करोड़ों रुपये, नाइट मार्केट की योजना भी हो गई फेल

रांची, एजेंसी। पिछले 10 साल से राजधानी को संवारने के लिए कई योजनाएं बनीं और धरातल पर उतारने की पहल की गई, लेकिन उन योजनाओं का क्रियान्वयन शुरू होने से पहले जमीन अधिग्रहण, बेहतर प्लानिंग व निर्मित संरचनाओं के संचालन की व्यवस्था नहीं की गई।

नतीजतन उन योजनाओं को आनन-फानन में शुरू कर दिया गया और करोड़ों रुपये बर्बाद हो गए। हम बात कर रहे हैं उन चार स्मार्ट रोड की, मोरहाबादी मैदान में बनाए गए टाइम्स स्क्वायर व नाइट मार्केट समेत कांके में अधूरा पड़ा अर्बन हाट की योजना की।

झारखंड अब युवा हो चुका है, फिर भी राजधानी का विकास उस दृष्टिकोण से नहीं हो सका, जो होना चाहिए था। अब एक बार फिर बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से हिनू चौक होते हुए बिरसा चौक तक सिक्स लेन सड़क का निर्माण कराने की योजना बनी है, जबकि पूर्व में स्मार्ट रोड नंबर-1 के निर्माण के दौरान डक्ट व स्टार्म वाटर ड्रेन के लिए सड़क के एक ओर ही जमीन मिल पाई थी।

आर्मी के अधिकारियों ने बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से बिरसा चौक तक सड़क के एक ओर की जमीन देने से इन्कार कर दिया था। इसी प्रकार, बिरसा चौक से राजभवन तक वाया किशोरगंज स्मार्ट रोड नंबर-2 के निर्माण के दौरान एचईसी प्रबंधन ने साइट-5 के पास जमीन देने पर सहमति प्रदान कर दी थी, लेकिन रेलवे की ओर से अडंगा लगा दिया गया।

अरगोड़ा चौक से हरमू चौक की ओर स्मार्ट डक्ट व स्टार्म वाटर ड्रेन का निर्माण कार्य शुरू किया गया था। स्मार्ट रोड नंबर-3 के तहत (राजभवन से सर्कुलर रोड होते हुए कांटाटोली चौक तक) डंगरा टोली के समीप डक्ट व स्टार्म वाटर ड्रेन के लिए खोदाई का काम शुरू किया गया था।

कई महीनों तक काम बंद रहा। फिर अचानक गड्ढों को बालू से भरवा दिया गया। इन चार स्मार्ट रोड का निर्माण सपना ही रह गया।

राज्यकर्मियों के बीमा योजना लाभ में मिल रही शिकायत, स्पीकर रबीन्द्रनाथ महतो ने बैठक कर दिए ये निर्देश

रांची, एजेंसी। राज्यकर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना को लेकर मिल रही शिकायत के बाद आज सोमवार को विधानसभाध्यक्ष रबीन्द्रनाथ महतो ने बैठक की. जिसमें स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग और मंत्रिमंडल सचिवालय एवं समन्वय विभाग के अधिकारी शामिल रहे.

इस मौके पर राज्यकर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना के लागू होने के बाद चिकित्सा सुविधा में आ रही कठिनाइयों के संबंध में खुलकर चर्चा हुई. बैठक में विधायक और पूर्व विधायकों को चिकित्सा खर्च की राशि के संबंध में विमर्श किया गया. बैठक में बीमा योजना से आच्छादित होने के लिए योजना के तहत पंजीयन एवं निर्धारित प्रीमियम की राशि का भुगतान में स्पष्टता के अभाव के संबंध में भी विभाग को अवगत कराया गया.

प्रदीप यादव एवं अन्य सदस्यों ने की थी शिकायत : स्पीकर कक्ष में हुई इस बैठक में 01.03.2025 के बाद जिन विधायक और पूर्व विधायक द्वारा चिकित्सा सुविधा ली गई है, उनके चिकित्सा व्यय के भुगतान में आ रही कठिनाइयों को भी रखा गया. विधानसभाध्यक्ष ने कहा कि कई कर्मियों के इलाज के क्रम में यह संज्ञान में आया है कि बीमा कंपनियों द्वारा अलग-अलग बीमारियों के लिए अलग-अलग व्यय की सीमा निर्धारित की गई है. बीमित राशि के अंतर्गत भी बेहतर इलाज के लिए विकल्प का चुनाव करने पर अगर व्यय की स्थिति, बीमा कंपनी की कैपिंग से अधिक होती है, तो बीमा कम्पनी द्वारा व्यय का वहन नहीं किया जाता है.

इस स्थिति में संबंधित बीमार व्यक्ति या उनके परिजन को तत्काल खर्च करना पड़ता है ताकि इलाज प्रारंभ हो सके. इस तरह अचानक व्यय का भार से सही ईलाज में बाधा उत्पन्न हो सकती है. क्योंकि बड़ी राशि का तत्काल प्रबंध कर पाना एक बड़ी समस्या है. बता दें कि कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव के अलावा कई पूर्व सदस्यों ने विधानसभा अध्यक्ष से लिखित शिकायत की थी. इस बैठक में विधानसभा अध्यक्ष ने अधिकारियों से समस्या का निराकरण के निर्देश दिए हैं.

कैमरून में फंसे हजारीबाग-गिरिडीह के 5 मजदूर, सरकार से लगाई मदद की गुहार

विष्णुगढ़ (हजारीबाग), एजेंसी। झारखंड के प्रवासी श्रमिकों के एक बार फिर विदेश में फंसने का मामला सामने आया है। हजारीबाग जिले के विष्णुगढ़ के ऊंचाघना निवासी सुनील महतो, सुकर महतो, करगालो के चंद्रशेखर कुमार, डीलों महतो तथा गिरिडीह जिले के डुमरी निवासी दिलचंद महतो अफ्रीका के कैमरून में फंसे हुए हैं।

श्रमिकों का आरोप है कि जिस कंपनी में वे काम कर रहे हैं, वहां उन्हें काम के बदले मजदूरी का भुगतान नहीं किया जा रहा है, जिसके कारण उन्हें रहने और खाने-पीने में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

फंसे हुए श्रमिकों ने एक वीडियो जारी कर अपनी व्यथा बताई और जल्द से जल्द भारत वापस लाने की अपील की है। प्रवासी श्रमिकों के हित में काम करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता सिकंदर अली ने केंद्र और राज्य सरकार से इन सभी श्रमिकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि यह पहला मामला नहीं है, इससे पहले भी कई प्रवासी श्रमिक अधिक कमाई के लालच में विदेश जाकर फंस चुके हैं और कड़ी मशक्कत के बाद उनकी घर वापसी हो पाई थी।

उन्होंने यह भी बताया कि हाल ही में सरकार के प्रयास से ट्यूनीशिया में फंसे 48 श्रमिकों की स्वदेश वापसी कराई गई थी, लेकिन इसके बावजूद श्रमिक पिछली घटनाओं से सबक नहीं ले रहे हैं।

रांगामाटी से सक्रिय अपराधी गिरफ्तार:चोरी की तीन बाइक, टोटो और मोबाइल फोन बरामद

धनबाद, एजेंसी। बलियापुर पुलिस ने रांगामाटी क्षेत्र में रात्रि गश्त के दौरान चोरी के वाहनों से जुड़े एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि रांगामाटी निवासी एक सक्रिय अपराधी चोरी की बाइक के साथ आरएम-4 की ओर गया है। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने रासुघूटू बस्ती, रांगामाटी से राज गोराई (19) को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर तीन चोरी की मोटरसाइकिलें, एक बिना नंबर का टोटो और एक चोरी का मोबाइल फोन बरामद किया गया। यह सभी सामान चोरी का बताया जा रहा है।

बाइक चोरी करता था और उन्हें सस्ते दामों पर बेच देता था

पूछताछ के दौरान, आरोपी राज गोराई ने स्वीकार किया कि वह अपने साथियों के साथ मिलकर धनबाद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से बाइक चोरी करता था और उन्हें सस्ते दामों पर बेच देता था।

उसने यह भी बताया कि 29 अक्टूबर 2025 को बलियापुर थाना क्षेत्र में रोजगार सेवक संजय साह के साथ हुई छिनतई की घटना में भी वह शामिल था। उस घटना में प्रयुक्त बाइक धनसार क्षेत्र से चोरी की गई थी।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी का आपराधिक इतिहास रहा है और वह 2021 से 2024 तक के कई पुराने मामलों में भी संलिप्त रहा है। बरामदगी के आधार पर बलियापुर थाना में कांड संख्या 278/2025 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2), 317(2), 317(5) और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

'सब्जी वाले डॉक्टर' के नाम से मशहूर नागेंद्र सिंह का निधन, गरीबों का फ्री में करते थे इलाज

जमशेदपुर, एजेंसी। धरती के भगवान कहे जाने वाले मरीजों के मसीहा प्रसिद्ध सर्जन व मानगो स्थित गंगा मेमोरियल अस्पताल के संचालक डा. नागेंद्र सिंह का अचानक रविवार को तबीयत खराब हो गई। उन्हें सर्दी खांसी होने के बाद सांस लेने में दिक्कत होने लगी।

पत्नी रंजू सिंह से परामर्श करने के बाद डॉ. नागेंद्र सिंह को बेहतर इलाज के लिए रविवार की देर रात करीब तीन बजे एयर एंबुलेंस से दिल्ली स्थित अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था।

मंगलवार सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन का समाचार प्राप्त होने पर शहर में शोक व्याप्त है। आइएमए, राजनीतिक दल, समाजसेवी संगठनों ने उनके निधन पर गहरा शोक जताते हुए डा. नागेंद्र सिंह के निधन को अपूरणीय क्षति बताया है। डॉ. नागेंद्र सिंह जमशेदपुर के एक ऐसे सर्जन थे, जो जरूरतमंद और गरीब मरीजों का फ्री इलाज करते थे। अपनी मां की याद में गंगा मेमोरियल अस्पताल की स्थापना करने वाले डॉ. नागेंद्र सिंह बीते 32 वर्षों से मुफ्त सर्जरी और इलाज के माध्यम से गरीबों की सेवा कर रहे थे, जिसके कारण लोग उन्हें 'धरती का भगवान' कहते हैं।

उन्होंने अब तक हजारों मुफ्त सर्जरी की हैं और कई बार मरीजों को घर पहुंचाने की व्यवस्था भी की है। हर साल, वह अपनी मां की याद में दो महीने का मुफ्त सर्जरी शिविर आयोजित करते थे।

ग्रामीण मरीज डॉ. नागेंद्र सिंह को सब्जी वाले डॉक्टर के रूप में भी जानते हैं। डॉ. नागेंद्र सिंह ने कई बार इसकी चर्चा की थी। कई बार लोग बिना पैसा का ही इलाज कराकर चले जाते थे। बाद में वह इलाज के बदले सब्जी लेकर आ जाते थे।

झारखंड में 30 नवंबर तक छाए रहेंगे बादल आसमान साफ होने के बाद बढ़ेगी ठंड

रांची, एजेंसी। झारखंड में 30 नवंबर तक बादल छाए रहेंगे। इसके बाद आसमान साफ होने के बाद तापमान में तीन से चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट आएगी, जिससे कनकनी में वृद्धि होगी। यह जानकारी मौसम विभाग ने सोमवार को दी। मौसम विभाग के अनुसार, सुबह और रात में कुहासा छाया रहेगा, जबकि दिन में आंशिक बादल छाए रहेंगे।

बादल जाने से अधिकतम तापमान में आशिक गिरावट दर्ज की गई है, जबकि न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री की वृद्धि दर्ज की गई है। सोमवार को राजधानी रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से आसमान में आंशिक बादल छाये रहे। बादल छाने के कारण दिन में भी लोगों को ठंड का एहसास हुआ, जबकि रात में अपेक्षाकृत ठंड में कमी महसूस होगी। पिछले 24 घंटों दौरान में राज्य में सबसे अधिक तापमान 29.8 डिग्री चाईबासा में और सबसे कम तापमान में गुमला में 10.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

सोमवार को रांची का अधिकतम तापमान 25.9 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 12.6 डिग्री सेल्सियस, जमशेदपुर का अधिकतम तापमान 29.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 12.6 डिग्री सेल्सियस, डाल्टनगंज का अधिकतम तापमान 28.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री सेल्सियस, बोकारो में अधिकतम तापमान 25.6 डिग्री और 13.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि चाईबासा में अधिकतम तापमान 29.8 डिग्री और 14.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों देश के उत्तरी दिशा से आ रही ठंडी हवाओं के कारण झारखंड के विभिन्न जिलों में शीतलहर चली थी, लेकिन इसके बाद बादल छाने के कारण न्यूनतम तापमान में वृद्धि दर्ज की गई।

लंदन से 17 गुना बड़ा सऊदी का सिंदलाह द्वीप, यहां का वॉटर स्पोर्ट्स सबसे खास

दुनिया में कच्चे तेल और आलीशान जिंदगी के लिए मशहूर सऊदी अरब ने अपने पहले नियोजित मेगा सिटी नियोम के पहले हिस्से सिंदलाह द्वीप को आम लोगों के लिए खोल दिया है। यह द्वीप 8 लाख 40 हजार वर्ग मीटर में फैला हुआ है। मेगासिटी का पहला हिस्सा अल्ट्रालक्स द्वीप रिजॉर्ट के साथ खुला है। इस शानदार द्वीप को इतावली स्टूडियो लुका दीनों डिजाइन एंड आर्किटेक्बर द्वारा डिजाइन किया गया है। 30 हजार मजदूरों की मदद से इस द्वीप को बनाया गया है। यह स्मार्ट सिटी लंदन के आकार से लगभग 17 गुना बड़ी है। प्रोजेक्ट को लगभग 500 अरब डॉलर की कीमत से तैयार किया जा रहा है। सऊदी सरकार की इस परियोजना के पीछे मोहम्मद बिन सलमान का मकसद देश की अर्थव्यवस्था को निर्भरता को तेल से हटाने की है। सिंदलाह को 2028 तक प्रतिदिन 2,400 आगंतुकों की मेजबानी करने की उम्मीद है। नियोम प्रोजेक्ट को 2017 में क्राउन प्रिंस बिन सलमान द्वारा लॉन्च किया गया था।

द्वीप पर दुकानें और क्लब भी

इस द्वीप पर 3 आलीशान होटल है। इसके अलावा सिंडाला में पॉट क्लब भी शामिल है। साथ ही लोगों को खरीदारी करने के लिए दुकानें भी है। इस द्वीप पर 440 कमरे, 88 बिल्ला और 200 से अधिक सर्विस्ड अपार्टमेंट हैं। पर्यटक कयाकिंग, वॉटर स्कीइंग और स्कूबा डाइविंग का आनंद ले सकते हैं। यहां के निले का एक दिन का किराया 4.5 लाख रुपए है।

प्राकृतिक ऊर्जा का इस्तेमाल

निओम को द लाइन प्रोजेक्ट के लिए जाना जाता है। इस प्रोजेक्ट के तहत 170 किलोमीटर तक लंबी इमारतें होंगी। यह दुनिया का पहला शहर होगा, जो पूर्ण रूप से 100 फीसदी प्राकृतिक ऊनी से संचालित होगा। शहर के सभी इलेक्ट्रिकल उपकरण सोलर, विंड और हाइ?ड्रोजन एनर्जी से चलाए जाएंगे। प्रोजेक्ट में शहर की 95 फीसदी भूमि को प्रकृति के लिए संरक्षित किया जाएगा।

एशियाई शीतकालीन खेलों की मेजबानी करेगा सऊदी अरब

सऊदी अरब के चारों और रेगिस्तान है। हालांकि सऊदी अरब शीतकालीन खेल केंद्र बनने की योजना है। आने वाले वर्षों में इस प्रोजेक्ट के तहत ट्रोजेना रिसॉर्ट बैल डी इसेरे, वर्बियर और जमेंट जैसे भव्य स्की रिसॉर्टर्स बनाए जाएंगे। ट्रोजेना 2029 एशियाई शीतकालीन खेलों की मेजबानी करेगा। ट्रोजेना दुनिया का पहला वर्टिकल विलेज होगा, जो लगभग 36 किलोमीटर में फैला होगा। इसे स्वरावत पहाड़ों में बनाया जाएगा। यह क्षेत्र बाकी क्षेत्र की तुलना में औसतन 10 डिग्री सेल्सियस ठंडा है।

300 साल से चल रहा है दुनिया का सबसे पुराना डाकघर

क्या आप जानते हैं कि मंगोलिया में डाकघरों की संख्या कम होने के कारण वहां डाकिए पैदल, घोड़े या ऊँट की सवारी करके सुदूर इलाकों में डाक पहुंचाते हैं। यह दुनिया की सबसे कठिन डाक सेवा में से एक मानी जाती है। वहीं, नामीबिया में वाल्केन पोस्ट ऑफिस 600 साल पुराने बाओबाब वृक्ष के अंदर स्थित था और 1990 तक चालू स्थिति में था। भूटान में एक सोलर पोस्ट ऑफिस है, जो पर्यावरण अनुकूल डाक सेवाओं के लिए एक मिसाल है।

आज हमारे पास संचार के कई माध्यम हैं..मोबाइल फोन, ईमेल, सोशल मीडिया, वीडियो कॉल, वाट्सअप आदि। इनके ज़रिए हम तेज गति और आसानी से किसी से भी संपर्क कर सकते हैं। बावजूद इसके, इनमें वो मिठास और आत्मीयता नहीं हो जो हाथ से लिखी चिट्ठी में होती है। चिट्ठी सिर्फ हाथ से लिखा एक संदेश भर नहीं है, बल्कि एक अहसास है। जब हम किसी को खत लिखते हैं तो हर शब्द को सोच-समझकर चुनते हैं। इसमें हम अपने जज्बातों को खुलकर और विस्तार से ज़ाहिर कर सकते हैं। आपके हाथ से लिखे शब्दों की महक जब सामने वाले तर पहुंचती है, तो वो भी उनकी खूशबू से भीग जाता है। यही वजह है कि लोग सालोंसाल अपने प्रियजनों की चिट्ठियां संभालकर रखते हैं।

दुनिया के अनोखे डाकघर

आज के डिजिटल युग में जहां सब कुछ क्षणिक और व्यस्तताओं से भरा है, सुकून इस बात का है कि अब भी डाकघर बंद नहीं हुए हैं। अब भी कुछ लोग हैं जो खत लिखते हैं। अब भी पोस्ट ऑफिस में लोग जाते हैं। और जब बात हो रही है पोस्ट ऑफिस की तो आज हम आपको दुनिया के कुछ अनोखे और खास डाकघर के बारे में बताने जा रहे हैं।

हिम्मी डाकघर, चीन

यह दुनिया में सबसे ऊंचाई पर स्थित डाकघर है, जो 5,300 मीटर (17,388 फीट) की ऊंचाई पर तिब्बत पठार में स्थित है। यह डाकघर विशेष रूप से यात्रियों और पर्वतारोहियों के लिए आकर्षण का केंद्र है।

सबसे पुराना डाकघर, स्कॉटलैंड →

स्कॉटलैंड के छोटे से गांव Sanquhar में स्थित है दुनिया का सबसे पुराना डाकघर, जो वर्ष 1712 से लगातार चालू है। 18वीं शताब्दी में यह पोस्ट ऑफिस लंदन और एडिनबर्ग के बीच पत्र और दस्तावेजों के आदान-प्रदान के लिए स्थापित किया गया था। यह तब से लगातार चालू है, यानी इसे 300 से अधिक वर्षों से इस्तेमाल किया जा रहा है।

अंडरवाटर डाकघर, वानुआतु

वानुआतु के हिदेन आइलैंड पर स्थित यह दुनिया का पहला और इकलौता पानी के अंदर बना हुआ डाकघर है। इसे समुद्र में लगभग 3 मीटर (10 फीट) गहराई में स्थापित किया गया है। यहां वाटर प्रूफ पोस्टकार्ड भेजे जा सकते हैं, जिन्हें विशेष रूप से तैयार किया गया है।

पोर्ट लॉकरॉय डाकघर

इसे पेंगुइन पोस्ट ऑफिस भी कहा जाता है क्योंकि यह हजारों पेंगुइनों के बीच स्थित है। पर्यटकों के लिए ये बेहद आकर्षण का केंद्र है और वे यहां से दुनिया के किसी भी हिस्से में पत्र भेज सकते हैं। यह ब्रिटिश अंटार्कटिक सर्वे के अधीन आता है और सर्दियों के दौरान बंद रहता है।

फ्लोटिंग पोस्ट ऑफिस, भारत

शुरुआत करते हैं भारत से। जम्मू-कश्मीर की डल झील (श्रीनगर) में दुनिया का इकलौता तैरता हुआ डाकघर है। इसे 2011 में स्थापित किया गया था और यह पानी में एक नाव पर बना हुआ है। ये डाकघर पर्यटकों के लिए एक आकर्षण का केंद्र रहता है।

सबसे छोटा डाकघर, अमेरिका

फ्लोरिडा के ओचोपी में दुनिया का सबसे छोटा डाकघर स्थिति है। इसका आकार सिर्फ 56 वर्ग फुट (5.2 वर्ग मीटर) है और यह पहले एक सिंचाई उपकरण स्टोररूम था। 1953 में एक आग लगने से स्थानीय डाकघर जल गया, जिसके बाद इस छोटे से स्टोररूम को डाकघर में बदल दिया गया।

जानवर को किस रंग में दिखाई पड़ती है दुनिया

रंगों का हम सभी के जीवन में बहुत ज्यादा महत्व है। चाहे इंसान हो या जानवर सभी के लिए रंग की एक अलग प्रकाष्ठा होती है। इस दुनिया में हम अलग-अलग रंगों को देखते हैं, जिससे मन और दिमाग को अलग फील होता है। वहीं, अगर हम बात करें जानवरों की तो वह अलग-अलग रंगों का अनुभव नहीं कर पाते हैं। लेकिन सभी एक निश्चित रंग को देख पाते हैं। कुछ जानवर ऐसे भी होते हैं, जिन्हें कोई एक पार्टिकुलर रंग नहीं नजर आता है। इसके बहुत सारे कारण होते हैं।

कलर विजन

जानवरों में कलर विजन का लेवल शंकु की मौजूदगी और प्रकार पर पूरी तरह से डिपेंड करता है तो चलिए हम आपको उन रंगों के बारे में बताएंगे, जिन्हें अलग-अलग जानवर नहीं देख पाते हैं। सभी में रंगों के देखने की शक्ति और अनुभव विभिन्न होता है।

जानवरों में दो तरह के शंकु

सबसे पहले हम बात करते हैं, बिल्ली और कुत्ते की, तो इन जानवरों में दो तरह के शंकु होते हैं। इसलिए यह नीले और हरे रंग की रोशनी को महसूस कर पाते हैं। वहीं गाय की बात करें, तो उन्हें पीला और नीला रंग ही नजर आता है, लेकिन वह लाल रंग नहीं देख सकती। अब बात करते हैं भैंस की, तो यह लाल और भूरे रंग के अलावा कोई और रंग नहीं देख सकते। रंगों के अनुभव करने की लिस्ट में बैल भी शामिल है, जिन्हें लाल रंग बिल्कुल भी नजर नहीं आता है। इन्हें केवल हरा, नीला, वायलेट और पीला रंग दिखाई देता है।

जानें कारण

अब सवाल यह उठता है कि आखिर इन्हें लाल रंग क्यों नहीं दिखाई देता है, तो आपको बता दें कि मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, जानवरों में लाल रेटीना रिस्पेक्टर की कमी होती है। यह सबसे बड़ा कारण है कि जानवरों को लाल रंग नजर नहीं आता। हालांकि, बचपन में लगभग हर किसी को इस बात का डर होता था कि बैल के सामने यदि आप लाल रंग का कपड़ा पहले जाते है तो आपको सिंह से मार देंगे, लेकिन इस बात में जरा सी भी सच्चाई नहीं है। उन्हें लाल रंग का कुछ भी नजर नहीं आता है।

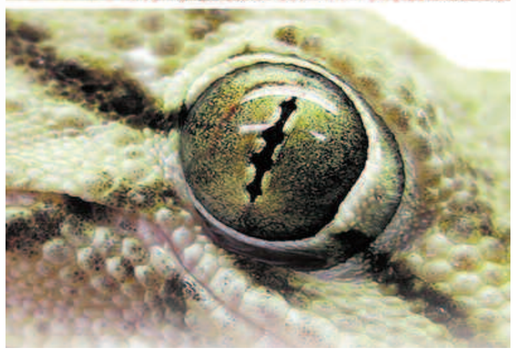

यह है भारत के 3 सबसे डरावने चर्च, दिन में भी जाने से कांप उठते हैं लोग

भारत में कई खूबसूरत और ऐतिहासिक चर्च हैं, जो अपनी अद्भुत वास्तुकला और धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध हैं। लेकिन इन चर्चों में कुछ ऐसे भी हैं, जिनकी डरावनी कहानियां सुनकर ही रूह कांप उठती है। कहा जाता है कि इन चर्चों में अजीबोगरीब घटनाएं होती हैं, जिनके चलते लोग दिन में भी यहां जाने से घबराते हैं। जैसे-जैसे क्रिसमस का त्यौहार नजदीक आता है वैसे-वैसे देश भर के गले-मोहल्ले में जगमगाती लाइटों से सजी दुकानें और पेड़-पौधे दिखाई देते हैं। लोग इस दिन चर्च में जाकर कैंडल जलाते हैं और प्रार्थना करते हैं।

भारत में कई ऐतिहासिक और खूबसूरत चर्च मौजूद है, जिनकी कहानियां भी अद्भुत है। कुछ चर्च ऐसे भी है, जिनकी अपनी डरावनी कहानियों के कारण वह दुनिया भर में प्रसिद्ध है। क्या आपने कभी इन चर्चों के बारे में सुना है, अगर नहीं तो आज हम आपको बताएंगे कि की वह चर्च कहां-कहां स्थित है। इन चर्चों में रात तो दूर, लोग दिन के उजाले में भी जाने से पहले कई बार सोचते हैं।

थ्री किंग्स चैपल चर्च

अगर भारत के सबसे डरावने चर्चों की बात की जाए तो गोवा में स्थित थ्री किंग्स चैपल चर्च का नाम सबसे पहले आता है। खूबसूरत समुद्र तट और ऐतिहासिक चर्चों के लिए मशहूर गोवा में यह चर्च अपने डरावने इतिहास के कारण जाना जाता है। इस चर्च से जुड़ी कहानी बताती है, कि यहां तीन पुर्तगाली राजाओं की मृत्यु हुई थी। बताया जाता है, कि सत्ता के लालच में एक राजा ने बाकी दो राजाओं को जहर देकर मार डाला था। लेकिन अपनी करतूत का भंडाफोड़ होता देख उसने खुद भी आत्महत्या कर ली थी। माना जाता है, कि तब से इन तीनों की आत्माएं चर्च के परिसर में भटकती रहती हैं।

सेंट जॉन द बैपटिस्ट

मुंबई में स्थित सेंट जॉन द बैपटिस्ट चर्च का नाम भारत के डरावने चर्चा में शामिल है। यह चर्च अपने डरावने किस्सों के कारण फेमस है। स्थानीय लोगों के अनुसार रात के समय यहां एक युवक और दुल्हन की चीख भरी आवाज सुनाई देती है। ऐसा कहा जाता है, कि इन दोनों ने पास के तालाब में कूदकर अपनी जान दे दी थी, तब से उन दोनों की आत्मा भटक रही है।

कदमत्तोम चर्च

कदमत्तोम चर्च केरल कैक प्रसिद्ध और रहस्यमय चर्च है, दक्षिण भारत की खूबसूरती के साथ यह चर्च अपनी डरावनी कहानियों के लिए भी जाना जाता है। स्थानीय लोगों के अनुसार इस रिसर्च में एक भिक्षु ने अपनी शक्तियों से एक मारते हुए बच्चे को बचा लिया था। जिस वजह से इस काले जादू का केंद्र माना जाने लगा था।

3 ट्रिलियन का आंकड़ा फिर से पार, क्रिप्टो निवेशकों की मौज

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिप्टोकरेंसी में फिर से तेजी आने लगी है। उतार-चढ़ाव के बावजूद लेकिन पिछले कुछ दिनों क्रिप्टो का मार्केट कैप बढ़ गया है। इसका मार्केट कैप अब फिर से 3 ट्रिलियन डॉलर यानी 3 लाख करोड़ डॉलर को पार कर दिया है। पिछली बार 3 ट्रिलियन मार्केट कैप का आंकड़ा 21 नवंबर को था। उसके बाद इसमें लगातार गिरावट आनी शुरू हो गई थी। पिछले महीने क्रिप्टो का मार्केट कैप करीब 4 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े के करीब पहुंच गया था। फिलहाल बिटकॉइन में गिरावट का आंकड़ा गिरा है तो वहीं पाई नेटवर्क को कुछ नुकसान होने लगा है।

कॉइनमार्केटकैप के अनुसार मंगलवार सुबह 11 बजे क्रिप्टोकरेंसी का मार्केट कैप 3.03 ट्रिलियन डॉलर था। वहीं 24 घंटे पहले इसका मार्केट कैप 2.98 ट्रिलियन डॉलर था। ऐसे में इसमें 24 घंटे में 0.05 ट्रिलियन डॉलर (करीब 4.45 लाख करोड़ रुपये) की तेजी आई है। वहीं पिछले 24 घंटे में अलग-अलग क्रिप्टोकरेंसी का रिटर्न मिलाजुला रहा है। ज्यादातर क्रिप्टो हरे निशान पर कारोबार कर रहे हैं। वहीं कुछ में अभी भी गिरावट बनी हुई है।

बिटकॉइन और पाई नेटवर्क का क्या हाल?

पिछले 24 घंटे में बिटकॉइन में कुछ तेजी आई है। मंगलवार सुबह 11 बजे बिटकॉइन करीब 0.80 प्रतिशत की तेजी के साथ करीब 88 हजार डॉलर पर कारोबार कर रही थी। पिछले 7 दिनों में इसमें आई गिरावट थमी है। हालांकि निवेशकों का नुकसान अभी भी बना हुआ है। 7 दिनों में बिटकॉइन 2 फीसदी से ज्यादा की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है।

वहीं पाई नेटवर्क कॉइन की स्थिति कुछ गड़बड़ होने लगी है। 24 घंटे में यह 1.74 प्रतिशत गिर गई है। इस गिरावट के साथ मंगलवार सुबह 11 बजे यह करीब 0.2380 डॉलर पर कारोबार कर रही थी। इसका पिछले 7 दिनों का रिटर्न भी कुछ कम हुआ है। 7 दिनों में यह निवेशकों को करीब 6 फीसदी रिटर्न दे चुकी है। मौजूदा गिरावट के बाद भी इसके पिछले कुछ समय का रिटर्न अच्छा रहा है।

किस क्रिप्टो ने दिया ज्यादा रिटर्न?

पिछले 24 घंटे में रिटर्न के मामले में एक क्रिप्टो ने अच्छी-अच्छी क्रिप्टोकरेंसी को पीछे छोड़ दिया है। इसका नाम कास्पा है। 24 घंटे में इसका रिटर्न 16 फीसदी से ज्यादा रहा है। मंगलवार सुबह 11 बजे यह क्रिप्टो 0.04813 डॉलर (करीब 4.29 रुपये) पर कारोबार कर रही थी।

अरबपतियों की लिस्ट में भारी उथल-पुथल, लैरी पेज बने दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी शेयर बाजारों में सोमवार को टेक शेयरों में आए तेजी के तूफान का असर अमेरिकी अरबपतियों के नेटवर्थ पर दिखा। टेक बिलेनियर्स पर डॉलर की ऐसी बारिश हुई की अरबपतियों की लिस्ट में उथल-पुथल मच

गई। दुनिया के अमीरों की लिस्ट में दूसरे स्थान पर लैरी पेज आ गए हैं। गूगल शेयर 6 प्रतिशत से अधिक उछलकर 318.57 के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गए। इसका फायदा लैरी पेज को मिला।जेफ बेजोस चौथे से पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं और वॉरेन बफे ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के टॉप-10 से बाहर हो गए हैं।

सोमवार को एक झटके में ही दुनिया के टॉप-10 अरबपतियों में से 9 की संपत्ति में करीब 65 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। ये सभी अरबपति अमेरिका के हैं और टेक बिजनेस से जुड़े हैं।

सबसे बड़ा फायदा एलन मस्क को- सबसे बड़ा फायदा एलन मस्क को हुआ। टेस्ला के शेयर में 6 फीसद से अधिक की उड़ान से उनकी संपत्ति एक ही दिन में 19.1 अरब डॉलर बढ़ गई। इस उछाल के साथ ही एक बार फिर मस्क इस साल के टॉप गेनर्स की लिस्ट में आ गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक अब उनकी दौलत 441 अरब डॉलर हो गई है।

6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी इकोनॉमी! इनकम टैक्स और जीएसटी कटौती से बूस्ट के आसार

नई दिल्ली, एजेंसी। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था के 6.5 प्रतिशत और अगले वित्त वर्ष 2026-27 में 6.7 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान व्यक्त किया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि टैक्स कटौती और मौद्रिक नीति में ढील से उपभोग आधारित वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। भारत का

वास्तविक जीडीपी चालू वित्त वर्ष की अप्रैल से जून अवधि में पांच तिमाहियों में सबसे तेज 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के जीडीपी वृद्धि अनुमानों के आधिकारिक आंकड़े 28 नवंबर को जारी होने वाले हैं। एसएंडपी ने अपनी 'इकोनॉमिक आउटलुक एशिया-पैसिफिक रिपोर्ट' में कहा, ''हमारा अनुमान है कि भारत की जीडीपी वित्त वर्ष 2025-26 (मार्च 2026 को समाप्त) में 6.5 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2026-27 में 6.7 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी, जिसमें जोखिम दोनों ओर संतुलित होंगे। अमेरिकी शुल्क के प्रभाव के बावजूद मजबूत खपत से प्रेरित घरेलू वृद्धि मजबूत बना हुई है।''

आयकर कटौती का है असर- एसएंडपी ने कहा, ''माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की कम दरें मध्यम वर्ग के उपभोग को बढ़ावा देंगी और इस वर्ष शुरू की गई आयकर कटौती एवं ब्याज दरों में कटौती का पूरक बनेंगी। इन बदलावों से चालू वित्त वर्ष और अगले वित्त वर्ष में निवेश की तुलना में उपभोग वृद्धि का एक बड़ा चालक बन सकता है।''

विदेशी सिम से 90 दिन में आईफोन-17 एक्टिव करने पर भारी जुर्माना; ग्रे मार्केट पर एपल का बड़ा शिकंजा

नई दिल्ली, एजेंसी। एपल के आधिकारिक वितरकों ने भारतीय मोबाइल फोन रिटेलरों को चेतावनी दी है। इसमें कहा है, अगर नए आईफोन, खासकर आईफोन-17 सीरीज को खरीद के 90 दिनों के भीतर विदेशी सब्सक्राइबर आइडेंटिटी मॉड्यूल (सिम) कार्ड से सक्रिय किए गए तो उन्हें भारी जुर्माना देना होगा। इसका उद्देश्य फोनों को अवैध रूप से ग्रे मार्केट में भेजने से रोकना है।

हालांकि जुर्माने की सटीक राशि स्पष्ट नहीं है। लेकिन एपल की नीतियों के अनुसार, ऐसे मामलों में खुदरा विक्रेता का स्टोर कोड ब्लॉक हो सकता है। इसका उद्देश्य रूस, अफ्रीका और मध्य पूर्व जैसे उच्च लाभ वाले बाजारों में आईफोन के निर्यात को रोकना है। इस ग्रे मार्केट के कारण भारत में आपूर्ति में कमी आ रही है। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय स्टोरों से आईफोन-17 मॉडल तेजी से गायब हो रहे हैं, क्योंकि खुदरा विक्रेता बड़ी मात्रा में विदेशी बाजारों में फोन भेज रहे हैं जहां लाभ मार्जिन अधिक है।

कुल आईफोन निर्यात का 3 से 5 प्रतिशत अनौपचारिक माध्यमों से आता है। इसका आधा हिस्सा रूस जाता है। यहां एपल ने यूक्रेन युद्ध के बाद परिचालन बंद कर दिया था। अकेले अक्तूबर में ही एपल का आईफोन निर्यात 1.6 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो भारत के कुल स्मार्टफोन निर्यात का एक-तिहाई है। इसके चलते भारत में आईफोन की भारी कमी हो गई है, खासकर 256जीबी और 512जीबी स्टोरेज वाले आईफोन-17 मॉडल्स की। एपल ने नए आईफोन-17 सीरीज पर कैशबैक ऑफर को पहले के 6,000 से घटाकर अब 1,000 रुपये कर दिया है। इससे खरीदारों के लिए फोन और महंगे हो गए हैं।

त्योहारी सीजन के ठीक बाद एपल ने कई मॉडलों की छूट में भारी कमी कर दी थी। इसका मतलब कि अब ग्राहकों को नए आईफोन के लिए अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी। फ्लिपकार्ट व अमेजन समेत ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही रिटेलर्स के पास सीमित स्टॉक है। कई स्टोर मालिकों ने पुष्टि की है कि बेस मॉडल या तो पूरी तरह बिक चुके हैं या बहुत कम संख्या में उपलब्ध हैं। ब्यूरोनई दिल्ली।

घरेलू भाव से ज्यादा है निर्यात मूल्य

सीईओ टिम कुक ने भी हाल में कहा था, भारी मांग के कारण कंपनी को कई मॉडल की कमी का सामना करना पड़ रहा है। भारत में आईफोन-17 की कीमत 82,900 रुपये है। लेकिन निर्यात मूल्य 88,500 रुपये तक पहुंच जाता है, जो अधिकतम खुदरा मूल्य से भी अधिक है। विदेश से आने वाले आईफोन अक्सर 4,000-5,000 रुपये मूल्य के अतिरिक्त सामान के साथ आते हैं। हालांकि, विदेशी ग्रे मार्केट में बदलाव सिर्फ एपल जैसी महंगी कंपनियों तक ही सीमित नहीं है। सैमसंग के कई गैलेक्सी डिवाइस भी गैर-प्राथमिकता वाले बाजारों में भी भेजे जाते

एपल के आधिकारिक वितरकों ने भारतीय मोबाइल फोन रिटेलरों को चेतावनी दी है। इसमें कहा है, अगर नए आईफोन, खासकर आईफोन-17 सीरीज को खरीद के 90 दिनों के भीतर विदेशी सब्सक्राइबर आइडेंटिटी मॉड्यूल (सिम) कार्ड से सक्रिय किए गए तो उन्हें भारी जुर्माना देना होगा। इसका उद्देश्य फोनों को अवैध रूप से ग्रे मार्केट में भेजने से रोकना है।

हालांकि जुर्माने की सटीक राशि स्पष्ट नहीं है। लेकिन एपल की नीतियों के अनुसार, ऐसे मामलों में खुदरा विक्रेता का स्टोर कोड ब्लॉक हो सकता है। इसका उद्देश्य रूस, अफ्रीका और मध्य पूर्व जैसे उच्च लाभ वाले बाजारों में आईफोन के निर्यात को रोकना है। इस ग्रे मार्केट के कारण भारत में आपूर्ति में कमी आ रही है। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय स्टोरों से आईफोन-17 मॉडल तेजी से गायब हो रहे हैं, क्योंकि खुदरा विक्रेता बड़ी मात्रा में विदेशी बाजारों में फोन भेज रहे हैं जहां लाभ मार्जिन अधिक है।

कुल आईफोन निर्यात का 3 से 5 प्रतिशत अनौपचारिक माध्यमों से आता है। इसका आधा हिस्सा रूस जाता है। यहां एपल ने यूक्रेन युद्ध के बाद परिचालन बंद कर दिया था। अकेले अक्तूबर में ही एपल का आईफोन निर्यात 1.6 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो भारत के कुल स्मार्टफोन निर्यात का एक-तिहाई है।

इसके चलते भारत में आईफोन की भारी कमी हो गई है, खासकर 256जीबी और 512जीबी स्टोरेज वाले आईफोन-17 मॉडल्स की। एपल ने नए आईफोन-17 सीरीज पर कैशबैक ऑफर को पहले के 6,000 से घटाकर अब 1,000 रुपये कर दिया है। इससे खरीदारों के लिए फोन और महंगे हो गए हैं। त्योहारी सीजन के ठीक बाद एपल ने कई मॉडलों की छूट में भारी कमी कर दी थी। इसका मतलब कि अब ग्राहकों को नए आईफोन के लिए अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी।

ज्वालामुखी की राख में छिपा है खजाना, एक मेटल ऐसी जिसकी कीमत सोने से दोगुनी

नई दिल्ली, एजेंसी। इथियोपिया के ज्वालामुखी हेली गुब्बी की राख भारत तक आ गई है। यह ज्वालामुखी 12 हजार साल बाद रविवार को अचानक फट गया था। इसकी राख लाल सागर पार करते हुए यमन और ओमान के बाद इथियोपिया से 4300 किमी दूर दिल्ली के आसमान पर भी छा गई है। ज्वालामुखी का गुबार देश के कई राज्यों के आसमान पर फैल गया है। इसे देखते हुए कई एयरलाइंस ने अपनी फ्लाइट्स रद्द कर दी हैं। ज्वालामुखी की राख जहां सेहत के लिए हानिकारक होती है तो वहीं इसमें खजाना छिपा होता है।

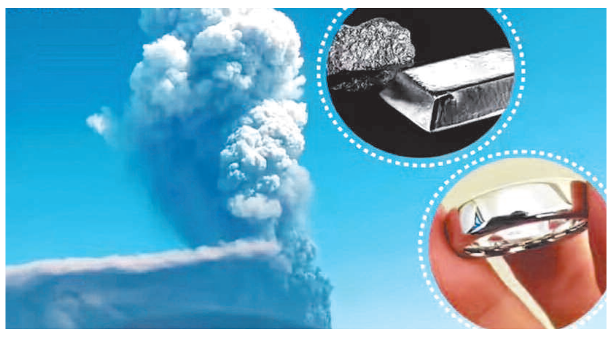

दरअसल, ज्वालामुखी की राख में कई महत्वपूर्ण खनिज होते हैं। वहीं इसमें एक धातु तो ऐसी है जिसकी कीमत सोने से दोगुनी है और धरती पर बहुत कम पाई जाती है। इसका नाम रोडियम है। ज्वालामुखी की राख में सोने और चांदी के साथ एल्यूमीनियम, आयरन, कॉपर, जिंक, निकिल आदि मेटल भी होती हैं। हालांकि ज्वालामुखी की राख में यह कोई भी मेटल मुक्त अवस्था में नहीं पाई जाती। लेकिन राख को प्रोसेस किया जाए तो इन मेटल का अलग किया जा सकता है।

ये मेटल छिपी हैं राख में

ज्वालामुखी की राख मुख्य रूप से सिलिकेट खनिजों से बनी होती है। इसमें कई तरह की मेटल पाई जाती है। इनमें आयरन, मैग्नीशियम, पोटेशियम, लेड, कैडमियम, आर्सेनिक, कॉपर आदि प्रमुख हैं। इनके अलावा इसमें सोने और चांदी की भी कुछ मात्रा मौजूद होती है। हालांकि राख में कौन सी धातु कितनी मात्रा में होगी, यह ज्वालामुखी की मैग्मा केमिस्ट्री और विस्फोट के प्रकार पर निर्भर करता है। ज्वालामुखी की राख में दुनिया की सबसे महंगी धातुओं में शामिल रोडियम भी पाई जाती है। हालांकि यह राख में विभिन्न मेटल के साथ मिली होती है जिसे अलग करना यानी प्रोसेस करना काफी मुश्किल भरा काम होता है। इसका इस्तेमाल ज्वेलरी बनाने और ज्वेलरी को चमकाने में भी किया जाता है।

आईपीओ खुलने से पहले ही 57 प्रतिशत पहुंच गया जीएमपी

- ग्रे मार्केट में दहाड़ रहा यह शेयर, पहले ही दिन कर सकता है मालामाल

नई दिल्ली, एजेंसी। एक और कंपनी का आईपीओ खुलने जा रहा है। यह कंपनी एक्साटो टेक्नोलॉजीज है। कंपनी का आईपीओ 28 नवंबर से दांव लगाने के लिए खुलेगा। आईपीओ लने से पहले ही एक्साटो टेक्नोलॉजीज के शेयर ग्रे मार्केट में दहाड़ रहे हैं। कंपनी के शेयर ग्रे मार्केट में अभी से 57 पर्सेंट से ज्यादा के प्रीमियम के साथ कारोबार कर रहे हैं। एक्साटो टेक्नोलॉजीज का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 2 दिसंबर तक खुला रहेगा। कंपनी के पब्लिक इश्यू का टोटल साइज 37.45 करोड़ रुपये तक का है।

एक्साटो टेक्नोलॉजीज के आईपीओ में शेयर का दाम 140 रुपये है। वहीं, ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयर 80 रुपये के प्रीमियम के साथ ट्रेड कर रहे हैं। अगर मौजूदा ग्रे मार्केट प्रीमियम के हिसाब से देखें तो एक्साटो टेक्नोलॉजीज के शेयर 220 रुपये पर बाजार में लिस्ट हो सकते हैं। कंपनी के शेयर शुक्रवार 5 दिसंबर 2025 को लिस्ट हो सकते हैं। एक्साटो टेक्नोलॉजीज के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के स्मॉल प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। कंपनी के आईपीओ में शेयरों का अलॉटमेंट 3 दिसंबर को फाइनल हो सकता है। एक्साटो टेक्नोलॉजीज के प्रमोटर अपूर्व के सिन्हा और स्वाति सिन्हा हैं।

भारतीय परिवारों के खर्च का तरीका बदला

रोजमर्रा की जरूरतों से आगे बढ़कर संपत्ति बनाने पर जोर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय परिवार अपने खर्च की प्राथमिकताएं तेजी से बदल रहे हैं। प्रधानमंत्री आर्थिक सलाहकार परिषद की ताजा रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार अब घर-घर में बजट केवल रोजमर्रा की जरूरतों पर नहीं, बल्कि लंबे समय में उपयोगी साबित होने वाले सामानों पर भी केंद्रित हो रहा है।

बुनियादी जरूरतों की तुलना में इन सामानों पर खर्च बढ़ा - रिपोर्ट के मुताबिक कपड़े और जूते-चप्पलों जैसी बुनियादी जरूरतों की तुलना में पर्सनल गुड्स और खाना पकाने व घरेलू उपकरणों पर खर्च बढ़ा है। खास बात यह है कि यह रुझान केवल उच्च आय वर्ग में ही नहीं, बल्कि निचले 40 प्रतिशत आय वाले परिवारों में भी साफ दिखाई दे रहा है। इसमें कहा गया है कि यह बढ़ती जागरूकता, बेहतर वित्तीय पहुंच और मजबूत बाजार कनेक्टिविटी से प्रेरित है। यह उत्पादकता स्तर और जीवन स्तर में सुधार के लिए महत्वपूर्ण संकेत देता है।

सर्वे में मोटर व्हीकल, रेफ्रिजरेटर, टेलीविजन और मोबाइल हैंडसेट, इन चार प्रमुख टिकाऊ संपत्तियों पर किए गए विश्लेषण में पाया गया इन सामानों को रखने में लोगों के बीच का फर्क तेजी से कम हो रहा है। खासकर शहरी इलाकों में, अमीर और गरीब घरों के बीच इन चीजों के स्वामित्व का अंतर पहले की तुलना में बहुत तेजी से घटा है।

मोटर व्हीकल ओनरशिप देश में सभी टिकाऊ परिसंपत्ति में सबसे तेज

हाउसहोल्ड कंजम्पशन एक्सपेंडिचर सर्वे 2011-12 और 2023-24 के तुलनात्मक विश्लेषण से पता चला कि मोटर व्हीकल ओनरशिप देश में सभी टिकाऊ परिसंपत्तियों में सबसे तेजी से बढ़ रहा है। रिपोर्ट बताती है कि वाहन स्वामित्व में यह बढ़ोतरी शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच तेजी से घटती खाई को भी दर्शाती है। यह रुझान न केवल कुल आबादी में, बल्कि निचले 40 प्रतिशत आय वाले परिवारों में भी समान रूप से दिखाई दे रहा है। खासकर शहरी इलाकों में नीचे के आय वर्ग ने व्यापक आबादी के साथ उल्लेखनीय तालमेल बिठाया है। विशेषज्ञों के अनुसार, बेहतर सड़क अवसंरचना, बढ़ता बाजार संपर्क और वाहनों की आसान फाइनेंसिंग जैसी सुविधाएं इस तेज वृद्धि के प्रमुख कारण हैं।

टेलीविजन स्वामित्व में आई गिरावट

सर्वे के अनुसार जहां मोटर वाहन और अन्य टिकाऊ वस्तुओं की खरीद तेजी से बढ़ी है, वहीं टेलीविजन स्वामित्व में वृद्धि कहीं अधिक धीमी रही है। कई राज्यों के शहरी इलाकों में तो टीवी रखने वाले परिवारों की संख्या कुल आबादी और निचले 40 प्रतिशत आय समूह दोनों में घटती दिखाई दी है।

मोबाइल फोन ले रही टीवी की जगह

रिपोर्ट के अनुसार, मोबाइल फोन की लगभग सार्वभौमिक पहुंच ने उपभोग की आदतों को बड़े पैमाने पर बदल दिया है। अब सूचना और मनोरंजन के प्राथमिक माध्यम के रूप में मोबाइल टीवी की जगह ले रहा है।

एप्पल के सेल्स कर्मचारियों की छंटनी, अंतिम विकल्प के लिए 20 जनवरी तक का अल्टीमेटम

नई दिल्ली, एजेंसी। आईफोन बनाने वाली कंपनी प्पल ने अमेरिका में अपने दर्जनों सेल्स डिपार्टमेंट के र्मचारियों की नौकरियां खत्म की हैं। टेक कंपनियों के लए यह एक दुर्लभ घटना मानी जा रही है। ब्लूमबर्ग ी एक रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी अपने उन तरीकों ी समीक्षा और सुधार कर रही है, जिनसे वह यवसायों, सरकारों और स्कूलों को अपने उत्पाद चती है। एक प्रवक्ता ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि ह सेल्स टीम में एक ÷फेरबदल÷ है, ताकि ज्यादा ाहकों तक पहुंचा जा सके। हालांकि, उन्होंने कोई स्तृत जानकारी नहीं दी।

रिपोर्ट के मुताबिक, पूरी संगठन में सेल्स के र्जनों कर्मचारी प्रभावित हुए हैं, कुछ टीमों को ज्यादा कसान हुआ है। प्रभावित कर्मचारियों में स्कूलों, रकारी एजेंसियों और बड़े व्यवसायों के लिए काम रने वाले अकाउंट मैनेजर, साथ ही संस्थागत ाहकों की मीटिंग और उत्पाद प्रदर्शन के लिए बने प्पल के ब्रीफिंग सेंटर के स्टाफ शामिल हैं।

छंटनी पर हैरानी- जिन लोगों पर असर पड़ा, नमें से कई हैरान थे, क्योंकि एप्पल उन बहुत कम क कंपनियों में से एक है जो कभी नौकरियां कम करती है। और यह फैसला तब आया है जब कंपनी ने रिकॉर्ड-हाई रेवेन्यू कमाया है और सफल प्रोडक्ट लॉन्च की वजह से दिसंबर तिमाही में 140 बिलियन के करीब पहुंचने की राह पर है। इस कटौती में लंबे समय से मैनेजर रहे लोग और कुछ मामलों में, ऐसे कर्मचारी शामिल थे, जो एप्पल के साथ 20 या 30 साल से हैं।

छंटनी का एक बड़ा टारगेट- एक सरकारी सेल्स टीम जो रु डिफेंस डिपार्टमेंट और जस्टिस डिपार्टमेंट जैसी एजेंसियों के साथ काम करती है। वह टीम 43 दिन के रु गवर्नमेंट शटडाउन और डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी, या डाग, जिसने खर्च कम करने की कोशिश की है, द्वारा की गई कटौतियों के बाद पहले से ही मुश्किल हालात का सामना कर रही थी।

तकनीक जगत में चल रही है छंटनी की लहर - एप्पल के इस कदम के बीच पूरे तकनीकी उद्योग में छंटनी जारी है। इसी महीने अमेजन ने 14,000 से अधिक और मेटा ने अपने ट्र संगठन में कई सौ भूमिकाएं खत्म करने की घोषणा की है।

क्या छंटनी हुए कर्मचारियों के पास कोई विकल्प है?

जिन कर्मचारियों की नौकरियां चली गई हैं, उनके पास 20 जनवरी तक कंपनी के भीतर कोई दूसरी नौकरी ढूंढने का मौका है। अगर वे ऐसा नहीं कर पाते, तो उन्हें छंटनी पैकेज मिलेगा। एप्पल अपनी वेबसाइट पर नई सेल्स की नौकरियां भी पोस्ट कर रहा है, जिनके लिए प्रभावित कर्मचारी आवेदन कर सकते हैं।

एप्पल में छंटनी को आखिरी विकल्प क्यों कहा जाता है?

एप्पल का रवैया अन्य टेक कंपनियों के मुकाबले छंटनी को लेकर अलग रहा है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टिम कुक ने पहले कहा है कि छंटनी उनके लिए आखिरी विकल्प है। हालांकि, कंपनी समय-समय पर कुछ भूमिकाएं खत्म करती रही है, खासकर जब कोई प्रोजेक्ट बंद होता है, जैसे कि हाल ही में स्व-चालित कार प्रोजेक्ट।

म्यूचुअल फंड की चिल्ड्रन स्कीमें दे रहीं 15 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न

तेजी के समय इक्विटी में बढ़ता है योगदान

नई दिल्ली, एजेंसी। छोटे बच्चे के सपनों को साकार करने के लिए बच्चे का आर्थिक भविष्य संवारना अक्सर भारी-भरकम काम लगता है। पढ़ाई का खर्च बढ़ रहा है। बच्चों के सपने बदल रहे हैं। उनके बड़े लक्ष्यों के लिए लगातार लंबे समय तक तैयारी करनी होती है।

म्यूचुअल फंड की चिल्ड्रन स्कीमें सालाना 15 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दे रही हैं। इसके जरिये बच्चों का भविष्य संवारने में मदद मिल सकती है। चिल्ड्रन स्कीमों में अनुशासित निवेश का तरीका व लंबे समय में बेहतर बढ़त की संभावना दोनों मिलते हैं। इनमें पांच साल का लॉक-इन होता है, या फिर जब बच्चा बालिग हो जाए, जो भी पहले हो। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल चिल्ड्रन फंड का लंबा और भरोसेमंद रिकॉर्ड रहा है। इसकी योजना की खासियत इसका बदलते हालात के मुताबिक ढलने वाला निवेश तरीका है।

हमारे मौजूदा खिलाड़ियों को शारीरिक तौर पर और बेहतर होना होगा : साइना नेहवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने भारतीय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन की मांगों पर खरा उतरने और प्रदर्शन में निरंतरता लाने के लिए अपनी शारीरिक फिटनेस बेहतर करने की सलाह दी है। लंदन ओलंपिक 2012 की कांस्य पदक विजेता साइना ने बताया कि मौजूदा पीढ़ी के लिए चोटें आम बात हो गई है और महिला एकल खिलाड़ियों की नई जमात में आक्रामकता का अभाव है। लीजैंड्स विजन लीगेसी टूर इंडिया के लिए शहर में आई साइना ने कहा, 'हमें प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी। हमे सात्विक-चिराग, लक्ष्य या सिंधू या आने वाले खिलाड़ियों से लगातार अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। हमे नतीजे चाहिए। उन्हें अच्छे ट्रेनर और फिजियो देखने चाहिए। अगर शरीर

100 फीसदी फिट है तो कोचिंग कठिन नहीं है। लगातार खिताब जीतने के लिए शरीर को मजबूत बनाने की कवायद में अधिक ट्रेनर और फिजियो पर फोकस करना होगा। साइना ने कहा, 'विक्टर एक्सेलसेन ने यही किया और कैरोलिना मारिन ने भी। मानसिक तैयारी तो सभी की अच्छी होती है लेकिन शारीरिक तौर पर और बेहतर होने की जरूरत है।' लक्ष्य सेन ने 2025 सत्र में पहला खिताब जीता जब उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 फाइनल में जापान के युशी तनाका को हराया। साइना ने कहा, 'जीत तो जीत है जिससे आत्मविश्वास बढ़ता है। उसने इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। यह अच्छा संकेत है कि वह फॉर्म में लौट रहा है। उन्होंने कहा, 'उसने ओलंपिक में अच्छा खेला था और यहां भी। एक खिलाड़ी के तौर पर प्रशंसा और आलोचना दोनों का सामना करना पड़ता ही है। वह शीर्ष स्तर पर है और उससे लगातार जीत की अपेक्षा रहती है।

सलमान आगा ने द्रविड़, यूसुफ और धोनी को पीछे छोड़ा, बड़ा वर्ल्ड रिकॉर्ड किया अपने नाम

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के टी20 कप्तान सलमान अली आगा ने क्रिकेट इतिहास में एक बड़ा अध्याय जोड़ते हुए ऐसा रिकॉर्ड बनाया है जिसे वर्षों तक क्रिकेट दिग्गज अपने नाम नहीं कर पाए। रावलपिंडी में ज़िम्बाब्वे के खिलाफ टी20 ट्राई-सीरीज़ के चौथे मैच में मैदान पर उतरते ही उन्होंने एक कैलेंडर साल में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने का वर्ल्ड रिकॉर्ड

अपने नाम कर लिया। इस उपलब्धि के साथ सलमान आगा ने राहुल द्रविड़, मोहम्मद यूसुफ और एमएस धोनी जैसे महान नामों को पीछे छोड़ दिया। यह रिकॉर्ड उनके जबरदस्त फिटनेस वर्कलोड और लगातार प्रदर्शन का बड़ा प्रमाण है।

सलमान अली आगा ने बनाया ऐतिहासिक विश्व रिकॉर्ड– रविवार को सलमान अली आगा ने 2025 में अपना 54वां इंटरनेशनल मैच खेलकर क्रिकेट इतिहास का अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इससे पहले यह रिकॉर्ड भारत के राहुल द्रविड़ के पास था, जिन्होंने 1999 में 53 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले थे। मोहम्मद यूसुफ (2000) और एमएस धोनी (2007) भी इस आंकड़े तक पहुंचे, लेकिन उससे आगे नहीं जा सके। अब सलमान अली आगा इस लिस्ट में अकेले शीर्ष स्थान पर हैं, और पहली बार किसी पाकिस्तानी खिलाड़ी ने इतने बड़े रिकॉर्ड में भारतीय महान खिलाड़ियों को पछाड़ा है।

2025 में सलमान आगा
5 टेस्ट
17 वनडे
32 टी20

यह आंकड़ा दर्शाता है कि पाकिस्तान टीम मैनेजमेंट उन पर कितना भरोसा करता है और विभिन्न फॉर्मेट में उनका योगदान कितना अहम बन चुका है। सलमान इस साल पाकिस्तान को एशिया कप के फाइनल तक भी ले गए, जहां उनकी उपयोगिता एक ऑलराउंडर के रूप में और अधिक बढ़ती दिखाई दी।

रोहित के साथ जायसवाल करेंगे पारी की शुरुआत

ऋतुराज के खेलने की संभावना कमः आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3 वनडे मैचों की सीरीज के लिए घोषित भारतीय टीम में सलामी बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ को लगभग 2 साल बाद मौका दिया गया है। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि गायकवाड़ को प्लेइंग इलेवन में जगह मिलने की संभावना कम है। आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'ऋतुराज गायकवाड़ ने इतने रन बनाए हैं कि उनका चयन पक्का हो गया था। अभिषेक शर्मा को भी मौका दिया जा सकता था, लेकिन यशस्वी जायसवाल को पहले मौका मिलना जरूरी है। वह इसके हकदार हैं। मुझे नहीं लगता कि ऋतुराज प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होंगे। रोहित शर्मा के साथ यशस्वी जायसवाल ही पारी की शुरुआत करेंगे।' ऋतुराज गायकवाड़ दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज में भारत ए की तरफ से खेलते हुए सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज रहे थे। एक शतक और एक अर्धशतक लगाने वाले गायकवाड़ को इस सीरीज का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया था।

इसी आधार पर 2023 के बाद उनकी वनडे टीम

में वापसी हुई है। शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर का इंजरी की वजह से टीम में न होना भी गायकवाड़ की वापसी का कारण बना। यशस्वी जायसवाल को भी टीम में जगह दी गई है, इसलिए गायकवाड़ को शायद ही मौका मिले। हालांकि, ये भी हो सकता है कि गायकवाड़ को मध्यक्रम में मौका दे दिया जाए। गायकवाड़ ने 2022 में वनडे में डेब्यू किया था। कुल 6 मैचों में वह 115 रन बना चुके हैं। नितीश कुमार रेड्डी को भी वनडे टीम में जगह दी गई है। उनके चयन पर आकाश चोपड़ा ने कहा, 'मैं नहीं समझ पा रहा हूं कि टीम नितीश कुमार रेड्डी से क्या करवाना चाहती है। टेस्ट क्रिकेट में भी यही हाल है। उनसे कभी बल्लेबाजी करवाई जाती है और कभी गेंदबाजी। पर्याप्त मौके दोनों ही विभाग में नहीं दिए जाते। रेड्डी को एक जैसा रोल पाने में मुश्किल हुई है।

केएल राहुल की कप्तानी में खेलेगा भारत

साउथ अफ्रीका के खिलाफ 30 नवंबर से होने जा रही तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा 23 नवंबर (रविवार) को हुई. इस वनडे सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी केएल राहुल संभालते नजर आएंगे. नियमित कप्तान शुभमन गिल नेक इंजरी के चलते सेलेक्शन के लिए उपलब्ध नहीं थे, वहीं श्रेयस अय्यर भी इंजरी के कारण अभी कुछ महीनों तक क्रिकेटिंग एक्शन से दूर रहने वाले हैं. इसी वजह से विकेटकीपर बल्लेबाज राहुल को ये जिम्मेदारी सौंपी गई है. भारतीय टीम ने आखिरी ओडीआई सीरीज पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसी की धरती खेली थी. तब शुभमन गिल अगुवाई में टीम इंडिया को तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-2 से हार झेलनी पड़ी थी.

मेसी ने रचा इतिहास

● इंटर मियामी की 4-0 से धमाकेदार जीत

नई दिल्ली, एजेंसी। फुटबॉल के बादशाह लियोनेल मेसी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि उम्र सिर्फ एक संख्या है और महानता कभी फीकी नहीं पड़ती। सिनसिनाटी में खेले गए ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस सेमीफाइनल में इंटर मियामी की 4-0 की धमाकेदार जीत के साथ मेसी ने अपने करियर का एक और ऐतिहासिक मुकाम छू लिया जिसमें 1300 गोल (गोल + असिस्ट) शामिल हैं। क्लब और देश के लिए कुल मिलाकर 896 गोल और 404 असिस्ट के साथ मेसी ने अपने करियर को नए ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। यह उपलब्धि उन्हें आधुनिक फुटबॉल के इतिहास में एक अद्वितीय स्थान देती है।

एमएलएस कप फाइनल की ओर इंटर मियामी की सबसे बड़ी जीत

इंटर मियामी ने एफसी सिनसिनाटी को हराकर पहली बार स्स्स्र कप ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस फाइनल में कदम रखा। मैच की शुरुआत से ही मियामी ने आक्रामक खेल दिखाया और पजेशन पर नियंत्रण बनाए रखा। 19वें मिनट में मिला पहला गोल टीम में जोश भरने वाला साबित हुआ। माटेओ सिल्वेटी के बेहतरीन क्रॉस को मेसी ने शानदार फिनिश में बदल दिया और मियामी को बढ़त दिला दी।

मेसी का जादुई टचः गोल भी, तीन असिस्ट भी

फुटबॉल के मास्टर प्लेमेकर मेसी ने इस मैच में सिर्फ गोल ही नहीं किया, बल्कि तीन असिस्ट देकर पूरे खेल की दिशा बदल दी। मेसी का पहला असिस्ट तादेओ अलेंदे को मिला, जिसने शानदार फ़िनिश के साथ गोल किया। 57वें मिनट में मियामी के दूसरे गोल का निर्माण भी मेसी ने ही किया, सिल्वेटी के कर्लिंग शॉट पर निर्णायक पास देकर।

उसके बाद 62वें और 74वें मिनट में अलेंदे ने दो और गोल दागे, दोनों पर मेसी के ही असिस्ट थे। मेसी की पासिंग, पोज़िशनिंग और क्रिएटिव विजन ने सिनसिनाटी की डिफेंस को बुरी तरह तोड़ दिया और मियामी को मैच पर पूरी तरह हावी रहने दिया।

सिनसिनाटी की कोशिशें नाकाम, मियामी का दबदबा बरकरार– पहले हाफ में सिनसिनाटी की ओर से इवांडर और केविन डेन्की ने कुछ मौके बनाए, लेकिन वे बराबरी करने में असफल रहे। दूसरे हाफ में इंटर मियामी का खेल लगातार मजबूत होता गया और सिनसिनाटी के पास वापसी का कोई मौका नहीं बचा।

ब्रिसबेन टेस्ट

स्टार्क रच सकते हैं इतिहास, वसीम अकरम पीछे छूट जाएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। एशेज 2025-26 का दूसरा टेस्ट 4 से 8 दिसंबर के बीच गाबा, ब्रिसबेन में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क इस टेस्ट में पाकिस्तान के दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम को पीछे छोड़ते हुए एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते हैं। मिचेल स्टार्क ब्रिसबेन टेस्ट की दोनों पारियों में 3 विकेट लेने में कामयाब रहते हैं, तो वसीम अकरम को पीछे छोड़ते हुए टेस्ट क्रिकेट में बाएं हाथ के सबसे सफल तेज गेंदबाज बन जाएंगे। मिचेल स्टार्क ने 2011 से 2025 के बीच 101 टेस्ट की 194 पारियों में 412 विकेट लिए हैं। वसीम अकरम ने 1985 से 2002 के बीच 104 टेस्ट की 181 पारियों में 414 विकेट लिए हैं। वे लंबे समय से टेस्ट फॉर्मेट में सबसे सफल बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं। अगर ब्रिसबेन में 3 विकेट लेने में स्टार्क कामयाब रहते हैं, तो उनके कुल विकेटों की संख्या 415 हो जाएगी और वे अकरम को पीछे छोड़ देंगे। स्टार्क ब्रिसबेन में टेस्ट विकेटों के मामले में हरभजन सिंह को भी पीछे छोड़ सकते हैं। हरभजन सिंह ने 1998 से 2015 के बीच 103 टेस्ट की 190 पारियों में 417 विकेट लिए हैं। स्टार्क 6 विकेट लेकर हरभजन को पीछे छोड़ सकते हैं। मिचेल स्टार्क ने एशेज सीरीज के पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट में दोनों पारियों को मिलाकर 10 विकेट लिए थे और प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे।

स्टार्क ने पहली पारी में 58 रन देकर 7 और दूसरी पारी में 55 रन देकर 3 विकेट लिए थे। ऑस्ट्रेलिया 8 विकेट से यह मैच जीती थी। टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले तीन गेंदबाज श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन, ऑस्ट्रेलिया के शेन वॉर्न और इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन हैं।

इंडिया-दक्षिण अफ्रिका टेस्ट

द. अफ्रीका ने 260 पर घोषित की पारी, भारत को मिला 549 रन का लक्ष्य

मैच व सीरीज हार की कगार पर भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। ट्रिस्टन स्टब्स केवल छह रन से अपने टेस्ट करियर का तीसरा शतक लगाने से चूक गए लेकिन उनकी 94 रन की आकर्षक पारी से दक्षिण अफ्रीका ने मंगलवार को यहां अपनी दूसरी पारी पांच विकेट पर 260 रन पर समाप्त घोषित करके भारत के सामने दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच में जीत के लिए 549 रन का मुश्किल लक्ष्य रखा। चौथे दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने दूसरी पारी में भी खराब शुरुआत करते हुए दोनों ओपनर को गंवाने बाद बाद महज 27 रन बना लिये थे, जिससे भारत पर टेस्ट हार के साथ सीरीज गंवाने का भी खतरा मंडराने लगा है। सीरीज का पहला टेस्ट कोलकाता में भारत पहले ही हार चुकी है। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में 489 रन बनाए थे जिसके जवाब में भारत 201 रन ही बना पाया था। इस तरह से दक्षिण अफ्रीका ने कुल 548 रन की बढ़त हासिल की। स्टब्स ने 180 गेंद का सामना करके 94 रन बनाए जिसमें नौ चौके और एक छक्का शामिल है। उन्होंने टोनी डि जॉर्जी (49) के साथ चौथे विकेट के लिए 101 रन और वियान मुल्डर (नाबाद 35) के साथ पांचवें विकेट के लिए 82 रन

की साझेदारी की। भारत की तरफ से रविंद्र जडेजा सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 62 रन देकर चार विकेट लिए। वाशिंगटन सुंदर ने एक विकेट लिया। भारत से पहली पारी में 288 रन से आगे रहने के बावजूद दक्षिण अफ्रीका ने फॉलोऑन नहीं कराया और दूसरी पारी में खेलने का फैसला किया। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दक्षिण अफ्रीका के रेयान रिकेल्टन 13 जबकि ऐडन मारक्रम 12 रन बनाकर खेल रहे थे और कुल बढ़त 314 रन की हो गई। लंच के बाद 79वें ओवर में हार्मर ने वॉशिंगटन सुंदर को एडम मारक्रम के हाथों कैच आउटकर कर दक्षिण अफ्रीका को आठवीं सफलता दिलाई। वॉशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव के बाद आठवें विकेट के लिए 72 रनों की साझेदारी हुई। वॉशिंगटन सुंदर ने 92 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए 48 रनों की पारी खेली। भारत का आठवां विकेट194 के स्कोर पर गिरा। इसी स्कोर पर यानसन ने एक छोर थामे जुझारू बल्लेबाजी कर रहे कुलदीप यादव को आउट कर भारत को नौवां झटका दिया। कुलदीप यादव ने 134 गेंदों में तीन चौके लगाते हुए 19 रन बनाए। इसके बाद यानसन ने 84वें ओवर की पांचवीं गेंद पर जसप्रीत बुमराह (पांच) को विकेटकीपर काइल वेरेन के हाथों कैच आउटकर कर 201 के स्कोर पर भारत की पहली पारी का अंत कर दिया। भारतीय टीम की शुरूआत तो अच्छी रही थी, जब राहुल और जायसवाल ने अर्धशतकीय साझेदारी की।

क्रिकेटर शेफाली वर्मा ने खरीदी एमजी साइबरस्टर, कीमत75 लाख

नई दिल्ली, एजेंसी। 2025 वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में भारत को ऐतिहासिक जीत दिलाने वाली स्टार खिलाड़ी शेफाली वर्मा ने इलेक्ट्रिक स्पोर्ट्स कार एमजी साइबरस्टर खरीदी है। शेफाली ने साइबरस्टर का 'एंडीज ग्रे' कलर चुना है, जो रेड कलर के कन्वर्टिबल रूफ के साथ आता है। इलेक्ट्रिक रोडस्टर की कीमत 75 लाख रुपए (एक्स-शोरूम कीमत, पैन इंडिया) है। ये भारत की पहली इलेक्ट्रिक स्पोर्ट्स कार है, जो फुल चार्ज में 520द्मद्व चलती है। कंपनी का दावा है कि साइबरस्टर 3.2 सेकेंड में 0-100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकती है। क्रिकेट ग्राउंड पर डिलीवरी इवेंट हुआ, जहां शेफाली ने रेड कार्पेट पर कार को रिबन काटकर रिसीव किया। एमजी इंडिया ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर किया, जिसमें शफाली कार के केबिन को एक्सप्लोर करती नजर आ रही हैं।

पाकिस्तान ने बदला अपना फैसला, कुछ ही दिनों में हटाया इस दिग्गज पर लगा लाइफ टाइम बैन

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के स्टार एथलीट अरशद नदीम के लंबे समय से कोच रहे सलमान बट पर बड़ा फैसला लिया गया है. पिछले महीने 12 अक्टूबर को पाकिस्तान के एथलेटिक्स महासंघ ने पंजाब एथलेटिक्स संघ के संविधान का उल्लंघन करने के आरोप में लाइफ टाइम बैन लगा दिया था. वह इस संघ के अध्यक्ष थे. पाकिस्तान एमेच्योर एथलेटिक्स महासंघ ने इकबाल पर पंजाब संघ के चुनाव कराकर उल्लंघन करने का आरोप लगाया था, जो अगस्त में हुए थे. हालांकि अब इस फैसले को बदल दिया गया है.

सलमान बट पर लगा लाइफ टाइम बैन हटा– लाइफ टाइम बैन के तहत इकबाल किसी भी एथलेटिक्स गतिविधि में भाग नहीं ले सकते, न ही कोचिंग दे सकते थे और न ही किसी भी स्तर पर कोई पद संभाल सकते थे. लेकिन पाकिस्तान स्पोर्ट्स बोर्ड (पीएसबी) ने इस फैसले को रद्द कर दिया है.

'लोग क्या कहेंगे'...

इस दबाव से हटकर बच्चों के बारे में सोचें माता पिता : गिरिजा ओक

आज के समय में मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक समझ को लेकर जागरूकता बढ़ रही है। इस बीच पंकज त्रिपाठी, मोहित छाबड़ा के साथ मिलकर वेब सीरीज 'परफेक्ट फैमिली' जैसी कहानी लेकर आ रहे हैं, जो दर्शकों को खुद को और अपने परिवार को बेहतर तरीके से समझने में मदद करती है। इसमें अभिनेत्री गिरिजा ओक अहम किरदार में हैं। रविवार को मेकर्स ने 'परफेक्ट फैमिली' का नया प्रोमो जारी किया, जिसमें गिरिजा ओक अपने किरदार नीति करकारिया के रूप में नजर आ रही हैं। प्रोमो से साफ है कि यह सीरीज सिर्फ एक पारिवारिक कहानी नहीं है, बल्कि बचपन की यादों, भावनाओं और उन अनकहे अनुभवों पर बात करती है, जिन्हें हम बड़े होने के बाद समझते हैं। शो में गिरिजा के साथ मनोज पाहवा, सीमा पाहवा, नेहा धूपिया और गुलशन देवैया जैसे कलाकार भी हैं, जिनकी मौजूदगी अपने आप में कहानी को मजबूत बनाती है। सभी कलाकार एक ऐसे परिवार के सदस्य के रूप में हैं, जिसकी कहानी कई दर्शकों को अपने घर की याद दिला सकती है। गिरिजा ओक ने इस सीरीज के बारे में बात करते हुए बताया कि बचपन का ट्रॉमा, यानी भावनात्मक चोट, बहुत अलग तरीके से काम करती है। जब बच्चा उसे जी रहा होता है, तब उसे यह एहसास नहीं होता कि वह किसी भारी अनुभव से गुजर रहा है। वह बस उसी समय की परिस्थितियों में खुद को संभालने की कोशिश कर रहा होता है। उन्होंने कहा, गिरिजा ने बताया कि यह सीरीज उनके दिल के काफी करीब है। स्क्रिप्ट पढ़ते समय उन्हें महसूस हुआ कि यह किसी कहानी की किताब जैसा है। पहले कुछ एपिसोड पढ़ते ही उन्हें ऐसा लगा मानो वे किसी अच्छी नॉवेल में डूब गई हों। उन्होंने कहा, 'गंभीर और कड़वी बातों को दर्शकों तक पहुंचाने के लिए हमें थोड़ी 'मीठी परत' में पेश करना जरूरी होता है और इस स्क्रिप्ट ने यही काम बहुत खूबसूरती से किया है। कहानी मनोरंजक भी है और सोचने पर मजबूर भी करती है।

"हर माता-पिता अपने बच्चे के लिए अच्छा सोचते हैं,

कई बार वे समाज की राय या लोग क्या कहेंगे... जैसी सोच में उलझ जाते हैं। अगर माता-पिता इस दबाव को हटाकर सिर्फ अपने बच्चे के हित में सोचें, तो वे समझ पाएंगे कि बच्चे के लिए क्या सही है और क्या नहीं। बच्चों की भावनाओं को समझना और सही फैसले लेना बड़ों की जिम्मेदारी है।'' गिरिजा का कहना है कि आज के समय में माता-पिता ज्यादा जागरूक और भावनात्मक रूप से संवेदनशील हो रहे हैं। इसी कारण भविष्य में कम लोगों को बचपन से जुड़ी परेशानियों के लिए थेरेपी की जरूरत पड़ेगी।

कुब्रा सैत 12-दिन की ब्रह्मपुत्र यात्रा पर, बोलीं-

प्रकृति मेरी आत्मा को रीसेट कर देती है

अभिनेत्री कुब्रा सैत अपने जीवन के सबसे रोमांचक निजी सफ़र में से एक के लिए तैयार हैं और वो है 1 दिसंबर से शुरू होने वाली शक्तिशाली ब्रह्मपुत्र नदी पर 12 दिन की राफ्टिंग एक्सपीडिशन। अपनी फिल्मों 'देवा', 'सन ऑफ सरदार 2' और 'द ट्रायल सीज़न 2' में अपने प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद, अब कुब्रा स्क्रीन से दूर जंगलों की ओर रुख कर रही हैं, उस सपने की ओर जिसे वह पिछले सात वर्षों से अपने दिल में संजोए हुए थीं। अपने इस अनुभव को वे पागलपन से भरा अनुभव बताते हुए कहती हैं, 'यह सपना तब शुरू हुआ जब मैंने पहली बार उत्तराखंड के पिथौरागढ़ के पास काली नदी में राफ्टिंग की और तब से यह मेरी बकेट लिस्ट में है। मुझे यकीन है पिछली बार की तरह इस बार भी यह एक पागलपन भरा अनुभव होने वाला है।' वैसे पिछले साल उन्होंने तंजानिया में माउंट किलिमंजारो फतह किया था, जिसे वे रोमांचक और रौंगटे खड़े कर देने वाला अनुभव बताती हैं। इस नए सफ़र के लिए कुब्रा जल्द ही असम के डिब्रूगढ़ पहुंचनेवाली हैं, जहाँ से वे अपने एक्सपीडिशन ग्रुप के साथ आगे बढ़ेंगी और पैडलिंग, राफ्टिंग और नदी किनारे टेंट में रातें बिताएंगी। उनकी माने तो उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती और इनाम, यही होगा कि वे अपने आराम को पीछे छोड़कर प्रकृति से सीधा सामंजस्य स्थापित करें। वे बताते हैं, 'ऐसे अभियानों में असली डर का सामना करने से मेरे करियर की चुनौतियाँ बहुत छोटी लगने लगती हैं।

तृप्ति डिमरी भी हैं साथ

प्रभास की 300 करोड़ी फिल्म में 400 फिल्में करने वाले हीरो की एंट्री !

प्रभास का पूरा फोकस ही इस वक्त अपनी आने वाली फिल्म पर है, जो अगले साल रिलीज की जाएगी. यूं तो 'द राजा साब' को पहले इसी साल लाने की प्लानिंग हुई थी. पर बाद में काम कंप्लीट न होने के चलते आगे शिफ्ट कर दी गई. जो अगले साल की शुरुआत यानी जनवरी में दस्तक देगी. हाल ही में उनकी 'स्पिरिट' का काम शुरू किया गया है. जिसके बाद प्रभास की 300 करोड़ी फिल्म में 400 फिल्में करने वाला सुपरस्टार आ गया. जानिए कौन हैं, जो अगले साल अक्षय-सैफ अली खान के साथ भी दिखेंगे. इस वक्त प्रभास धांसू वापसी की तैयारी कर रहे हैं. यूं तो उनकी आखिरी फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' थी, जिसके बाद कोई भी पिक्चर रिलीज नहीं हुई है. प्रभास की इस साल 'द राजा साब' को लाने की प्लानिंग हुई थी, पर देखते ही देखते फिल्म को बार-बार आगे ही पोस्टपोन कर दिया गया. यूं तो प्रभास के खाते में कई बड़ी फिल्में हैं, जिसमें से तीन अगले साल रिलीज की जा सकती हैं. 'द राजा साब' से पहले ही 'फौजी' का काम भी कर लिया गया है. हाल ही में प्रभास और संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म का काम शुरू किया गया. पर अब इस पिक्चर में 400 फिल्में करने वाले सुपरस्टार की एंट्री हो गई है. जो जल्द ही अक्षय कुमार और सैफ अली खान के साथ धमाल मचाने वाले हैं. कौन हैं ये एक्टर? प्रभास की फिल्म को लेकर क्या अपडेट आ गया है. दरअसल प्रभास के बर्थडे के मौके पर SPIRIT की साउंड स्टोरी लॉन्च की गई थी. जिसके बाद शाहरुख खान के फैन्स और प्रभास के बीच क्लैश देखने को मिला था. उन्हें सबसे बड़ा सुपरस्टार बताने पर फैन्स की सोशल मीडिया पर काफी लड़ाई भी हुई. लेकिन स्पिरिट काफी पहले से ही चर्चा में रही है, क्योंकि फिल्म में पहले दीपिका पादुकोण को चुना गया था. पर 8 घंटे शिफ्ट को लेकर बात नहीं बनीं, जिसके बाद उनकी जगह तृप्ति डिमरी को लिया गया है. अब किस एक्टर की एंट्री की खबरें आ रही हैं.

प्रभास की फिल्म में किसकी एंट्री हो गई?

प्रभास की अगली फिल्म SPIRIT होगी, जिसे संदीप रेड्डी वांगा बना रहे हैं. फिल्म का वो काम भी शुरू कर चुके हैं. लॉन्च इवेंट में चिरंजीवी पहुंचे हुए थे, जहां उन्होंने मेकर्स को गुड लक भी कहा. दरअसल इस पिक्चर में तृप्ति डिमरी बतौर लीड एक्ट्रेस नजर आने वाली हैं. इस पिक्चर में उन्होंने वांगा ने फाइनल किया है, क्योंकि वो ANIMAL में उनके साथ काम कर चुकी हैं. संदीप रेड्डी वांगा की पिछली फिल्म ने 915 करोड़ का कारोबार किया था. हाल ही में पता लगा कि फिल्म में विवेक ओबेरॉय और प्रकाश राज पिक्चर में अहम रोल करने वाले हैं. हालांकि, यह भी कहा जा रहा है कि पिक्चर में चिरंजीवी प्रभास के पिता का रोल प्ले करेंगे.

साथ ही नई रिपोर्ट से पता लगा कि मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल का इस पिक्चर में स्पेशल रोल होगा. लेकिन किस तरह का वो किरदार निभाने वाले हैं, यह फिलहाल किसी को भी जानकारी नहीं मिल पाई है.

दरअसल वो अपने करियर में 400 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुकी हैं. साथ ही वांगा की इस पिक्चर का बजट 300 करोड़ रुपये बताया जा रहा है. वहीं फिल्म के शूट को लेकर भी जानकारी सामने आई है. हाल ही में पता लगा कि मेकर्स ने शानदार सेट बनाए हैं. मेकर्स उन सेट्स के बैकग्राउंड में हाई ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस शूट करेंगे. जो कि दो हफ्ते तक चलेगा. वहीं, एक्शन एपिसोड्स को फ़िल्म का हाइलाइट बताया जा रहा है. जल्द ही मोहनलाल का अक्षय-सैफ की हैवान में भी कैमियो होगा.

बॉलीवुड की वो फिल्म, जिसने 15 करोड़ के बजट में कमाए 912 करोड़ रुपए

मालामाल हो गए मेकर्स

आज हम आपको बॉलीवुड के एक ऐसी फिल्म के बारे में बता रहें हैं, जिसने महज 15 करोड़ के बजट में 912 करोड़ की कमाई की थी. इस फिल्म ने भारतीय सिनेमाघर ही नहीं बल्कि विदेशों में भी शानदार कलेक्शन किया था.

बॉलीवुड के इतिहास में ऐसी बहुत कम फिल्में हैं, जिन्होंने अपने छोटे बजट से इतना बड़ा कलेक्शन किया कि मेकर्स मालामाल हो गए. ऐसी ही एक फिल्म के बारे में हम आपको बता रहें हैं. इस फिल्म का नाम है 'सीक्रेट सुपरस्टार' . यह फिल्म भारत में तो अच्छा प्रदर्शन किया ही, लेकिन विदेशों में जाकर इसने कमाई के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए. इस फिल्म ने महज 15 करोड़ रुपये के मामूली बजट में 912 करोड़ रुपये से अधिक का कलेक्शन किया. इस कलेक्शन को देखकर लोग एकदम हैरान हो गए. 'सीक्रेट सुपरस्टार' एक ऐसी कहानी थी जो सीधे दर्शकों के दिल को छू गई. इस फिल्म की सफलता का असली राज इसका विदेशी कलेक्शन है, जिसने इसे बॉक्स ऑफिस का 'सीक्रेट सुपरस्टार' बना दिया. 'सीक्रेट सुपरस्टार' की सबसे जबरदस्त कमाई चीन से हुई, जहां इस फिल्म ने लगभग 800 करोड़ रुपये की कमाई की थी. चीन में इस फिल्म को दर्शकों ने हाथों-हाथ लिया.

क्या थी फिल्म की कहानी?

यह फिल्म सिर्फ 15 करोड़ रुपये के प्रोडक्शन बजट में तैयार हुई थी. लेकिन इस फिल्म ने दुनिया भर में 912 करोड़ से ज्यादा की कमाई की. जो इसे बॉलीवुड की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक बनाता है. फिल्म की कहानी एक युवा मुस्लिम लड़की इन्सिया के बारे में है, जो अपने पिता के विरोध के बावजूद, अपने सिंगिंग के सपनों को पूरा करने के लिए यूट्यूब पर नकाब पहनकर वीडियो डालती है. इस फिल्म में उनके साथ आमिर खान भी थे. जो फिल्म में सपोर्टिंग एक्टर के किरदार में नजर आएं हैं.

परिवार को समय देने के सवाल पर बोले मनोज बाजपेयी

'अगर कभी कोई खटपट न हो, तो रिश्ते उबाऊ लगते हैं'

'द फैमिली मैन' के तीसरे पार्ट में इन दिनों नजर आ रहे अभिनेता मनोज बाजपेयी ने हाल ही में अमर उजाला से बात करते हुए कई पहलुओं पर बात की है। खास बातचीत में मनोज ने किरदार, ओटीटी के दौर, परिवार और इंडस्ट्री की चुनौतियों पर खुलकर बात की। मैंने पहली बार जिस फिल्म में काम किया था, वो थी चिट्टागोंग। उस फिल्म में सिर्फ वही नहीं बल्कि कई और लोग भी थे जो मेरे एफटीआईआई के बैचमेट थे - राजकुमार राव, विजय वर्मा...ये सब। वहीं से मैंने जयदीप को जाना। दरअसल, उस समय जब अनुराग से मेरी बात होती थी, तो उसकी एक आदत मैंने नोटिस की थी। जब भी हम बात करते और अगर वो कोई नई फिल्म बना रहा होता, तो मुझसे हमेशा एक रेकमेंडेशन मांगता था। अगर उसे किसी तरह का एक्टर चाहिए होता है, तो पूछ लेता है कि कौन इस रोल के लिए ठीक रहेगा। तो उस दिन भी बात हो रही थी और मैंने जयदीप का नाम सुझाया था। राजकुमार और विजय के बारे में उसे पहले से पता था। उस समय से मैं इन लोगों को जानता हूं। इनके शुरुआती दौर से जानता हूं। इसलिए एक जान-पहचान भी है और ये लोग मुझे इज्जत भी बहुत देते हैं। एक अच्छा संबंध है- एक्टर वाला संबंध। सीनियर और जूनियर दोनों तरह का रिश्ता है।

सेट पर माहौल काफी अच्छा रहता था। ऑफ कैमरा भी हल्की-फुल्की बातें होती थीं। सच कहूं तो मैं ज्यादातर जब बात करता हूं, तो खाने की ही बात करता हूं... नहीं तो मैं अपने काम में डूबा रहता हूं। जब अगला शॉट होना होता, तो मेरा फोकस पूरी तरह उसी पर होता था और बीच-बीच में थोड़ी हंसी-मजाक भी हो जाती थी। मैं खुद मटन बनाता हूं, तो सेट पर भी कभी-कभी मटन बना लेता था। लेकिन जयदीप को मटन से ज्यादा चिकन पसंद है। तो हम दोनों के बीच ऐसी ही बातचीत होती थी जैसी साथी कलाकारों के बीच सामान्य रूप से होती है।

कभी काम से पहले परिवार को चुनना पड़ा?

परिवार और मेरा काम कभी एक-दूसरे के आड़े नहीं आते। इसका पूरा श्रेय मेरी पत्नी को जाता है। अगर वह कुछ चाहती हैं और मैं खाली होता हूं, तो मैं समय देने की पूरी कोशिश करता हूं। सच यह है कि वर्क और फैमिली का बैलेंस हर आदमी के लिए एक चुनौती है। सबसे आसान स्थिति उन लोगों की होती है जो सुबह ऑफिस जाते हैं और शाम को लौट आते हैं। वो काम भी कर लेते हैं और परिवार के साथ समय भी बिता पाते हैं। लेकिन फ्रीलांस जॉब में यह बहुत मुश्किल हो जाता है।

यह उसी तरह का काम होता है जैसे इंटेलिजेंस के लोग करते हैं - जिनकी जरूरत हमेशा रहती है और जिनका काम 24 घंटे का होता है। यही वजह है कि श्रीकांत (किरदार का नाम) के लिए चीजें कठिन होती हैं और एक्टर्स के लिए भी।

मनीष मल्होत्रा का फिल्मी सपना पूरा, बतौर प्रोड्यूसर करेंगे 'गुस्ताख इश्क' से डेब्यू

मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा जल्द ही बतौर प्रोड्यूसर अपकमिंग फिल्म 'गुस्ताख इश्क' से डेब्यू करने जा रहे हैं। हाल ही में उन्होंने बताया कि फिल्मों में आना उनका बचपन का सपना था, जो कि अब जाकर पूरा हो रहा है। उन्होंने एक पुराना किस्सा याद किया, 'जब 'मुगले-आजम' को थिएटर प्ले के रूप में दोबारा लाया जा रहा था, तब डायरेक्टर फिरोज खान साहब ने मुझे कॉस्ट्यूम डिजाइन करने को कहा। मैंने उनसे पूछा था कि क्या मैं इसे प्रोड्यूस भी कर सकता हूं, क्योंकि मुझे वो फिल्म बहुत पसंद थी और प्रोड्यूसर-डायरेक्टर बनने की इच्छा भी थी।' मनीष मल्होत्रा ने 'मुगल-ए-आजम' नाटक का पुराना किस्सा याद करते हुए कहा, 'नाटक के दौरान निर्देशक फिरोज खान ने मुझे कॉस्ट्यूम डिजाइन करने को कहा था, जिस पर मैंने उनसे पूछा था कि क्या मैं इसे प्रोड्यूस भी कर सकता हूं? क्योंकि मुझे वो फिल्म बहुत पसंद थी और प्रोड्यूसर-डायरेक्टर बनने की इच्छा भी थी। उन्होंने अपनी प्रोडक्शन कंपनी शुरू करने के बारे में बताया, 'कोविड के समय मैंने सोचा कि अब कुछ तो अपने लिए करना चाहिए, तब मैंने सोचा कि ऐसी फिल्म प्रोडक्शन कंपनी की शुरुआत करते हैं, जो सिर्फ एक तरह की फिल्में नहीं बनाए. बल्कि रोमांटिक, फैमिली ड्रामा, धार्मिक, म्यूजिकल, और बच्चों की फिल्में बनाए।

'मेरी फिल्म 'साली मोहब्बत' 05 दिसंबर को

उन्होंने आगे कहा, 'मेरी फिल्म 'साली मोहब्बत' 12 दिसंबर को जी 5 पर आ रही है, जिसके बारे में हमने पिछले साल ही जानकारी दी थी, और हमारी दूसरी फिल्म 'गुस्ताख इश्क' है, जो कि 1990 के दौर की एक रोमांटिक फिल्म है, जब मोबाइल फोन नहीं हुआ करते थे। इसके गाने और कविताएं मुझे काफी पसंद हैं। अब हमारी अगली फिल्म 'बन टिक्की' है, जो कि एक पिता की कहानी है। मनीष ने बताया कि वे अमर चित्रकथा, म्यूजिकल फिल्में, और कई तरह के कई जॉनर की फिल्में पर्दे पर लाना चाहते हैं। जब मनीष से उनकी जिंदगी के सबसे कठिन फैसले को लेकर पूछा, तो उन्होंने इसका जबाव देते हुए कहा, 'मेरी जिंदगी का सबसे कठिन फैसला कॉस्ट्यूम डिजाइन की दुनिया से मेन स्ट्रीम स्टाइलिंग में जाना था।

अल्लू अर्जुन की फिल्म में नजर आएगी ➡ 3 बॉलीवुड हसीनाएं

पुष्पा 2 से बॉक्स ऑफिस पर गदर मचाने वाले साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की अगली फिल्म देखने का फैन्स बेताबी से इंतजार कर रहे हैं। वैसे तो उनकी फिल्म पुष्पा 3 की घोषणा कर दी गई है। इसी बीच उनकी मोस्ट अवेटेड फिल्म को लेकर ताजा अपडेट सामने आई है। साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन 2024 में आई फिल्म पुष्पा 2 के बाद किसी भी मूवी में नजर नहीं आए। फैन्स उन्हें एक बार फिल्म स्क्रीन पर धमाल मचाते हुए देखने के लिए बेताब है। हालांकि, पुष्पा 3 की घोषणा के बाद से फैन्स काफी क्रेजी नजर आ रहे हैं।

इसी बीच चाहने वालों का उत्साह दोगुना करते हुए उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म की घोषणा की थी। डायरेक्टर एटली कुमार के साथ वाली इस मूवी को लेकर लंबे समय बाद ताजा अपडेट सामने आया है। खबरों की मानें तो मेकर्स ने मूवी की फाइनल स्टारकास्ट रिवील कर दी है। बता दें कि ये फिल्म 2027 में रिलीज होगी। अल्लू अर्जुन की फिल्म की फाइनल स्टारकास्ट रिवील कर दी गई है। इसमें अल्लू अर्जुन के साथ 5 हीरोइने नजर आएंगी।

इसमें से 3 बॉलीवुड और 2 साउथ हसीनाएं है। अल्लू अर्जुन की फिल्म में बॉलीवुड से दीपिका पादुकोण, जाह्नवी कपूर और मृणाल ठाकुर की एंट्री हुई है। वहीं, साउथ से इसमें रश्मिका मंदाना और राम्या कृष्ण अदाएं दिखाती नजर आएंगी। फिल्म में विजय सेतुपति का कैमियो रोल है। इस फिल्म ब्लॉकबस्टर फिल्म जवान के डायरेक्टर एटली कुमार निर्देशित कर रहे हैं। इसे सन पिक्चर के बैनर तले बनाया जा रहा है। मूवी की शूटिंग जारी है। रिपोर्ट्स की मानें तो इसे देखने को लिए 2027 तक इंतजार करना पड़ेगा।

साभार एजेंसी